



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 7, 1974/भाद्र 16, 1896
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 7, 1974/BHADRA 16, 1896

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए

साधारण नियम जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

मन्त्रिमण्डल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 944.—भारतीय पुलिस सेवा (काइर) नियम, 1954 के नियम 4 के उप नियम (2) के प्रथम परन्तुक और उप नियम (1) के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 की धारा 61) की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, केरल सरकार के परामर्श से एतद् द्वारा भारतीय पुलिस सेवा (काइर सेवा का नियन्त्रण) विनियम, 1955 की और आगे संशोधित करने के लिये निम्नलिखित विनियम, बनाती है अर्थात् —

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (काइर सेवा का नियन्त्रण) अधिनियम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख का प्रथम भाग।

2. भारतीय पुलिस सेवा (काइर सेवा का नियन्त्रण) विनियम, 1955 की अनुसूची में 'केरल' शीर्ष के लिये और तदधीन आने वाली परिवर्द्धियों के लिये, निम्नलिखित प्रावधानों की जाणगी, अर्थात् —

‘केरल’	
1. राज्य सरकार के अधीन वर्गित पद	35
पुलिस का महानिरीक्षक	1
पुलिस का उप-महानिरीक्षक (रेंज)	3
पुलिस का उप-महानिरीक्षक सी आई डी एच रेलवे	1
पुलिस का उप-महानिरीक्षक (सतर्कता)	1
सहायक पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय)	1
अतिरिक्त सहायक पुलिस महानिरीक्षक	1
पुलिस, आयुक्त त्रिवेन्द्रम	1
पुलिस आयुक्त, अरनाकुलम शहर	1
समादेष्टा सणम्नर पुलिस बटालियन	3
पुलिस अधीक्षक गविल आपूर्ति शाखा	1
पुलिस अधीक्षक, एका त्राव, सतर्कता शाखा	2
पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा	1
पुलिस अधीक्षक, अपराध शाखा सी आई सी	2
पुलिस अधीक्षक, रेल	1
पुलिस अधीक्षक, जिला	11
प्रशिक्षण प्रशिक्षण कालिज	1
संयुक्त पुलिस अधीक्षक (उप खंड)	3
कुल	35

2. केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति आरक्षित उपरोक्त 1 के 40 प्रति के हिमात्र से	14
3 भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 9 के अधीन प्रोन्नति द्वारा भरे जाने वाले पद उपरोक्त 1 और 2 के 23 प्रतिशत के हिमात्र से	12
4 सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पद उपरोक्त 1 और 2 में से घटाकर	17
5 प्रतिनियुक्ति आरक्षित उपरोक्त 4 के 20 प्रतिशत के हिमात्र से	7
6 छुट्टी आरक्षित उपरोक्त के 5 प्रतिशत के हिमात्र से	2
7 कनिष्ठ पद उपरोक्त 4 के 20.60 प्रतिशत के हिमात्र से	8
8 प्रशिक्षण आरक्षित उपरोक्त 1 के 10.59 प्रतिशत के हिमात्र से	4
सीधी भर्ती पद	58
प्रोन्नति पद	12
कुल प्राधिकृत संख्या	70

[सं. एफ 11/3/74 ए आई एम 2 (क)]

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi the 22 Aug., 1974

G. S. R. 944—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1) and the first proviso to sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Police Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Kerala, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Police (Fixation of Cadre Strength) Fourth Amendment Regulations, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, for the heading 'Kerala' and the entries occurring thereunder, the following shall be substituted namely:—

"KERALA"

1. Senior Posts under the State Government	35
Inspector General of Police	1
Deputy Inspectors General of police (Range)	3
Deputy Inspector General of Police CID & Rlys	1
Deputy Inspector General of Police (Vig)	1
Asstt. Inspector General of Police (Hqrs.)	1
Addl. Asstt. Inspector General of Police	1
Commissioner of Police, Trivandrum	1
Commissioner of Police, Ernakulam City	1
Commandants, Armed Police Battalions	3

Superintendent of Police, Civil Supplies Cell	1
Superintendent of Police, X-Branch, Vigilance Division	2
Superintendents of Police, Special Branch	1
Superintendents of Police, Crime Branch, CID	2
Superintendents of Police, Railways	1
Superintendents of Police, Districts	11
Principal Police Training College	1
Joint Supdts. of Police (Sub-Divisions)	3
TOTAL	35

Total

2. Central Deputation reserve @ 40% of 1 above	14
3. Posts to be filled by promotion under rule 9 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954 @ 25% of 1 and 2 above	12
4. Posts to be filled by Direct Recruitment 1 and 2 minus 3 above	37
5. Deputation Reserve @ 20% of 4 above	7
6. Leave Reserve @ 5% of 4 above	2
7. Junior Posts @ 20.60% of 4 above	8
8. Training Reserve @ 10.59% of 4 above	4
Direct Recruitment posts	58
Promotion posts	12
Total authorised strength	70

[N. F. 11/3/74-AIS.II(A)]

सांख्यिकी 945.—भारतीय पुलिस सेवा (वेतन), नियम, 1954 के नियम 11 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केरल सरकार के परामर्श से, एतद् द्वारा भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1951 को और सशोधित करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) चतुर्थ संशोधन नियम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 को तीसरी अनुसूची में —

(क) सारणी में, "वे पद, जिनका वेतन राज्य सरकारों के अधीन भारतीय पुलिस सेवा के बरिष्ठ वेतन मान से अधिक है" शीर्ष के अधीन स्तम्भ 1 में आने वाली 'केरल' प्रविष्टि के लिये और स्तम्भ 2 और 3 में तत्समान प्रविष्टियों के स्थान पर, क्रमशः निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् —

"केरल महा निरीक्षक पुलिस 2500—125/2—2750

उप-महानिरीक्षक पुलिस (रज) 1600-100-2000

पुलिस उप-महानिरीक्षक अपराध 1600-100-2000

अन्वेषण विभाग तथा रेल

पुलिस उप-महानिरीक्षक (सर्कल) 1600-100-2000"

(ख) सारणी में 'अ-राज्य सरकारों के अधीन' भारतीय पुलिस सेवा ज्येष्ठ वेतन मान में वेतन वाले पद जिनके अन्तर्गत काल वेतन मान में वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन वाले पद भी हैं 'शेष' के अधीन, प्रथम स्तम्भ में आने वाली 'केरल' प्रविष्टि के लिये और द्वितीय स्तम्भ में तत्कालीन प्रविष्टियों के लिये, निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायगी, अर्थात् —

'केरल' महायुक्त महा निरीक्षक पुलिस (मुख्यालय)'

अपर महायुक्त महा निरीक्षक पुलिस
पुलिस आयुक्त त्रिवेन्द्रम
पुलिस आयुक्त अर्नाकुलम शहर
समावेष्टा यणम्ब पुलिस स्टेशनियन
पुलिस अधीक्षक सिविल आपूर्ति शाखा
पुलिस अधीक्षक पब्लिक शाखा सतकर्ता खण्ड ।
पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा,
पुलिस अधीक्षक अपराध शाखा, सी० आई० डी
पुलिस अधीक्षक रेल,
पुलिस अधीक्षक जिला
प्रिंसिपल पुलिस प्रशिक्षण केंद्र
संयुक्त पुलिस अधीक्षक (उप-जिला) ।

[स० एक 11/3/74 ए आई एस ii(ख)]

G.S.R. 945.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 11 of the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Kerala, hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Police Service (Pay) Fourth Amendment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule III to the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954 :—

(a) Under the heading "A-Posts carrying pay above the senior scale in the Indian Police Service under the State Governments" occurring in the first column and the corresponding entries in the second and third columns the following shall respectively be substituted, namely :—

"Kerala Inspector General of 2500-125 2-2750
Police Deputy Inspector General
of Police (Range) . . . 1600-100-2000

Deputy Inspector General of
Police CID & Rlys. . . 1600-100-2000

Deputy Inspector General of
Police (Vig.) . . . 1600-100-2000";

(b) Under the heading "B-posts carrying pay in the senior scale of the Indian Police Service under the State Government" including posts carrying special pay in addition to pay in "Kerala" occurring in the first column and the corresponding entries in the second column, the following shall be substituted, namely :—

"Kerala

Asstt. Inspector General of Police (Hqrs.)
Addl. Asstt. Inspector General of Police
Commissioner of Police, Trivandrum

Commissioner of Police, Ernakulam City
Commandants, Armed Police Battalions
Superintendent of Police, Civil Supplies Cell
Superintendent of Police, X-Branch, Vigilance Division
Superintendent of Police, Special Branch
Superintendent of Police, Crime Branch, CID
Superintendent of Police, Railways
Superintendent of Police, Districts
Principal, Police, Training College.
Joint Superintendents of Police (Sub-Division)."

[No. F. 11/3/74-AIS-II(B)]

नई दिल्ली, 21 अगस्त 1974

सां० क्र० 946.—अखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 का उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार संबंधित राज्य सरकारों से परामर्श करके अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति प्रसुविधा) नियम, 1954 में आगे मंजूर करने के लिये एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का नाम अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति प्रसुविधा) तृतीय मंजूरनियम, 1974 है ।

(2) ये नियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु तथा सेवा निवृत्ति प्रसुविधा) नियम, 1954 के नियम 2 के उप-नियम (1) में,—

(1) खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जायेगा, अर्थात् :—

"(घ) वेतन में वृद्धि धनराशि अभिप्रेत है जो उक्त सेवा के किसी सदस्य द्वारा निम्नलिखित रूप में प्रतिमास ली जाए :—

(i) विशेष वेतन या उसकी व्यक्तिगत अंशदाओं को देखते हुए अनुदान वेतन को छोड़कर वह वेतन जो उस पद के लिये मंजूर किया गया है जिस पद में वह अधिष्ठाया रूप में अथवा स्थापनापन्न रूप में कार्य करता है या जिसके लिये वह फाइनर में अपनी स्थिति पात्रता के कारण हकदार है ;

(ii) समुद्र पार वेतन, विशेष वेतन तथा वैयक्तिक वेतन, और

(iii) कोई अन्य उपलब्धियां जिन्हें केन्द्रीय सरकार द्वारा विशेष रूप में वेतन के रूप में वर्गीकृत किया जाए" ;

(2) खंड (1) में —

(क) उप-खंड (ii) में अन्त में प्रयुक्त 'या' शब्द का लोप किया जायगा ;

(ख) उप-खंड (iii) का लोप किया जायेगा ।

[स० 29/91/70-अ० सा० सं० (2)]

वेद प्रकाश सर्वाज्ञा, अथर गचिब

New Delhi, the 24th August, 1974

G.S.R. 946.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government after consultation with the Governments of the States concerned hereby makes the following rules further to amend the All India

Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958, namely :—

1. (1) These rules may be called the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Third Amendment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 2 of the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958, in sub-rule (1),—

(1) for clause (g), the following clause shall be substituted, namely :—

“(g) ‘Pay’ means the amount drawn monthly by a member of the Service as—

(i) pay, other than special pay or pay granted in view of his personal qualifications, which has been sanctioned for a post held by him substantively or in an officiating capacity, or to which he is entitled by reason of his position in a cadre :

(ii) overseas pay, special pay and personal pay : and

(iii) any other emoluments which may be specially classified as pay by the Central Government.”

(2) in clause (1),—

(a) in sub-clause (ii), the word “or” at the end shall be omitted ;

(b) sub-clause (iii) shall be omitted.

[No. 29/91/70-AIS(II)]

V. P. MARWATIA, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1974

सां.कां.नि. 947 —दिनांक एक दिसम्बर, 1973 के भारत के राजपत्र में सां.कां.नि. 50 1277 के अधीन प्रकाशित भारतीय सांख्यिकी सेवा (चौथा संशोधन) नियम, 1973 के खंड (1) के उपखंड (1) के स्थान पर “(1) इन नियमों का नाम भारतीय सांख्यिकी सेवा (तथा संशोधन) नियम, 1973 है” पढ़ा जाए।

[सं. 11021/174-ई.एस.]

बी. एल. माथुरिया, सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd August, 1974

G.S.R. 947.—For Sub-clause (1) of clause 1 of the Indian Statistical Service (Fourth Amendment) Rules, 1973 which was published as G.S.R. No. 1277 in the Gazette of India dated the 1st December, 1973 Read “(1) These rules may be called the Indian Statistical Service (Ninth Amendment) Rules, 1973.”

[No. 11021/4/74-I S]

B. L. MATHURIA, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1974

सां. कां. नि. 948—दिनांक 29 जून, 1974 के भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (1) में सां. कां. नि. सं. 660 के रूप

में प्रकाशित भारत सरकार, मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) की अधिसूचना संख्या 16-19(1)/74-आ.सं. में सं. (4) दिनांक 15 जून, 1974 में पैराग्राफ 1(1) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

1(1) इन नियमों का नाम भारतीय वन सेवा (परिबीक्षा) दूसरा संशोधन नियम, 1974 है।

[सं. 16/19(1)/74-आ.सं.-1]

आर. एल. अग्रवाल, अधीक्षक सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd August, 1974

G.S.R. 948.—In the notification No. 16/19(1)/74-AIS(IV) dated the 15th June, 1974, of the Government of India, in the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) published as G.S.R. No. 660 in the Gazette of India Part II Section 3, Sub-Section (i), dated 29th June, 1974 for paragraph 1(1), the following shall be substituted :—

1. (1) “These rules may be called in the Indian Forest Service (Probation) Second Amendment Rules, 1974.”

[16/19(1)/74-AIS(IV)]

R. L. AGGARWAL, Under Secy.

विधि श्याम और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

विधि माहिर प्रकाशन

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1974

सां. कां. नि. 949.—राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विधि मंत्रालय, विधायी विभाग, वर्ग 3 अराजपत्रित पद (विधि पत्रिकाएँ) भर्ती नियम, 1969 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 (1) इन नियमों का नाम विधि मंत्रालय, विधायी विभाग वर्ग 3 अराजपत्रित पद (विधि पत्रिकाएँ) भर्ती (संशोधन) नियम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2 विधि मंत्रालय, विधायी विभाग, वर्ग 3 अराजपत्रित पद (विधि पत्रिकाएँ) भर्ती नियम, 1969 में उपखंड अनुसूची में “विक्रय मन्त्रालय” के पद से संबंधित प्रावित्तियों में, स्वयं 11 में, विद्यमान प्रावित्तियों में पूरक, निम्नलिखित अन्तर्स्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

‘क’ 50 से 60 के उच्च श्रेणी लिपिक-श्रेणी के अधिकारियों का (जो उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा कर चुके हों) स्थानान्तरण के त्रयसे न होने पर, 60 से 70 के निम्न श्रेणी लिपिक-श्रेणी के अधिकारियों का (जो उस श्रेणी में 10 वर्ष सेवा कर चुके हों), अधिमन्यत, जिन्हें प्रकाशना के अधिकार के अन्तर्गत अनुभव प्राप्त है, स्थानान्तरण”।

[सं. ए. 12015/1/73 पत्रिका (प्रशा.)]

एन. के. सेठ, अधीक्षक सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

New Delhi, the 31st July, 1974

G.S.R. 949.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Law, Legislative Department, Class III Non-Gazetted posts (Law Journals) Recruitment Rules, 1969, namely :—

1. (i) These rules may be called the Ministry of Law, Legislative Department, Class III Non-Gazetted posts (Law Journals) Recruitment (Amendment) Rules, 1974.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule appended to the Ministry of Law, Legislative Department, Class III Non-Gazetted posts (Law Journals) Recruitment Rules, 1969—in the entries relating to the post of "Sales Assistant", in column II before the existing entries, the following shall be inserted, namely :—

"Transfer of officers of the U.D.Cs. Grade of the C.S.C.S. (with 5 years' service in the Grade) failing which, officers of the I.D.Cs. Grade of the C.S.C.S. (with 10 years' service in that Grade), preferably having experience relating to the sale of publications."

[No. A. 12018/1/73-Journal (Adm.)]

N. K. SETH, Under Secy.

योजना मंत्रालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1974

मा० क्र० नि० 950.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मन्त्रिमंडल सचिवालय केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, औद्योगिक आकृष्टा पक्ष, कलकत्ता से सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III पदों के लिये भर्ती नियम 1950 में और आगे संशोधन करने के लिये एन० द्वारा निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् —

(1) ये नियम मन्त्रिमंडल सचिवालय, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, औद्योगिक आकृष्टा पक्ष, कलकत्ता, सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-III पद भर्ती (समाधान) नियम, 1974 कड़े जा सकेंगे।

(2) ये नियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख का लागू होंगे।

मन्त्रिमंडल सचिवालय, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, औद्योगिक आकृष्टा पक्ष, कलकत्ता, सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-III पद की अनुसूची के मध्य 10 में, क्रम सं० 5 में जो निम्न श्रेणी शिपिक ग, जिसके अनन्त हिन्दी टाइपिस्ट भी है, सबद्धित है, वधमान प्रविष्टिया के स्थान पर निम्नलिखित रखी जाएगी, अर्थात् —

"90 प्रतिशत सीधा भर्ती होगा।

निम्नलिखित शर्तों के अधीन कुल रिक्तियों में से 10 प्रतिशत रिक्तिया चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों द्वारा भरी जाएगी। —

(1) चयन विभागीय परीक्षा द्वारा ऐसे चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों तक सीमित रहना जो न्यूनतम औद्योगिक अर्थव्यवस्था में शिक्षा या समतुल्य, अपेक्षा पूरी करने हों।

(2) इस परीक्षा के लिये अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष होगी। (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के कर्मचारियों के लिये 50 वर्ष)

(3) चतुर्थ श्रेणी में पांच वर्ष की सेवा अनिवार्य होगी।

(4) इस वृत्त में प्रोन्नतों की अधिकतम संख्या निम्न श्रेणी शिपिक के स्वयं की प्रतिवर्ष होने वाली रिक्तियों की 10 प्रतिशत तक सीमित होगी। रिक्तिया जा भरी नहीं गई हैं अगले वर्ष पर नहीं ले जाई जायेंगी।"

[एफ सं० ए-12018/1/74-स्थापना-2]

के० सी० गेहानी, अवर सचिव

MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 14th August, 1974

G.S.R. 950.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Central Service (Class III posts in the Industrial Statistics Wing, Central Statistical Organisation, Calcutta, Cabinet Secretariat) Recruitment Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Central Service (Class III posts in the Industrial Statistics Wing, Central Statistical Organisation, Calcutta, Department of Statistics, Cabinet Secretariat) (Amendment) Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the General Central Service (Class III posts in the Industrial Statistics Wing, Central Statistical Organisation, Calcutta, Cabinet Secretariat) Recruitment Rules, 1959, against serial No. 5 relating to the post of Lower Division Clerk including Typist (Hindi), in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely :—

"90 per cent by direct recruitment.

10 per cent of the vacancies to be filled up by class IV employees subject to the following conditions :—

(i) Selection would be made through a departmental examination confined to such Class IV employees who fulfil the requirement of minimum educational qualification viz. Matriculation or equivalent.

(ii) The maximum age for the examination would be 45 years (50 years for Scheduled Castes/Scheduled Tribes employees).

(iii) At least five years of service in Class IV would be essential.

(iv) The maximum number of promotees by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerks occurring in a year; unfilled vacancies would not be carried over to the next year."

[F. No. A-12018/1/74-Estt. II]

K. C. GEHANI, Under Secy.

गृह मन्त्रालय

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 951 - राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति गृह मन्त्रालय के महानिदेशक नागरिक सुरक्षा एकांक से पुस्तकाध्यक्ष के पद से संबंधित भर्ती की पद्धति के विनियमन के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् —

1. गश्तिनाम और पारम्भ (1) ये नियम पुस्तकाध्यक्ष भर्ती नियम, 1974 कहलायेंगे।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पदा की संख्या, वर्गीकरण और बेतनमान आदि : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका बेतनमान इसके साथ संलग्न अनुसूची के कालम 2 में 1 में विनिर्दिष्टानुसार होंगे।

3. भर्ती का पद्धति, आयु-सीमा और अन्य शर्तेंनाम आदि : उक्त पद का भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शर्तेंनाम और उस से संबंधित अन्य बातें उक्त अनुसूची के कालम 3 से 13 तक में विनिर्दिष्टानुसार होंगी।

4. अनर्हताएं वह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसका पति/जिसकी पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने अपने पति/अपनी पत्नी के जीवित होत हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि इस संबंध में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार का लागू वैधविक कानून के अर्थात् अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार भी मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्ति का इस नियम में छूट दे सकेगा।

5. छूट देने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार का यह मत हो, कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके कारण लिखित करने हुए किसी वर्ग या श्रेणी के व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उपबन्ध में छूट दे सकेगा है।

6. अपवाद : केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियां, अनुसूचित आदिम जातियां और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के संबंध में दिये जाने वाले आरक्षणों और अन्य अपेक्षित रियायतों पर इन नियमों में विहित किसी व्यवस्था का अन्तर्लिखित प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

गृह मन्त्रालय के महानिदेशक नागरिक सुरक्षा एकांक से पुस्तकाध्यक्ष के पद के लिये भर्ती नियम

पद नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	प्रवर्णन पद है या अक्षरण पद	सीधी भर्ती के लिये आयु-सीमा	सीधी भर्ती वाला के लिये अपेक्षित शैक्षिक व अन्य शर्तेंनाम
1	2	3	4	5	6	7
पुस्तकाध्यक्ष श्रेणी-III	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-III अराज-पत्रित-अनुसूचिवीय	अपये 380-12-140- द०रा० 15-560- द०रा० 20-610	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं	किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय का स्नातक और पुस्तकाध्यक्ष विज्ञान में डिप्लोमा धारक वास्तविक पुस्तकालय संबंधी कार्य के कुछ व्यवहारिक अनुभव
क्या सीधी भर्ती की जाने वालों के लिये निर्धारित आयु व शैक्षिक शर्तेंनाम पदोन्नति होने वाले व्यक्तियों पर लागू होगी	परिशीक्षा की अपेक्षा, यदि कोई है।	भर्ती की पद्धति, क्या भी सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रार्थन-युक्ति/स्थानान्तरण द्वारा की जाएगी और विभिन्न पद्धतियों से की जाने वाली रिक्तिता का प्रतिफल।		यदि पदोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की जानी हो तो बिना गैर में पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है।	यदि कोई विभागीय पदोन्नति मंगति हो, तो उसका गटन क्या है।	भर्ती करने के लिये बिन परिस्थितियों में सफल सेवा आयाम से परामर्श किया जाता है।
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दा वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा 100 प्रतिशत	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

[स० एक० 6/23/74/20170]

असा० को०, उ०-गो०-व०

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, 24 August, 1974

G.S.R. 951.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, regulating the method of recruitment to the post of Librarian in the Director General Civil Defence Unit of the Ministry of Home Affairs, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Librarian Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. No. of posts, Classification and scale of pay : The number of the posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications : The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications : No person—

(a) who has entered into, or contracted, a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into, or contracted, a marriage with any person

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Librarian in the DGCD unit, Ministry of Home Affairs

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Upper age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Librarian Class III	1	General Central Services Class III Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 380-12-440-EB-15-560-LB-20-640.	Not Applicable	Not more than 30 years	Graduate of a recognised university and Diploma holder in Library Science. Desirable : Some practical experience of work in library.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotion.	Period of Probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/transfer/ deputation grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.	
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable	Two years	100 % by direct recruitment	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable

[No. F-6/23/74-L.R.]

S. KAUR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 24 अगस्त 1974

सा. का. नि. 952.—सविधान के अनुच्छेद 109 के परन्तु द्वारा पारित शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, राज. वि. सं. III पद समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) अर्थात् नियम, 1962 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

1 (1) इन नियमों का नाम, वर्ग III पद, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) अर्थात् (द्वितीय संशोधन) नियम 1974 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वर्ग III पद समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) अर्थात् नियम, 1962 की अनुसूची में तकनीकी सहायक के पद में सम्बन्धित कम भुक्त्या 6 में सम्बन्धित प्रविष्टियों में, स्तम्भ सख्या 7.11 और 12 में प्रविष्टियों के स्थान पर, क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात् —

स्तम्भ 7	स्तम्भ 11	स्तम्भ 12
“स्थानांतरण द्वारा जिनके न होने पर “यागू नहीं होता किन्तु प्रोन्नति के लिए निम्नलिखित आधारभूत प्रोन्नति द्वारा।”	अर्हताएं अनिवार्य होंगी — (क) बेतार आपरेटर : (i) स्नातक जिसकी एक वर्ष की सेवा हो या मैट्रिक्युलेट जिसकी निरन्तर 5 वर्ष की सरकारी सेवा हो जिसके अन्तर्गत बेतार आपरेटर के रूप में समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में कम से कम 2 वर्ष की सेवा भी है। (ii) समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के श्रेणी 1 के रेडियो तकनीशियन।	“प्रोन्नति बेतार आपरेटरों या रेडियो तकनीशियनों से या स्टोर कीपर (तकनीकी) से, जिस अनुभाग में रिक्ति उद्भूत हो उस पर निर्भर रहते हुए।
	(ख) रेडियो तकनीशियन (i) स्नातक जिसकी एक वर्ष की सेवा हो या मैट्रिक्युलेट जिसकी 3 वर्ष सेवा हो (ii) समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के श्रेणी 1 के रेडियो तकनीशियन।	अन्तरण बेतार पर्यवेक्षकों या तकनीकी सहायकों (रखाब) या तकनीकी सहायक (स्टोर) से, जिस अनुभाग में रिक्ति उद्भूत हो उस पर निर्भर रहते हुए।
	(ग) स्टोर कीपर (तकनीकी) (i) डिप्लोमाधारी जिसका इसी श्रेणी में 2 वर्ष का निरन्तर अनुभव हो। या जा डिप्लोमाधारी नहीं हो उसका इसी श्रेणी में 3 वर्ष का निरन्तर अनुभव हो। (ii) समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) का श्रेणी 1 का स्टोर ट्रेड परीक्षण।	
	(घ) प्रोन्नति/अन्तरितियों के लिए टिप्पण, प्रारूप और कार्यालय पत्र-यात्रों का अच्छा ज्ञान (जो परीक्षण द्वारा सधे किया जाएगा)।	

[सं. ए० 21/33/71-त्रायरलेस (कामिक-1)]

पी० के० जी० कादमल, अवर सचिव

New Delhi, the 24th August, 1974

G. S. R. 952.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Class III posts [Directorate of Coordination (Police Wireless)] Recruitment Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Class III posts [Directorate of Co-ordination (Police Wireless)] Recruitment (Second Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Class III Posts [Directorate of Co-ordination (Police Wireless)] Recruitment Rules, 1962, in the entries relating to S. No. 6 relating to the post of Technical Assistant for the entries in columns 7, 11 and 12, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

Col. 7	Col. 11	Col. 12
1	2	3
"By transfer failing which by promotion"	<p>"Not applicable but following basic qualifications for the promotees will be essential :—</p> <p>(a) Wireless Operator</p> <p>(i) Graduate with one year's service</p> <p>OR</p> <p>Matriculate with at least 5 years continuous Government service including at least two years in Directorate of Coordination (Police Wireless) as Wireless Operator.</p> <p>(ii) Grade I Wireless Operator of Directorate of Coordination (Police Wireless)."</p> <p>(b) Radio Technician</p> <p>(i) Graduate with one year's service</p> <p>OR</p> <p>Matriculate with 3 years service.</p> <p>(ii) Grade I Radio Technician of Directorate of Coordination (Police Wireless).</p> <p>(c) Storekeeper (Technical)</p> <p>(i) Diploma holder with 2 years continuous experience in the grade</p> <p>OR</p> <p>Non-diploma holder with 3 years continuous experience in the grade.</p> <p>(ii) Grade I Stores Trade Test of Directorate of Co-ordination (Police Wireless).</p> <p>(d) Sound knowledge of noting, drafting and Office Procedure (To be adjudged by a Test) for promotees/transferees)".</p>	<p>"Promotion</p> <p>From Wireless Operators to Radio Technicians or Store-keeper (Technical) depending on the Section in which vacancy arises.</p> <p>Transfer</p> <p>From Wireless Supervisors or Technical Assistants (Maintenance) or Technical Assistant (Stores) depending on the section in which vacancy arises."</p>

वित्त मंत्रालय

(राजस्व बीमा विभाग)

श्रीषधीय और प्रसाधन निमित्तिया

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 953—(सं० 11) श्रीषधीय और प्रसाधन निमित्तिया (उत्पादशुल्क) नियम, 1956 के नियम 60 के उपनियम (3) के अनुसरण में और स्थायी समिति की सलाह पर, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स राजपाल इंडस्ट्रीज, सील बामा, दादरा, और नगर हवेली द्वारा निमित्त फंगस लोशन, नई श्रीषधीय निमित्तिया, का एक अनिर्बंधित निमित्त के रूप में घोषित करती है और निदेश देती है कि उक्त निमित्त की श्रीषधीय और प्रसाधन निमित्तिया (उत्पादशुल्क) अधिनियम 1955 (1955 का 16) की अनुसूची की मद 1 (i) (क) के अधीन सम्मिलित अनिर्बंधित निमित्तियों के प्रवर्ग में सम्मिलित किया जाये।

[फा० सं० 656/12/73-ओपीएम]

जे० रामाकृष्णन, प्रवर सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

Medical and Toilet Preparations

New Delhi the 28th August, 1974

G.S.R. 953.—(No. 11). In pursuance of sub-rule(3) of rule 60 of the Medicinal and Toilet Preparations (Excise Duties) Rules, 1956 and on the advice of the Standing Committee, the Central Government hereby declares the new medicinal preparation FUNGUS LOTION, manufactured by Messrs Rajpal Industries, Silvansa, Dadra and Nagar Haveli to be an unrestricted preparations and directs that the said preparation be included in the category of unrestricted preparations falling under item 1(i)(a) of the Schedule to the Medicinal and Toilet Preparations (Excise Duties) Act, 1955 (16 of 1955).

[F. No. 656/12/73-OPIUM]

J. RAMAKRISHNAN, Under Secy.

(बीमा)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 954—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 43 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, निदेश देती है कि भारत के राजपत्र, प्रसाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (I) तारीख 23 अगस्त, 1958 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 734 तारीख 23 अगस्त, 1958 में निम्नलिखित संशोधन किया जायेगा, अर्थात्—

बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 27-क के प्रतिस्थापन से संबंधित, उक्त अधिसूचना के पैरा 8 में, जीवन बीमा निगम को इसके लागू होने में, उक्त धारा 27-क में,—

(i) जहाँ कभी भी “अनुमोदित विनिधान” शब्द आये हो उनके स्थान पर “अनुसूचित विनिधान” शब्द रखे जायेंगे।

(ii) उपधारा (1) में, खण्ड (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

(ग) ऐसी कम्पनी के शेयरों में सरखिस्तनीय डिबेंचर जिसने ठीक पूर्ववर्ती पांच वर्षों या पूर्ववर्ती सात वर्षों में से पांच वर्ष के लिये अपने शेयरों पर बोनस सहित कम-से-कम चार प्रतिशत लाभांश दिया हो।

[फा० सं० ९९(48)—आई एन एम/74]

Insurance

New Delhi, the 31st August, 1974

G.S.R. 954.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby directs that the following amendment shall be made to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No GSR. 734, dated the 23rd August, 1958, published in the Gazette of India Extraordinary Part II—Section 3—sub-section (i), dated the 23rd August, 1958, namely:—

In paragraph 8 of the said notification relating to substitution of section 27A of the Insurance Act 1938, in its application to the Life Insurance Corporation of India, in the said section 27A,—

(i) for the words “approved investments” and “approved investment”, wherever they occur, the words “scheduled investments” and “scheduled investment” shall respectively be substituted;

(ii) in sub-section (1), after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:—

“(cc) debentures convertible into shares of a company which has paid on its shares dividends of not less than four per cent including bonus for the five years immediately preceding or for at least five out of the seven years immediately preceding;”

[F. No. 88(48)INS. IV/74]

सा० का० नि० 955—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 13 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, निदेश देती है कि भारत के राजपत्र, प्रसाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (I), तारीख 23 अगस्त, 1958 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 724, तारीख 23 अगस्त, 1958 में निम्नलिखित संशोधन किया जायेगा, अर्थात्—

बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 27-क के, जैसे कि वह भारतीय जीवन बीमा निगम का लागू होती है, प्रतिस्थापन से संबंधित, उक्त अधिसूचना के पैरा 8 में, उक्त धारा 27-क की उपधारा (1) के खण्ड (ट) में—

(i) “पब्लिक लिमिटेड कम्पनी” शब्दों के पश्चात्, या “पब्लिक सेक्टर स्थापन” शब्द अन्तःस्थापित किये जायेंगे,

(ii) परन्तु क के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

स्पष्टीकरण इस खण्ड में पब्लिक सेक्टर स्थापन से निम्नलिखित के स्थायित्व, नियंत्रण या प्रबंध के अधीन स्थापन अर्थात् प्रेत है—

(क) कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 617 में क्या परिभाषित सरकारी कम्पनी,

(ख) ऐसा निगम जिसमें इसकी पूंजी का बालिस प्रतिशत से अन्यून (चाहे अकेले ही या अन्यो के साथ मिलकर) निम्नलिखित द्वारा पारित है—

- (i) सरकार; या
- (ii) भारतीय रिजर्व बैंक, या
- (iii) सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक के स्वामित्वाधीन निगम।

[फा० सं० 88(73) बीमा IV/73]

जी० एच० दामले, बीमा नियंत्रक तथा प्रबन्ध संचालक सचिव।

G.S.R. 955.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby directs that the following amendment shall be made to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. GSR. 734, dated the 23rd August, 1958, published in the Gazette of India Extraordinary Part II—Section 3—Sub-section (i), dated the 23rd August, 1958 namely:—

In paragraph 8 of the said notification relating to substitution of section 27A of the Insurance Act, 1938, in its application to the Life Insurance Corporation of India, in clause (k) of sub-section (1) of the said section 27A—

- (i) after the words "a public limited company", the words "or an establishment in public sector" shall be inserted;
- (ii) after the proviso, the following explanation shall be inserted, namely:—

"Explanation.—In this clause "establishment in public sector" means an establishment, owned, controlled or managed by—

- (a) a Government company as defined in section 617 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (b) a corporation in which not less than forty per cent of its capital is held (whether singly or taken together) by—
 - (i) Government; or
 - (ii) the Reserve Bank of India; or
 - (iii) a corporation owned by Government or the Reserve Bank of India."

[F. No. 88 (73) Ins-IV/73]

G. H. DAMLE, Controller of Insurance & Ex-Officio Jt. Secy.

(केंद्रीय उत्पाद-शुल्क)

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1974

सा. का. नि. 956.—खनिज उत्पाद (अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क) अधिनियम, 1958 (1958 का 27) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 4/69-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 18 जनवरी, 1969 को विखण्डित करती है।

[सं. 134/74-के. उ.फा. सं. 11/4/67-सी एक्स-3]

(CENTRAL EXCISES)

New Delhi, the 7th September, 1974

G.S.R. 956.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Mineral Products (Additional Duties of Excise and Customs) Act, 1958 (27 of 1958), the Central Government hereby, rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) No. 4/69-Central Excises, dated the 18th January, 1969.

[No. 134/74-CE/F. No. 11/4/67-CX.3]

सा. का. नि. 957.—केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना संख्या 34/73-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के खण्ड (क) में, "साल्वेज के रूप में" शब्दों के पश्चात् और "प्रयोग किया जाना आशयित है" शब्दों से पूर्व "या डी. डी. टी. (तकनीकी) और सी. एच. सी. (तकनीकी) के विनिर्माण में" शब्द, अक्षर और कोष्ठक अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

[सं. 136/74-सी. ई./फा. सं. 83/7/73-सी एक्स-3]

G.S.R. 957.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 34/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973, namely:—

In the said notification, in clause (a) of the proviso, after the words "sprays and suspensions", the words, letters and brackets "or for use in the manufacture of D.D.T. (Technical) and B.H.C. (Technical)" shall be inserted.

[No. 136/74-C.E./F. No. 83/7/73-CX.3]

सा. का. नि. 958.—केंद्रीय सरकार, केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 187/61-केंद्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 23 दिसम्बर, 1961 में जागे और निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

"2. अधिसूचना में सम्मिलित छूट उस कक्ष में नपथा के संबंध में लागू होगी जिसका प्रयोग अमोनिया के विनिर्माण में किया जाता है, परन्तु यह तब जब कि ऐसी अमोनिया अत्यन्त उर्ध्वक्रीयों के विनिर्माण में प्रयोग की जाती है और केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में वर्णित प्रक्रिया का अनुगमन किया जाता है।"

[सं. 137/74-सी. ई./फा. सं. 83/14/74-सी एक्स-3]

के. विश्वनाथन, उप सचिव।

G.S.R. 958.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 187/61-Central Excises, dated the 23rd December, 1961, namely :—

"2. The exemption contained in this notification shall also apply in respect of such Raw Naphtha as is used in the manufacture of Ammonia, provided such Ammonia is used elsewhere in the manufacture of fertilizers and the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed."

In the said notification, the following shall be inserted at the end, namely :—

[No. 137/74-C.E./F. No. 83/14/74-CX. 3]

K. VISHWANATHAN, Deputy Secy.

(प्राथमिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 मई, 1974

सा० का० नि० 959.—मविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने एतद्वारा विल मंत्रालय के प्राथमिक कार्य विभाग के बैंक नोट प्रेम, देवास में श्रेणी III के पदों पर भर्ती के तरीकों को नियन्त्रित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाए हैं, अर्थात् :—

1. सभ्यत शीर्षक और लागू होने की तारीख .

(1) ये नियम विल मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेम, देवास श्रेणी-III पद) भर्ती नियमावली 1974 कहे जायेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. प्रयुक्ति : ये नियम इस अधिसूचना से अनुबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में निर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।

3. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान .

पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उन से सम्बन्धित वेतनमान वे होंगे जैसाकि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निर्दिष्ट किया गया है।

4. भर्ती का तरीका, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं :

उक्त पदों पर भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अर्हताएं तथा उनसे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जैसी कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में निर्दिष्ट की गयी हैं।

लेकिन ऊपरी आयु-सीमा के बारे में, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के उम्मीदवारों के मामले में छूट दी जा सकती है।

5. अनर्हताएं कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह का सविदा किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवन रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह का सविदा किया हो, उक्त पदों में से किसी

पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत इस प्रकार की शादी की अनुमति दी जा सकती है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हों, तो वह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

6. छूट देने की शक्ति .

जिस मामले में केन्द्रीय सरकार का यह मत हो कि इस नियमावली के किन्हीं उपबन्धों में किसी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों अथवा पदों के सम्बन्ध में छूट देना आवश्यक अथवा इष्टकर है, वहां वह इसके कारणों का लिखित रूप में अभिलेख करके, आदेश द्वारा ऐसा कर सकती है।

7. छूट :

इन नियमों में निर्दिष्ट किसी बात का, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों और विशिष्ट श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए किये जाने वाले आरक्षणों और उन्हें दी जाने वाली रियायतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) में बैंक नोट प्रेस, देवास (मध्य प्रदेश) में कनिष्ठ पर्यवेक्षक को (मिबिल)

और एयर कंडीशनिंग के पदों के लिए भर्ती नियमावली

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	(प्रवर्णन)		
				मिबिलेशन पद है अथवा उसमें भिन्न पद है	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु	सीधी भर्ती वालों के लिए आवश्यक शैक्षणिक एवं अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ पर्यवेक्षक मिबिल	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III (अग्रज-पत्रित)	270-15-435-दक्ष-तारोध-20-535 रुपये	लागू नहीं	30 वर्ष की आयु से अधिक आयु नहीं	मिबिल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा/डिग्री तथा डिप्लोमा धारियों के मामले में तीन वर्ष या अनुभव और डिग्री धारियों के मामले में एक वर्ष का अनुभव।
कनिष्ठ पर्यवेक्षक (एयर कंडीशनिंग)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III (अग्रज-पत्रित)	270-15-435-दक्ष-तारोध-20-535 रुपये	लागू नहीं	30 वर्ष की आयु से अधिक आयु नहीं	इलैक्ट्रिकल/मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा/डिग्री तथा डिप्लोमा धारियों के मामले में दसमास और बड़े केन्द्रीय एयर कंडीशनिंग (वातानकुलन) संयंत्र और उससे संबंध उपकरणों की स्थापना और मरम्मत के बारे में तीन वर्ष का अनुभव और डिग्री धारियों के मामले में एक वर्ष का अनुभव।
क्या सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं पदोन्नति किए जाने वाले व्यक्तियों पर भी लागू होंगी।	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो तो	भर्ती का तारीख सीधी भर्ती द्वारा अथवा पदोन्नति द्वारा अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती किये जाने की स्थिति में उन सबको का उल्लेख जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना हो।	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति विद्यमान है तो उसका गठन क्या है।	वे परिस्थितियां जिन में भर्ती करते समय सच लोक-सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है।	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	
लागू नहीं	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	

[संख्या एफ० 10/33/73-बी० एन० पी०]

एन० एल० दल, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 17 May, 1974

G.S.R. 959.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class III posts in the Bank Note Press, Dewas, in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, namely :—

1. Short title and commencement: (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas Class III posts) Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official gazette.

2. Application : They shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number of posts classification and scale of pay: The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications: The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit specified for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Caste Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

5. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax: Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or the post.

7. Saving: Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the posts of Junior Supervisors (civil and Air-conditioning) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) in the Ministry of Finance (Deptt. of Eco. Affairs)

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruitment	Educational & other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Junior Supervisor (civil)	1	General Central Service Class III (Non-gazetted)	Rs. 270-15-435-EB-20-535	Not Applicable	Not exceeding 30 years	Diploma/Degree in Civil Engineering with three year's experience in the case of Diploma holders and one year in the case of Degree holders.
Junior Supervisor (Air conditioning)	1	General Central Service Class III (non-gazetted.)	Rs. 270-15-435-EB-20-535	Not applicable	Not exceeding 30 years	Diploma/Degree in Electrical Mechanical Engineering with three years' experience in the case of diploma holders and one year in the case of degree holders in the installation and maintenance of medium and large central air-conditioning system and related equipment. ¶
Whether age & educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of the promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled up by various methods.	In case of recruitment by promotion, deputation, transfer grade from which promotion/deputation transfer to be made	If a D.P.C. exists, what is its composition	Circumstances in which USPC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable	2 years	By direct Recruitment	Not Applicable	Not applicable	Not Applicable	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	

[No. F. 10/33/73-BNP]

S.L. DUTT, Under Secy.

वाणिज्य भन्नालय

नई दिल्ली, 6 अगस्त 1974

सा० का० नि० 960—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वर्ग I तथा वर्ग II राजपत्रित पद (बस्त्र आयुक्त का कार्यालय तथा अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड) भर्ती नियम, 1962 में और आगे सशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाने हैं, अर्थात् :—

1 (1) इन नियमों को वर्ग I तथा वर्ग II राजपत्रित पद (बस्त्र आयुक्त का कार्यालय तथा अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड) भर्ती (सशोधन) नियम 1974 कहा जायेगा।

(2) ये नियम, शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राजपत्रित पद वर्ग I तथा वर्ग II (बस्त्र आयुक्त का कार्यालय तथा अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड) भर्ती नियम, 1962 की अनुसूची में —

(1) सहायक निदेशक (ग्रेड I) (गैर-तकनीकी) पद से संबंधित क्रम संख्या 44 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
“44. सहायक निदेशक ग्रेड I (गैर-तकनीकी)	7	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग I (राजपत्रित)	400-100-450-30-600-35-670-४०००-३५-९५० रुपये।	चयन	35 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिये शिथिलनीय)	आवश्यक : (1) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा उसके समकक्ष। (2) सामान्यतः हथकरघा अथवा बस्त्र उद्योग अथवा वाणिज्य अथवा उद्योग से संबंधित कार्य वाले उत्तरदायी पद का लगभग 5 वर्ष का अनुभव और साथ ही कुछ लिपिकीय/संगठनात्मक/प्रशासनिक अनुभव हो (आयोग की स्वेच्छा से अर्हताएं शिथिल की जा सकती हैं यदि अभ्यर्थी अन्यथा सुयोग्य हो) बांछनीय : (1) व्यापार/परिवहन तथा वस्त्रों के विपणन के क्षेत्र में जानकारी तथा अनुभव। (2) विधि की डिग्री।

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	62.† प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा 33.½ प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति : सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) (400-680 रुपए) इस ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा सहित।	वर्ग I विभागीय प्रोन्नति समिति	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियमन, 1958 के अन्तर्गत यथा-पेक्षित।

(ii) सहायक प्रवर्तन अधिकारी ग्रेड I के पद से संबंधित क्रम संख्या 66 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
66. सहायक प्रवर्तन अधिकारी ग्रेड I	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग I (राजपत्रित)	100-100-450-30-600-35-670-४०००-३५-९५० रुपए	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

8	9	10	11	12	13
नाम नहीं होता	दो वर्ष	प्रौद्योगिकी द्वारा सेवा न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रोन्नति सहायक प्रवर्तन अधिकारी ग्रेड II (100-680 रूप) इस ग्रेड I में 3 वर्ष की सेवा सहित। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : वस्तु आयुक्त के कार्यालय में सहायक निदेशक ग्रेड I (गैर तकनीकी)। (प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	वर्ग 1 विभागीय प्रोन्नति समिति।	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियमन, 1958 के अन्तर्गत यथा-पेक्षित।

[फा० सं० ए० 12018/8/71-ई-1 (टेक्म.)]

प्रो० पी० गुप्ता, प्रवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 6th Aug., 1974

G.R.S. 960.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Class I and Class II Gazetted posts (Office of the Textile Commissioner and the All India Handloom Board) Recruitment Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Class I and Class II Gazetted posts (Office of the Textile Commissioner and the All India Handloom Board), Recruitment (Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Class I and Class II Gazetted posts (Office of the Textile Commissioner and the All India Handloom Board) Recruitment Rules, 1962.

(i) for S. No. 44 relating to the post of Assistant Director (Grade I) (Non-Technical) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
"44. Assistant Director Grade I (Non-Technical)	7	General Central Services Class I (Gazetted).	Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950.	Selection	35 years (Relaxable for Government servants)	<p>Essential :</p> <p>(i) Degree of recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) About 5 years experience in a responsible capacity of work connected with Handloom or Textile Industry or Commerce or Industry in general together with some Secretarial/Organisation/Administrative experience.</p> <p>(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well-qualified).</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Knowledge and experience in the field of commerce/transport and marketing of textiles.</p> <p>(ii) A degree in Law.</p>

8	9	10	11	12	13
No.	2 years	By promotion 66⅔% By direct recruitment 33⅓%.	Promotion: Assistant Director Grade II (Non-Technical (Rs. 400-680) with 3 years service in the grade.	Class I Departmental Promotion Committee.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."

(ii) for S.No.66 relating to the post of Assistant Enforcement Officer Grade I and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
"66. Assistant Enforcement Officer Grade I	2	General Central Services Class I (Gazetted).	Rs.400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950.	Selection	Not applicable.	Not applicable.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	Two years	By promotion failing which by transfer on deputation.	Promotion: Assistant enforcement Officer Grade II (Rs. 400-680) with 3 years service in the grade. Transfer on deputation: Assistant Director Grade I (Non-Technical) in the office of the Textile Commissioner. (Period of deputation not exceeding 3 years).	Class I Departmental Promotion Committee.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."	

[F.No.A.12018/8/71-E.I.(Tex.)]

O.P. GUPTA, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1974

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 23rd August, 1974

सां.क्रा.निं. 961.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा सीरम विज्ञानी विभाग, कलकत्ता (तृतीय श्रेणी और चतुर्थ श्रेणी पद) भरती नियमावली 1965 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

1. (1) इन नियमों को सीरम विज्ञानी विभाग, कलकत्ता (तृतीय और चतुर्थ श्रेणी पद) भरती (संशोधन) नियमावली, 1974 कहा जाए।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. सीरम विज्ञानी, कलकत्ता (तृतीय और चतुर्थ श्रेणी पद) भरती, नियमावली, 1965 की अनुसूची में कालम 12 के अन्तर्गत तकनीकी सहायक के पद से सम्बन्धित क्रमांक 6 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए:—

"प्रविष्टि.—जिन वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियनों की दो वर्ष की सेवा हो अथवा जिन्होंने वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन और प्रयोगशाला तकनीशियन के दोनों श्रेष्ठों में मिलाकर 7 साल तक कार्य किया हो।"

[सं० 14-4/71-एम० सी०]

न० स० भाटिया, अवर सचिव

G.S.R. 961.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Serologist's Department, Calcutta (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Serologists's Department, Calcutta (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Serologist's Department, Calcutta, (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1965, against serial number 6 relating to the post of Technical Assistant, under column 12, for the entire, the following shall be substituted, namely:—

"Promotion

Senior Laboratory Technicians with two years' service or with seven years' combined service in the grades of Senior Laboratory Technician and Laboratory Technician".

[No. F. 14-4/71-MC]

N. S. BHATIA, Under Secy.

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 962.--सविधान के अनुच्छेद 309 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग) में कनिष्ठ विशेषक (कार्य अध्ययन) के पद के लिये भर्ती की प्रणाली का नियमन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. लघु शीर्षक तथा आरम्भ होता :

(1) इन नियमों को शिक्षा विभाग (कनिष्ठ विशेषक) भर्ती नियम, 1974 कहा जाए।

(2) सरकारी राजपत्र में छपने की तारीख से ये लागू होंगे।

2. संख्या वर्गीकरण तथा वेतनमान :

इस पद की संख्या, उसका वर्गीकरण तथा वेतनमान उमी प्रकार से होंगे, जिस प्रकार इस से अनुसूची के कालम 2 से 4 में निर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा, अन्य योग्यताएं आदि :

इन पद के लिए भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा, योग्यताएं तथा भर्ती से संबंधित अन्य विषय उपरोक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में निर्दिष्ट के अनुसार होंगे।

4. अयोग्यताएं :

कोई भी ऐसा व्यक्ति

(क) जो ऐसे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, अथवा

(ख) जो पति/पत्नी के रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा,

बशर्ते कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि उस व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी को इस नियम से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति :

जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक अथवा उचित है तो लिखित रूप में कारणों का दर्ज करने हुए वह आदेश द्वारा तथा सत्र लोक सेवा आयोग के परामर्श से किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के पदों के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध से रियायत दे सकती है।

6. शर्तें :

इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित आदिम जाति तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों को दो जाने वाली अपेक्षित रियायतों और प्रावधानों को इन नियमों में से कोई भी प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

शिक्षा विभाग में कनिष्ठ विशेषक के पद के लिए भर्ती नियम

पदनाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवर्णन पद है या अप्रवर्णन	प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए आयु	प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएँ
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ विशेषक (कार्य अध्ययन)	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II राजपत्रित अलिपिकवर्गीय	400-25-500-30- 590-द रो० 30- 800-द० रो० 30 830-35-900 रु०	लागू नहीं होगा	लागू नहीं होगा	लागू नहीं होगा

कृषा प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए निर्धारित की गई आयु तथा शैक्षिक अर्हताएं, पदोन्नति के विषय में भी लागू होंगी।	परिबीक्षा की अवधि भर्ती प्रणाली, प्रत्यक्ष भर्ती या पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति तबादले द्वारा विभिन्न प्रणालियों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त स्थानों की प्रतिगणना	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/तबादले द्वारा भर्ती किए जाने की स्थिति में उन श्रेणियों का उल्लेख जिससे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/तबादले किया जाना है।	यदि विभागीय पदोन्नति समिति हो उसकी संरचना क्या है।	परिस्थिति जिसके लिए भर्ती करने के विषय में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया है।
---	--	--	--	--

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा अथवा नियुक्ति द्वारा ठेके पर	प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा अथवा ठेके पर नियुक्ति :	लागू नहीं होता	जैसा कि संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन अपेक्षित है।
----------------	----------------	---	--	----------------	--

केन्द्रीय सेवा में श्रेणी-2 के पद धारण करने वाले अधिकारियों में से, जिसके न होने पर, राज्य सरकार में श्रेणी-2 का कोई भी पद धारण करने वाले अधिकारी अथवा किसी सरकारी मैक्टर प्रतिष्ठान में इसके समान ग्रेड धारण करने वाले अधिकारी, जिनके पास निम्नलिखित योग्यताएं हों.—

- (1) किसी विश्वविद्यालय का डिप्टी अथवा उसके समकक्ष ;
- (2) बराबर के ग्रेड के राजपत्रित पद में कम से कम 5 वर्ष की सेवा अथवा किसी अराजपत्रित अथवा बराबर के ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की सेवा ; तथा
- (3) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संन्यास, अथवा कार्य अध्ययन के रक्षा संस्थान से कार्य अध्ययन व्यवसायी पाठ्यक्रम में सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया हो अथवा किसी अन्य संस्था से इसी तरह का प्रशिक्षण पाया हो।

अथवा

कार्य अध्ययन संगठन और पद्धति अथवा विश्लेषक सांख्यिकी अथवा गणित (आप्रेणन्स) अनुसंधान तथा अन्य प्रबंध अनुसंधान तकनीकों की प्रारंभिकता में कम से कम एक वर्ष का अनुभव।

(प्रतिनियुक्ति अथवा ठेके की अवधि साधारणतया 6 वर्ष से अधिक नहीं होगी)

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 1st August, 1974

G.S.R. 962.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Analyst (Work Study) in the Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education), namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Department of Education (Junior Analyst Work Study) Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay : The number of the said posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc : The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule :

4. Disqualification : No person—

(a) who have entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Junior Analyst in Department of Education

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Junior Analyst (Work Study).	2	General Central Service Class II Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 400-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900.	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of Probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
---	----------------------------	--	---	--	---

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation or by appointment on contract.	<p>Transfer on deputation or appointment on contract</p> <p>From among officers holding any Class II post under Central Government, failing which officers holding any Class II post under State Government or holding equivalent grade in any Police Sector Undertakings, and who have :—</p> <p>(i) a University degree or its equivalent;</p> <p>(ii) a minimum of 5 years service in a gazetted post of equivalent grade or a minimum of 8 years service in non-gazetted or equivalent grade; and</p> <p>(iii) successfully completed training in the work study practitioners' Course of the Institute of Secretariat training and Management or Defence Institute of work study or equivalent training in any other institution.</p> <p>OR</p> <p>have atleast 1 year's experience in the application of Work Study organisation and methods or analytical statistical or operations research and other management research techniques.</p> <p>(Period of deputation or contract-ordinarily not exceeding 6 years).</p>	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958

नौवहन और परिवहन मन्त्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1974

(पत्तन)

सा० का० नि० 963—राष्ट्रपति मन्त्रिमण्डल के अनुच्छेद 309 के परन्तु क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और विमानन मन्त्रालय के परिवहन और नौवहन विभाग (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० 4-पी ई (7)/64, तारीख 4 मार्च, 1967 के साथ प्रकाशित लघु पत्तन निकर्षण और सर्वेक्षण संगठन (सर्वेक्षण पक्ष) (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1967 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् —

1 (1) इन नियमों का नाम लघु पत्तन निकर्षण और सर्वेक्षण संगठन (सर्वेक्षण पक्ष) (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबल होंगे।

2 लघु पत्तन निकर्षण और सर्वेक्षण संगठन (सर्वेक्षण पक्ष) (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1967 में —

(1) नियम 6 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् —
“6 वह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति में जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों पर से नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी”

(ii) नियम 7 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अस्तित्व में स्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“8 व्यावृत्ति इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सूचन में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों के अर्जियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है”।

(iii) “भाग I—बर्ग 3 पद” शीर्षक के अधीन अनुसूची (I) में —

(क) “सेराग ग्रेड II” के पद के सामने—

(क) स्तम्भ 7 की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

“अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 के अधीन प्रथम श्रेणी मास्टर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र,

या

अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 के अधीन द्वितीय श्रेणी मास्टर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड में कम से कम दो वर्ष की सेवा या अनुभव।”

(ख) स्तम्भ 11 में “5 वर्ष” शब्द और शब्द के स्थान पर “3 वर्ष” शब्द और शब्द रखे जाएंगे।

(ख) “सेराग ग्रेड II” के पद के सामने —

(क) स्तम्भ 7 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

‘अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 के अधीन द्वितीय श्रेणी मास्टर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड में कम से कम दो वर्ष की सेवा या अनुभव ,

या

अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 के अधीन सेराग के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड में कम से कम दो वर्ष की सेवा या अनुभव।” ,

(ख) स्तम्भ 11 में, “प्रोन्नति” शीर्षक के अधीन, “अपेक्षित प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा” शब्दों और शब्द के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् —

“अपेक्षित अर्हताएं तथा इस ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा।” ,

(ग) “नी (इजिन) चालक ग्रेड I” के पद के सामने—

(क) स्तम्भ 7 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

“वाणिज्य पात्र परिवहन अधिनियम, 1958 के अधीन जारी किया गया समुद्रगामी इजिन-चालक (मास्टर) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र ,

या

अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम 1917 के अधीन जारी किया गया प्रथम श्रेणी इजिन चालक (मास्टर) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र ,

या

अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम 1917 के अधीन जारी किया गया द्वितीय श्रेणी इजिन चालक (मास्टर) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष की सेवा या अनुभव।”

(ख) स्तम्भ 11 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् —

“प्रोन्नति अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम 1917 के अधीन ऐसे द्वितीय श्रेणी नी (इजिन) चालक (ग्रेड 2) में से जिनके पास अपेक्षित सक्षमता प्रमाणपत्र हो और जिन्होंने उस ग्रेड में 3 वर्ष सेवा की है ,

या

अन्तर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम 1917 के अधीन ऐसे द्वितीय श्रेणी नी (इजिन) चालक (ग्रेड 2) में से जिन्होंने उस ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष सेवा की है।

स्थानान्तरण

अन्य केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों से समकक्ष या समतुल्य ग्रेडों में से।” ,

(घ) “नी (इजिन) चालक ग्रेड 2” पद के सामने, स्तम्भ 11 में “प्रोन्नति” शीर्षक के अधीन, “और जिन्होंने उस ग्रेड में 5 वर्ष सेवा की

हा शब्दों और अंक के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“और जिन्होंने उस ग्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो” ;

(ङ) “चालक (परिवहन)” पद के सामने स्तम्भ 11 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“प्रोन्नति”

“ऐसे मक्दगारों में से जिनके पास अपेक्षित मोटर चालन अनुज्ञति हो और जिन्होंने उस ग्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो, जिनके न हो गकने पर ऐसे वर्ग 4 कर्मचारिवृन्द में से जिनके पास अपेक्षित मोटर चालन अनुज्ञति हो और जिन्होंने उस ग्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो।” ;

(II) “भाग II—वर्ग 4 पद” नीचे के अधीन—

(क) “दिनचल” पद के सामने, स्तम्भ 11 में “ऐसे नाविक और ग्रीजनों में से प्रोन्नति द्वारा जिनके पास 3 वर्ष का अनुभव हो” शब्दों और अंक के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“प्रोन्नति”

“ऐसे नाविकों में से जिन्होंने उस ग्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो।” ;

(ख) “नाविक” पद के सामने, स्तम्भ 11 में “ऐसे खलामियों और मक्दगारों में से प्रोन्नति द्वारा जिन्हें 3 वर्ष का अनुभव प्राप्त हो” शब्दों और अंक के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखे जाएंगे अर्थात् :—

“प्रोन्नति”

“ऐसे खलामियों में से जिन्होंने उस ग्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो।” ;

(ग) “ग्रीजर” पद के सामने, स्तम्भ 11 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“प्रोन्नति”

“ऐसे खलामियों में से जिन्होंने उस ग्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो।”

[सं० 18-पी ई(33)/73]

श्रीमती बी० निर्मल,

अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 20th August, 1974

(Ports)

G.S.R. 963.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend as Minor Ports Dredging and Survey Organisation (Survey Wing) (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1967, published with notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Aviation, Department of Transport and Shipping (Transport Wing) No. 4-PE(7)/64 dated the 4th March, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Minor Ports Dredging and Survey Organisation (Survey Wing) (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Minor Ports Dredging and Survey Organisation (Survey Wing) (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1967—

(i) for rule 6, the following rule shall be substituted, namely :—

“6. No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.” ;

(ii) after rule 7, the following rule shall be inserted, namely :—

“8. Saving Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders by the Central Government from time to time in this regard.”

(iii) in the Schedule (I) under the heading “PART I—Class III POSTS”—

(a) against the post of “Serang Grade I”—

(A) in column 7, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“Certificate of Competency as Master I Class under Inland Steam-vessels Act, 1917 ;

OR

Certificate of Competency as Master II Class under Inland Steam-vessel Act, 1917 with not less than 2 years service or experience in the grade.” ;

(B) in column 11, for the figure and letters “5 years”, the figure and words “3 years” shall be substituted ;

(b) against the post of “Serang Grade II”.

(A) in column 7, for the entry the following entry shall be substituted, namely :—

“Certificate of Competency as Master II Class under the Inland Steam-vessels Act, 1917 with not less than 2 years service or experience in the grade ;

OR

Certificate of Competency as Serang under Inland Steam-vessels Act, 1917 with at least 2 years experience in the grade.” ;

(B) in column 11, under the heading “Promotion”, for the words and figure “requisite certificate(s) and having 5 years service in the grade”, the following words and figures shall be substituted, namely :—

“requisite qualifications and having 3 years service in the grade.” ;

(c) against the post of “Marine (Engine) Driver Grade I”—

(A) in column 7, for the entry the following entry shall be substituted, namely :—

“Certificate of Competency as Sea Going Engine-Driver (Motors) issued under the Merchant Shipping Act, 1958 ;

OR

Certificate of Competency as I Class Engine Driver (Motor) issued under the Inland Steam-vessels Act, 1917 ;

OR

Certificate of Competency as II Class Engine Driver (Motor) issued under the Inland Steam-vessels Act, 1917 with not less than 3 years service or experience in the grade."

(B) In column 11 for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Promotion: From amongst II Class Marine (Engine) Drivers under the Inland Steam-vessels Act, 1917 (Grade II) who are holding the requisite Certificate of Competency and having 3 years service in the grade;

OR

II Class Marine (Engine) Drivers under the Inland Steam-vessels Act, 1917 (Grade II) who have rendered a minimum of 3 years service in the grade.

Transfer

From similar or equivalent Grades from other Central Government Offices."

(d) against the post of "Marine (Engine) Driver Grade II", in column 11, under the heading "Promotion", for the words and figure "and having 5 years service in the grade", the following words and figure shall be substituted, namely:—

"and having 3 years service in the grade.";

(e) against the post of "Driver (Transport)", in column 11 for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Promotion"

"From helpers possessing the requisite Motor Driving Licence and having 3 years service in the grade, failing which the Class IV staff possessing the requisite Motor Driving Licence and having 3 years service in the grade.";

(II) under the head "PART II—Class IV POSTS"—

(a) against the post of "Tindal", in column 11, for the words and figure "By promotion amongst Deck-Hand and Greasers with 3 years experience", the following words and figure shall be substituted, namely:—

"Promotion"

"From amongst Deck Hands with 3 years service in the Grade.";

(b) against the post of "Deck Hand", in column 11 for the words and figure "By promotion amongst Khalasis and Helper with 3 years of experience", the following words and figure shall be substituted, namely:—

"Promotion"

"From amongst Khalasis with 3 years service in the grade.";

(c) against the post of "Greasers", in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Promotion"

From amongst Khalasis with 3 years service in the Grade."

[No. 18-PE(33)/73.]

Mrs. B. NIRMAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 अगस्त 1974

(वाणिज्य परिवहन)

सा० का० नि० 964—यत् वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा माधित्र) नियम, 1969 का प्रारूप वाणिज्य परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 288 की उपधारा (I) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के तौरहन एवं परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सा० का० नि० 149 दिनांक 15 जनवरी, 1969 के अधीन भारत के राजपत्र के भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (1), दिनांक 26 जून, 1971 के पृष्ठ 2463 से 2531 तक प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनका उसमें प्रभावित होना संभाव्य था, आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे;

और यत् उक्त प्रारूप को फिर से उन लोगों के सूचनार्थ, जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य था, प्रकाशित करना वांछनीय समझा गया है।

इसलिए अब उक्त अधिनियम की धारा 457 और धारा 288 की उपधारा (1) तथा उपधारा (2) की धारायें (क), (ख), (ग), (घ), (ङ), (च), (छ), (ज), (ट), (ठ) और (ण) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय वाणिज्य परिवहन (प्राण रक्षा माधित्र) नियम 1956 का अधिष्क्रमण करते हुए एतद्वारा धारा 288 की उपधारा (1) द्वारा उन सभी व्यक्तियों के सूचनार्थ, जिनका इसमें प्रभावित होना संभाव्य है, प्रकाशित की गई है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पैनलीम दिनांक के पश्चात् विचार किया जाएगा, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधोलिखित नियम बनाने का निश्चय करती है।

उक्त नियमों के प्रारूप के संबंध में किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव विनिर्दिष्ट समय की समाप्ति से पूर्व प्राप्त हो जाय केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

1. संक्षिप्त नाम प्रारम्भ और प्रयोज्यता:— (1) ये वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा माधित्र) नियम 1974 कहे जा सकेंगे।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

(3) ये

(क) सभी समुद्र से जाने वाले भारतीय पोतों और

(ख) भारतीय पोतों में भिन्न सभी पोतों को जब कि वे भारत में किसी पत्तन या स्थान पर या भारत के राज्य क्षेत्रीय समुद्र की सीमा में हैं:

को लागू होंगे:

परन्तु ये नियम किसी पोत के, भारत के किसी पत्तन या स्थान पर या भारत के राज्य क्षेत्रीय समुद्र की सीमा में होने के कारण ही नहीं लागू होंगे यदि वह पोत, ऐसे पत्तन या स्थान पर मौसम या किसी परिस्थिति के वजह से अटक गया हो जिसका न तो पोत के मास्टर न तो स्वामी, न तो भाड़े पर लेनेवाला निवारण या पूर्वानुमान कर सकते थे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है।

- (क) "अनुमोदिन" से केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदिन अभिप्रेत है,
- (ग) "उत्पादन बैट्टा" से रक्षा बोया या रक्षा जाकेट से भिन्न प्लवन उपस्कर अभिप्रेत है जो व्यक्तियों की विनिश्चित संख्या को जो जन में है सहायता देने के लिए डिजाइन किया गया हो और ऐसे सनिमाण का हो जो अपने आकार और गुण धर्म की प्रतिधारित करें,
- (घ) "प्रमाण पत्रित रक्षा नाविक" से, कर्मावल का कोई मदस्य अभिप्रेत है जिसके पास रक्षा नाविकों की (अर्हताएं और प्रमाण पत्र) नियम, 1963 द्वारा दिया हुआ रक्षता का प्रमाण-पत्र हो,
- (ङ) "वर्ग 'ग' नौका" से वह नौका अभिप्रेत है जो नियम, 16 के उपबन्धों के अनुसार है,
- (च) "स्कीनियोग्य बचाव-तरापा" से ऐसा बचाव-तरापा अभिप्रेत है जो मानवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (छ) "अवनरण साधित्र" से ऐसा साधित्र अभिप्रेत है जो पत्रहवी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार,
- (ज) "रजिस्ट्रीकृत पोत के संबंध में 'लंबाई' " से रजिस्ट्रीकृत लंबाई अभिप्रेत है और रजिस्ट्रीकृत पोत के संबंध में 'माथे के अगले हिस्से में कुदाम के शीर्ष के पिछले तरफ तक या अगर मुकान को लेने के लिए कुदाम नहीं लगा हो तो मुकान दण्ड के आगे की तरफ से उस स्थान तक यज्ञा मुकान खोखू से बाहर जाता है' तक की लंबाई अभिप्रेत है,
- (झ) "रक्षा नौका से" ऐसी नौका अभिप्रेत है जो नियम, 12 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ञ) "बचाव-तरापा" से ऐसा बचाव-तरापा अभिप्रेत है जो नियम, 17 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ट) "पन्न चालित रक्षा नौका" से ऐसी नौका अभिप्रेत है जो नियम, 15 के उपबन्धों के अनुसार है,
- (ठ) "मोटर रक्षा नौका" से ऐसी मोटर रक्षा नौका अभिप्रेत है जो नियम, 14 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ड) इन नियमों के संबंध में "व्यक्ति" से एक वर्ष से ऊपर की अवस्था का कोई भी व्यक्ति अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत पोत के कर्मी और आक्रमर भी आते हैं,
- (ढ) "अनन्य बचाव-तरापा" से ऐसा बचाव-तरापा अभिप्रेत है जो मानवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ण) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है,
- (न) "संक्षिप्त अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा" से ऐसी अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा अभिप्रेत है जिसके दौरान पोत किसी भी समय पल्लन या उस स्थान में जहां यात्री और कर्मी सुरक्षा पूर्वक रखे जा सकते थे 200 नॉटिकल मील से अधिक दूर न हो और जो किसी देश के जहाँ से समुद्र यात्रा प्रारंभ होती है, गत विश्राम-पल्लन और अन्तिम गन्तव्य पल्लन के बीच 600 नॉटिकल मील से अधिक दूर न हो।

3. पोतों का वर्गीकरण :—इत नियमों के प्रयोजन के लिए पोत निम्न निम्नित वर्गों में रखे जाएंगे अर्थात् :—

क—यात्री पोत

वर्ग I अन्तर्राष्ट्रीय समुद्रयात्रा में लगे हुए, वर्ग II, III और IV के अन्तर्गत आने वाले पोतों से भिन्न, यात्री पोत,

वर्ग II संक्षिप्त अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा में लगे हुए वर्ग IV के अन्तर्गत आने वाले पोतों से भिन्न यात्री पोत,

वर्ग III अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा में लगे हुए वर्ग IV के अन्तर्गत आने वाले पोतों से भिन्न वाणिज्य यात्री पोत,

वर्ग IV संक्षिप्त अन्तर्राष्ट्रीय समुद्रयात्रा में लगे हुए वाणिज्य यात्री पोत,

वर्ग V तटीय समुद्र यात्रा में लगे हुए डैक यात्री पोत।

ख—यात्री पोतों से भिन्न पोत

वर्ग VI वर्ग VII के अन्तर्गत आने वाले पोतों से भिन्न स्थीर पोत, वर्ग VII तटीय समुद्र यात्रा या निकटवर्ती पड़ोसी देशों की समुद्र यात्रा में लगे हुए स्थीर पोत,

वर्ग VIII मछली पकड़ने वाले जलयान और अन्य पोत जो वर्ग I से VII जिसमें दोनों सम्मिलित हैं, के अन्तर्गत नहीं आते हैं।

4. वर्ग I के पोत—(1) यह नियम वर्ग I के पोतों को लागू होगा।

(2) वर्ग I का हर पोत—

(क) पोत प्रत्येक और रक्षा नौकाओं की ऐसी संख्या बहुत करेगा जिसकी पर्याप्त कुल धारिता उन व्यक्तियों की कुल संख्या के आधे को जिनमें पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है, स्थान देने के लिये होगी, या

(ख) रक्षा नौकाओं और बचाव-तरापों को ऐसी संख्या बहुत करेगा जिसकी कुल धारिता व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है, स्थान देने के लिये होगी, परन्तु पोत के प्रत्येक और यष्टन की हुई रक्षा नौकाएं, जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है, 37½ प्रतिशत को आवश्यक स्थान देने के लिये कभी भी कम नहीं होगी; परन्तु उस पोत के बारे में जिसकी पटाण 26 मई, 1965 के पहले रखी गई थी, इस लखण के उपबन्ध केवल तभी लागू होंगे जब व्यक्तियों की संख्या, जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है, इस कारण से नहीं बढ़ा दी गई है कि बोर्ड पर उपलब्ध बचाव-तरापों की संख्या, ऐसी बड़ी हुई संख्या के लिये पर्याप्त है।

(3) (क) हर पोत पर, जब वह समुद्र में है, उपनियम (2) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं, पोत के प्रत्येक और एक-एक आपात में तत्काल प्रयोग के लिये तैयार रखी जाएंगी।

(ख) इन दोनों रक्षा नौकाओं में से किसी की भी लंबाई 8.5 मीटर से अन्तर्गत होगी, किन्तु उनमें से कोई, या दोनों मीटर रक्षा नौका या रक्षा नौकाएं हो सकती हैं, और उस वक्ता में, उपनियम (4) के अनुपालन के प्रयोजन के लिये कही जा सकेगी।

(ग) नियम, 29 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी, स्केट या अन्य उपयुक्त साधनों का इन रक्षा नौकाओं में लगा होना अपेक्षित नहीं है।

(4) हर पोत अपने प्रत्येक और कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहुत करेगा :

परन्तु कोई पोत जो 30 व्यक्तियों से अधिक को वहन करने के लिये प्रमाणित है, उसके लिये केवल एक ही ऐसी मोटर रक्षा नौका वहन करना अपेक्षित होगा।

(5) (क) हर पोत में, जो 1500 या उससे अधिक व्यक्तियों को वहन करने के लिये प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुसार वहन की हुई प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में नियम, 25 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर व्यवस्थित होंगे,

(ख) हर पोत में जो 199 से अधिक किन्तु 1500 से कम व्यक्तियों को वहन करने के लिये प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुसार वहन की हुई कम से कम एक मोटर रक्षा नौका में, नियम, 25 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी,

(ग) इस नियम के अनुपालन में वहन की हुई प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में, नियम, 25 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट सर्चलाइट होगी।

(6) हर एक पोत जो अपने प्रत्येक और उपनियम (5) के धारा (क) में विनिर्दिष्ट उपस्कर में लगी मोटर रक्षा नौका वहन नहीं करता, एक सुबाधक रेडियो उपस्कर वहन करेगा जो नियम, 34 के उपबन्धों के अनुसार होगा।

(7) इस नियम के अनुपालन में वहन की हुई प्रत्येक रक्षा नौका की लंबाई 7.3 मीटर से अन्यून होगी।

(8) हर पोत में प्रत्येक रक्षा नौका डेविटों के पृथक से से संलग्न होगी जो गुरुत्व प्रकार होगा इसके अलावा कि उन रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिये जिनका भार 2300 किलोग्राम से अनधिक है, उनकी अवतरण स्थिति में लॉफिंग-डेविट लगे हो सकेंगे।

(9) (क) उपनियम (2) के खंड (ख) के अनुसार वहन किये हुए बचाव-तरापे अवतरण साधनों से युक्त होंगे,

(ख) पोत के प्रत्येक और कम से कम ऐसा एक साधन होगा और प्रत्येक और लगे हुए साधनों की संख्या में एक से अधिक अन्तरकभी नहीं होगा।

(10) हर पोत ऐसे बचाव-तरापा वहन करेगा जो ऐसे अवतरण साधनों से युक्त नहीं हो सकेगा। जिनमें उन व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत की स्थान देने के लिये जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है उस संख्या के 3 प्रतिशत के लिये उत्प्लावन बेड़ा के साथ, पर्याप्त धारिता हो:

परन्तु—

(क) यदि उपनियम (2) के खंड (ख) के अनुसार बचाव-तरापे भी वहन किये जाते हैं तो पोत द्वारा वहन किए गए सभी बचाव-तरापे, उपनियम (9) के अनुसार पोत पर लगे हुए अवतरण साधनों द्वारा अवतरित होने योग्य होंगे, और

(ख) वह पोत जो 0.33 या उससे कम के प्रविभाग का गुणक रखता है, बदले में केवल, व्यक्तियों की कुल संख्या, जिसे यह वहन करने के लिये प्रमाणित है, के 25 प्रतिशत के लिये उत्प्लावन बेड़ा वहन कर सकेगा।

(11) (क) हर पोत-निम्नलिखित सारणी के अनुसार, रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या वहन करेगा :—

मारणी

पोत की लंबाई मीटर में

वहन किए जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या

61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किये हुए रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, न्यूनतम 6 के अध्यधीन रक्षा दक्ष स्व-प्रज्वलन बत्ती की व्यवस्था होगी।

(ग) स्व-प्रज्वलन बत्तियों से व्यवस्थित कम से कम दो रक्षा बोयों में 15 मिनट से अन्यून टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के दक्ष स्वतः सक्रिय धूम्र संकेतों की भी व्यवस्था होगी और धूम्र संकेतों से इस प्रकार व्यवस्थित रक्षा बोये नौचालन कक्ष में शीघ्र नियुक्त होने से समर्थ होगा।

(घ) पोत के प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोये में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लावन रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी

(12)(क) हर पोत पर —

(1) यथास्थिति हर व्यक्ति के लिये या व्यक्तियों की उम संख्या के लिये जिससे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है, जिनमें जो भी अधिक हैं, दसवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिये, जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है, दसवी अनुसूची में भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(ख) हर पोत खण्ड (क) के अनुसार वहन की हुई रक्षा जाकेटों के अनतिरिक्त व्यक्तियों की उम संख्या में कम से कम पांच प्रतिशत के लिये जिसे यह वहन करने के लिये प्रमाणित है, दसवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार रक्षा जाकेट भी वहन करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर नौभारित होंगी जो सहजदृश्य रूप से चिह्नित होगी।

(13) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधन वहन करेगा।

5. वर्ग 1 के पोत—(1) यह नियम वर्ग 2 के पोतों को लागू होगा।

(2) उपनियम (8) के उपबन्धों के अध्यधीन हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुसार प्रथम अनुसूची में उपवर्णित मारणी के स्तम्भ क में विनिर्दिष्ट डेविटो के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी :

परन्तु किसी भी पोत में डेविटों के सेटों की उम संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे वहन करने के लिये प्रमाणित है, स्थान देने के लिये अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक से अधिक है।

(3) डेविटों के हर ऐसे सेट में एक रक्षा नौका संलग्न होगी और उपनियम (8) के उपबन्धों के अध्यधीन इस प्रकार संगन रक्षा नौकाओं में, प्रथम अनुसूची में उपवर्णित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट कम से

कम धारिता की या उम धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है यदि परवर्ती कम हो स्थान देने के लिये व्यवस्था होगी।

(4) (क) हर पोत पर जब वह समुद्र में हो उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएँ, पोत के प्रत्येक ओर आपात में तत्काल प्रयोग के लिये तैयार रखी जाएगी।

(ख) धारा (क) में उपर्युक्त इन दोनों रक्षा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अधिक होगी, किन्तु उनमें से कोई भी या दोनों मीटर रक्षा नौका या रक्षा नौकाएँ हो सकेंगी और उम दशा में उपनियम (5) के अनुसार प्रयोजन के लिये गिनी जा सकेंगी।

(ग) नियम 29 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी, इन रक्षा नौकाओं में स्कैंटों या अन्य उपयुक्त साधनों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(5) हर पोत अपने प्रत्येक ओर कम से कम एक मीटर रक्षा नौका बहन करेगा, परन्तु उस पोत को जो 30 से अनाधिक व्यक्तियों को बहन करने के लिये प्रमाणित है, उसे केवल एक ऐसी मीटररक्षा नौका बहन करना अपेक्षित होगा।

(6) उपनियम (7) और (8) के उपबन्धों के अधधीन, जब उपनियम (3) के अनुसार बहन की हुई रक्षा नौकाओं में, उन व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है स्थान नहीं है तो ऐसे स्थान देने की कमी की पूर्ति के लिये डेबिटों के प्रतिरिक्त सेट, जिनमें प्रत्येक में रक्षा नौका संलग्न हो लगे होंगे।

(7) यदि केन्द्रीय सरकार की राय में यातायात की अधिकता के कारण ऐसा अपेक्षित है तो यह, किसी पोत को, जो अधिनियम की धारा 284 के अधधीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों के अनुसार उपविभाजित है, उपनियम (3) के अनुसार उम पोत पर रक्षा नौकाओं की व्यवस्थित धारिता से अधिक में व्यक्तियों को बहन करने के लिये, अनुज्ञा दे सकेगी :

परन्तु—

(क) जब ऐसा कोई पोत केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत में किसी पत्तन या स्थान से अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर जो 600 मील से अधिक किन्तु 1200 मील से अधिक न हो भारत में गत बिश्राम पत्तन या स्थान से बाहर प्रतिम गन्तव्य या पत्तन या स्थान तक समुद्र में जाने के लिए अनुज्ञात तो यह पोत पर स्थित व्यक्तियों के कम से कम पचहत्तर प्रतिशत को स्थान देने के लिए डेबिटो से संलग्न रक्षा नौकाएँ बहन करेगा,

(ख) सभी दिशाओं में बहन किये जाने वाले बचाव-तरापों की संख्या ऐसी होगी जो यह सुनिश्चित कर सके कि बचाव-तरापों के साथ रक्षा नौकाओं की कुल संख्या व्यक्तियों की कुल संख्या जो जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है यह बहन करने के लिए अनुज्ञा है स्थान देने के लिये पर्याप्त होगी, और

(ग) यदि ऐसे किसी पोत में प्र-विभाग का मानक वाला दो कक्ष पूरे में प्राप्त नहीं है तो यह उन व्यक्तियों के दम प्रतिशत को जिन्हें यह बहन करने के लिए प्रमाणित है या अनुज्ञात है स्थान के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव-तरापे बहन करेगा ऐसे बचाव-तरापे उनके प्रतिरिक्त होंगे जिनको यथास्थिति इस परन्तुक के खण्ड (ख) के या उपनियम (8) के खण्ड (ख) के और उपनियम (12) के अनुसार व्यवस्थित किये जाने की अपेक्षा है।

(8) जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि संक्षिप्त समुद्र यात्रा पर लगे हुए किसी पोत में रक्षा नौकाओं की संख्या कम किये बिना उपनियम (7) के अनुसरण में बहन किये जाने के लिए अपेक्षित बचाव-तरापे समाधान प्रदक्ष्य में नौभरित करना असाध्य है वहाँ केन्द्रीय सरकार उपनियम (2) के अधधीन लगाये जाने के लिए अपेक्षित डेबिटों के सैटों की संख्या और उपनियम (3) के अधधीन डेबिटो से संलग्न किये जाने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या की भी कम होने के लिए अनुज्ञा दे सकेगी :

परन्तु—

(क) पोत की उस दशा में जिसकी लम्बाई 58.5 मीटर से अधिक हो तो बहन किये जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी चार से कम नहीं होगी जिनमें से दो-दो पोत प्रत्येक ओर होंगी और उम पोत की दशा में जिसकी लम्बाई 58.5 मीटर से कम हो बहन किये जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी दो से कम नहीं होगी जिनमें से एक-एक पोत के प्रत्येक ओर बहन की जायेगी,

(ख) सभी दशाओं में रक्षा नौकाओं और बचाव-तरापों की संख्या सदैव उन व्यक्तियों की कुल संख्या का जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित या अनुज्ञात है स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी, और

(ग) उस पोत की दशा में जिनमें बहन की हुई रक्षा नौकाओं की कुल धारिता प्रथम अनुसूची में उपर्युक्त सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट धारिता से कम है तो नियम, 30 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट साधनों द्वारा अवतीर्ण किये जाने में समर्थ प्रकार के प्रतिरिक्त बचाव-तरापों की व्यवस्था की जायेगी,

(घ) इस प्रकार व्यवस्थित बचाव-तरापों की संख्या इतनी होगी जो यह सुनिश्चित कर सके कि बचाव-तरापों की कुल धारिता कम से कम, रक्षा नौकाओं की कुल धन धारिता और प्रथम अनुसूची के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट धन धारिता के अन्तर का 10 से विभाजित करने से प्राप्त संख्या के बराबर है, यह इस शर्त के अधधीन है कि—

(1) ऐसे प्रतिरिक्त बचाव-तरापे, कम से कम 40 व्यक्तियों का स्थान देने के लिए पर्याप्त होंगे,

(2) पोत के प्रत्येक ओर कम से कम एक अवतरण साधन की व्यवस्था है, और

(3) पोत के प्रत्येक ओर लगे हुए अवतरण साधनों की संख्या का अन्तर एक से अधिक नहीं है।

(9) यह पोत में, इस नियम के अनुसार बहन की हुई रक्षा नौकाएँ लम्बाई में 7.3 मीटर से अन्यून होंगी।

(10) हर पोत में इन नियम के अनुसार बहन किये जाने के लिए अपेक्षित डेबिट गुल्ब प्रकार के होंगे इसके भलाया रक्षा नौकाओं के प्रचलन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनको अवतरण स्थिति में लफिग डेबिट लगाये जा सकेंगे।

(11) हर पोत जो अपने प्रत्येक ओर एक मीटर रक्षा नौका जिसमें नियम 25, के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था हो बहन नहीं करना तो वह एक सुवाह्य रेडियो उपस्कर बहन करेगा जो नियम, 34 के उपबन्धों के अनुसार होगा —

परन्तु यदि किसी पोत के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि समुद्र यात्रा की कालावधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अनावश्यक है तो वह इस नियम की अपेक्षाओं से अग्रिमोक्त होने के लिए अनुज्ञा दे सकेगी।

(12) हर पोत, उपनियम (7) और (8) के अनुसरण में बहून किये हुए किसी बचाव-तरापे के प्रतिरिक्त, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के दस प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिनके लिए पोत में रक्षा नौका स्थान की व्यवस्था है, पर्याप्त प्रतिरिक्त बचाव-तरापे बहून करेगा।

(13) हर पोत उन व्यक्तियों की कुल संख्या की पांच प्रतिशत को जिन्हें पोत बहून करने के लिए प्रमाणित है, सम्भालने के लिए पर्याप्त, उत्प्लावन बेड़ा बहून करेगा।

(14) (क) हर पोत निम्न-सारणी के अनुसार अवधारित रक्षा बोटों की कम से कम संख्या बहून करेगा—

सारणी

पोत की लम्बाई, मीटर में	बहून किये जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोटों की न्यूनतम संख्या
1	2
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार बहून किये गये, रक्षा बोटों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, न्यूनतम 6 के अध्वधीन, दक्ष-स्वप्रज्वलन-बलियों की व्यवस्था होगी।

(ग) स्व-प्रज्वलन बलियों से व्यवस्थित कम से कम दो रक्षा बोटों में, 15 मिनट से अन्यून टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के दक्ष स्वतः सक्रिय धूम्र संकेतों की भी व्यवस्था होगी और धूम्र संकेतों से इस प्रकार व्यवस्थित रक्षा बोटों की चालन कक्षा से शीघ्र निर्मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत के प्रत्येक ओर कम से कम एक रक्षा बोटों में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लावन रक्षा रस्ती की व्यवस्था होगी।

(15) (क) हर पोत—

- (1) पोत पर, यथास्थिति हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोत बहून करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, बसवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहून करेगा, और
- (2) व्यक्तियों की कुल संख्या से कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत बहून करने के लिए प्रमाणित है, बसवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहून करेगा।

(ख) हर पोत खण्ड (क) के अनुसार बहून की हुई रक्षा जाकेटों के प्रतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे पोत बहून करने के लिए प्रमाणित है, बसवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार रक्षा जाकेट भी बहून करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेटें डेक पर समुचित स्थान पर नौभारित होंगी जो सहजदृश्य रूप से चिह्नित होंगी।

(16) हर एक पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र बहून करेगा।

6. बर्ग iii के पोत—(1) नियम बर्ग 3 के पोतों को लागू होगा।

(2) बर्ग 3 का हर पोत—

(क) पोत प्रत्येक ओर रक्षा नौकाओं की ऐसी संख्या बहून करेगा जिनकी पर्याप्त कुल धारिता, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के आधे को, जिन्हें पोत बहून करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए होगी, या

(ख) रक्षा नौकाओं और बचाव-तरावों की ऐसी संख्या बहून करेगा जिनकी कुल धारिता व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहून करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए होगी :

परन्तु पोत के प्रत्येक ओर बहून की हुई नौकाएं, जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे पोत बहून के लिए प्रमाणित है, 35 प्रतिशत को आवश्यक स्थान देने के लिए, कभी भी कम नहीं होंगी।

(3) (क) हर पोत पर जब वह समुद्र में है इस नियम के उपनियम (2) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं पोत के प्रत्येक ओर एक-एक, आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जायेंगी।

(ख) इन रक्षा नौकाओं में से किसी की भी लम्बाई 8.5 मीटर से अधिक होगी किन्तु उनमें से कोई या दोनों मीटर रक्षा नौका या रक्षा नौकाएं हो सकती हैं और उन बर्ग में उपनियम (4) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए कहीं जा सकेंगी।

(ग) नियम 29 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी, स्कैट या अन्य उपयुक्त साधित्रों का इन रक्षा नौकाओं में लगा हाना अपेक्षित नहीं है।

(4) हर पात अपने प्रत्येक ओर कम से कम एक मीटर रक्षा नौका बहून करेगा:

परन्तु जब कोई पोत जो 30 व्यक्तियों से अनधिक को बहून करने के लिए प्रमाणित है, उसके लिए केवल एक ही ऐसी मीटर रक्षा नौका बहून करना अपेक्षित होगा।

(5) (क) हर पोत में, जो 1500 या उससे अधिक व्यक्तियों को बहून करने के लिए प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुपालन में बहून की हुई प्रत्येक मीटर रक्षा नौका में नियम 25 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर होंगे।

(ख) हर पोत, में, जो 199 से अधिक किन्तु 1500 से कम व्यक्तियों को बहून करने के लिए प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुपालन में बहून की हुई कम से कम एक मीटर-बोट में नियम 25 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर होंगे।

(ग) पोत पर, जिसका पठाण 26 मई, 1965 को या उसके पश्चात् रखा गया था, हर मीटर रक्षा नौका में जो इस नियम के अनुसार बहून

की गई है नियम 25 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगा।

(6) हर पोत जो अपने प्रत्येक और उपनियम (5) की खण्ड (क) के अधीन अपेक्षित मोटर रक्षा नौका वहन नहीं करता, एक मुवाफ़ा रेडियो उपस्कर भी वहन करेगा जो नियम 34 के उपबन्धों के अनुसार होगा।

(7) इस नियम के अनुपालन में वहन की हुई प्रत्येक रक्षा नौका की लम्बाई 7.3 मीटर से अन्यून होगी।

(8) हर पोत में प्रत्येक रक्षा नौका डेबिटो के पृथक सेट से संलग्न होगी जो गुरुत्व प्रकार का होगा इसके अलावा कि यथास्थिति उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रधान के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक है, उनकी अवनत स्थिति में लफिंग डेबिट लगे हो सकेंगे।

(9) हर पोत, व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत को स्थान देने के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त धारिता के बचाव तराफे या उत्प्लावन बेड़ा वहन करेगा।

परन्तु इस नियम के अन्तर्गत किसी पोत में वहन किये हुए बचाव तराफे या व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे पोत वहन के लिए प्रमाणित है, कम प्रतिशत को पर्याप्त स्थान होगा।

(10) (क) हर एक पोत, निम्न-सारणी के अनुसार रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या वहन करेगा :

सारणी

पोत की लम्बाई मोटरों में	वहन किये जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
1	2
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किये गये रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, न्यूनतम 6 के अक्षयधीन, वक्ष स्वप्रचालन बत्ती की व्यवस्था होगी।

(ग) सब ज्वलन बत्तियों से व्यवस्थित कम से कम दो रक्षा बोयों में, 15 मिनट से अन्यून टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के धूम्र उत्पन्न करने में समर्थ दक्ष स्वतः सश्रिय धूम्र संकेत की भी व्यवस्था होगी और धूम्र संकेतों से इस प्रकार व्यवस्थित रक्षा बोयों नौचालन कक्ष से भीष्ट निर्मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत के प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोयों में, लम्बाई से कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लावन रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।

(11) (क) हर पोत—

(1) पोत पर यथास्थिति हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है,

उनमें जो भी अधिक है, दसवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दश प्रतिशत के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, दसवी अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(ख) हर पोत, खण्ड (क) के अनुसार वहन की हुई रक्षा जाकेटों के अनतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पाँच प्रतिशत के लिए जिसे वहन करने के लिए प्रमाणित है, दसवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार, रक्षा जाकेट भी वहन करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेटों डेक पर समुचित स्थान पर नौभारित होंगी जो सहज दृश्य रूप से चिह्नित होंगी।

(12) हर पोत अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधन वहन करेगा।

7. वर्ग iv के पोत—(1) यह नियम वर्ग iv के पोतों का लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुसार पहली अनुसूची में उपवर्णित मारणी के स्तम्भ क में विनिर्दिष्ट डेबिटो के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहा केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है वहाँ वह पोत पर डेबिटो के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुज्ञा दे सकेगी परन्तु फिर भी डेबिटो के सेटों की संख्या पहली अनुसूची के स्तम्भ ख में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी भी कम नहीं होगी।

परन्तु किसी भी पोत में, डेबिटो के सेटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेबिटो के हर ऐसे सेट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में पहली अनुसूची में उपवर्णित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता को या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती कम है, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) (क) हर पोत पर, जब वह समुद्र में हो उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकायें, पोत के प्रत्येक और एक-एक, आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जायेगी।

(ख) खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट दोनों रक्षा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई से 8.5 मीटर से अधिक होगी, किन्तु उनमें से कोई भी या दोनों, मोटर रक्षा नौकाओं या रक्षा नौकायें हो सकेंगी, और इस दशा में उप नियम (5) के अनुसार प्रयोजन के लिए गिनी जा सकेंगी।

(ग) नियम 29 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी, इन रक्षा नौकाओं या नौकाओं में स्केटों या उपयुक्त साधनों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(5) हर पोत कम से कम एक मोटर रक्षा नौका वहन करेगा।

(6) जहा उपनियम (3) के अनुसार वहन की हुई रक्षा नौकायें पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या को स्थान नहीं देती हैं वहाँ उपयुक्त रूप से रखे हुए बचाव तराफों की इस प्रकार व्यवस्था की जायेगी कि रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों पर स्थान की, की गई व्यवस्था पोत पर से सभी व्यक्तियों के लिए पर्याप्त हो।

(7) यद्यपि उपनियम (6) में अन्तर्घटित, वर्ग 4 का कोई पोट रक्षा नौका की धारिता से अधिक व्यक्तियों को नहीं ले जायेगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार से प्रासांगिक यातायात की यात्रा के लिए अनुमति न मिले।

(8) जहाँ उपनियम (7) के उपबन्धों के अधीन पोट पर रक्षा नौका की धारिता से अधिक व्यक्तियों को ले जाने की अनुमति है वहाँ केन्द्रीय सरकार को यह मन्तोष हो जाय कि उस पोट में उपनियम (6) के अनुसार रक्षा नौकाओं को कम लिये बिना वहन किये जाने वाले बचाव तराफों को रखना असाध्य है तो उस पोट में ले जाये जाने वाले रक्षा नौकाओं को कम करने की अनुमति दी जाय।

परन्तु—

(1) पोट की उस बंश में जिसकी लम्बाई 58 मीटरों या इससे अधिक हो तो वहन किये जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी चार से कम नहीं होगी, जिनमें से दो-दो पोट के प्रत्येक ओर होंगी और उस पोट की बंश में जिसकी लम्बाई 58 मीटरों से कम हो वहन किये जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी दो से कम नहीं होगी जिनमें से एक-एक पोट के प्रत्येक ओर वहन की जायेंगी;

(2) रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों की संख्या, सबैव पोट पर कुछ व्यक्तियों की संख्या को स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी;

(3) जहाँ प्रथम अनुसूची में उपवर्णित सारणी के स्तम्भ ग में रक्षा नौकाओं की अपेक्षित धारिता नहीं है वहाँ नियम 30 में निर्दिष्ट साधनों द्वारा जहाँ तक साध्य हो अवतीर्ण किये जाने से समर्थ बचाव तराफें उस कमी को दूर करेगी।

(9) यदि केन्द्रीय सरकार की राय में यातायात की अधिकता के कारण ऐसा अपेक्षित है, तो वह किसी पोट को भारत में किसी पत्तन या स्थान से या अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर जो 600 मील से अधिक किन्तु 1200 मील से अधिक न हो, भारत में गन्तविश्राम पत्तन या स्थान से भारत के बाहर अन्तिम गन्तव्य पत्तन या स्थान तक समुद्र में जाने के लिए आज्ञा दे सकेगी।

परन्तु—

(1) पोट पर व्यक्तियों के कम से कम 70 प्रतिशत को स्थान देने वाली डेविटो से संलग्न रक्षा नौकायें वहन करता हो, और

(2) पोट पर वहन की हुई रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों की संख्या, व्यक्तियों की कुल संख्या का जिसे पोट वहन करने के लिए प्रमाणित या अनुज्ञात है स्थान देने के लिए पर्याप्त हो।

(10) हर पोट में, इस नियम के अनुसार वहन की हुई रक्षा नौकाओं की लम्बाई 7.3 मीटर से अन्यून होगी।

(11) हर पोट में, इस नियम के अनुसार वहन किये जाने के लिए अपेक्षित डेविट सुकृत्व प्रकार के होंगे इसके अलावा कि उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक हो, उनकी अवतरण स्थिति में लॉफिंग डेविट लगे हो सकेंगे।

(12) उपनियम (5) के अनुसरण में वहन की हुई हर मोटर रक्षा नौका एक सुवाह्य रेडियो उपस्कर वहन करेगा जो नियम 34 के उपबन्धों के अनुसार होगा :

परन्तु यदि किसी पोट या पोटों के बर्ग के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि समुद्र यात्रा की कालावधि ऐसी है कि सुवाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अनावश्यक है, तो वह इस उपनियम की अपेक्षा लिए अनुज्ञा दे सकेगी।

(13) हर पोट, उपनियम (6) या जैसा मामला हो उपनियम (9) के अन्तर्गत वहन किये रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों के अतिरिक्त व्यक्तियों की कुल संख्या के दस प्रतिशत को स्थान देने के लिए जिसे पोट वहन करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त बचाव तराफें या उत्प्लावन बैठा वहन करेगा :

परन्तु यदि पोट में इस उपनियम के अन्तर्गत वहन किये हुए बचाव तराफों की संख्या कभी भी अपेक्षित व्यक्तियों की कुल संख्या के पाँच प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिसे पोट वहन करने के लिए प्रमाणित है, से कम नहीं होगी।

(14) (क) हर पोट निम्न सारणी के अनुसार रक्षा बोयों की कम से कम संख्या वहन करेगा :—

सारणी	
पोट की लम्बाई मीटरों में	वहन किए जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किये हुये रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम छेक में, न्यूनतम 6 के अग्रध्वज, दश स्व प्रज्वलन बलियो, की, व्यवस्था, होगी।

(ग) स्व प्रज्वलन बलियो से व्यवस्थित कम से कम दो रक्षा बोयों में 15 मिनट से अन्यून टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान बर्ग के धूँझ उत्पन्न करने में समर्थ व दश स्वतः सक्रिय धूँझ संकेत की भी व्यवस्था होगी और धूँझ संकेतों में इस प्रकार व्यवस्थित रक्षा बोयों नवजातन कक्ष से शीघ्र निर्मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोट के प्रत्येक ओर कम से कम एक रक्षा बोयों में, लंबाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लावन रक्षा रस्ती की व्यवस्था होगी।

(15) (क) हर पोट :—

(i) पोट पर यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिये या, व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे यह वहन करने के लिये प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक हो, दसवी अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(ii) व्यक्तियों के कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोट वहन करने के लिए प्रमाणित है, दसवी अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक जाकेट वहन करेगा :

(ख) हर पोत, खंड (क) के अनुसार वहन की हुई रक्षा जाकेटों के अनिरीक्त व्यक्तियों की उम संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिये जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है उसकी अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार, रक्षा जाकेटों डेक पर समुचित स्थान नौभारित होंगी जो सहज-दृश्य रूप से चिन्हित होगा।

(16) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित वहन करेगा।

8. वर्ग V के पोत :—(1) यह नियम वर्ग V के पोतों को लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुसार पहली अनुसूची में उपवर्णित सारणी के स्तम्भ क में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहां केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है वहां यह पोत पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने की अनुज्ञा दे सकेगा परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या पहली अनुसूची के स्तम्भ ख में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी भी कम नहीं होगी :

परन्तु किसी पोत में डेविटों के सेटों की उम संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या की जिसे पात वहन करने के लिये प्रमाणित है स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है :

(3) एक रक्षा नौका पर डेविटों के हर ऐसे सेट संलग्न होंगे और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में प्रथम अनुसूची में उपवर्णित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है यदि परवर्ती कम हो, स्थान देने के लिये व्यवस्था होगी।

(4) हर पोत कम से कम एक मोटर रक्षा वहन करेगा।

(5) उपनियम (3) के अनुसरण में वहन की हुई रक्षा नौकाओं के साथ-साथ ऐसी अनिरीक्त रक्षा नौकायें और बचाव तरपे या उत्प्लावन बेड़ा वहन किया जायेगा जो व्यक्तियों की कुल संख्या के लिये जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है पर्याप्त होगा :

परन्तु रक्षा नौकायें व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत से अन्यून को स्थान देने के लिये जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है वहन की जायेगी :

(6) इस नियम के अनुसार वहन की हुई रक्षा नौकायें जहाँ युक्तियुक्त और माध्य हो लम्बाई में 7.3 मीटर से अन्यून होगी।

(7) इस नियम के अनुसार लगे होने के लिये अपेक्षित डेविट गुणत्व प्रकार के होंगे इसके अलावा कि उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रचालन के लिये जिनका भार 2300 किलो-ग्राम से अधिक हो उनके अवतरण स्थिति में लफिंग-डेविट लगे हो सकेंगे।

(8) उपनियम (4) के अनुसरण में वहन की हुई हर मोटर रक्षा नौका एक सुवाह्य रेडियो उपकरण वहन करेगी जो नियम 34 के उपबन्धों के अनुसार होगा।

(9) (क) हर पोत निम्न सारणी के अनुसार बोयों की कम से कम संख्या वहन करेगा :—

सारणी

पोत की लम्बाई मीटरों में	वहन किये जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किए हुए रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, न्यूनतम 6 के अध्वधीन, वक्ष स्त प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(ग) पोत के प्रत्येक ओर कम से कम एक रक्षा बोयों में लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लावन रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।

(10) (क) हर पोत :—

(1) पोत पर, यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए या, व्यक्तियों की उम संख्या के लिये जिसे यह वहन करने के लिये प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक हो, उसकी अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है उसकी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(ख) हर पोत खंड (क) के अनुसार वहन की हुई रक्षा जाकेटों के अनिरीक्त, व्यक्तियों की उम संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिये जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है उसकी अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार रक्षा जाकेटों भी वहन करेगा। और ऐसी रक्षा जाकेटों डेक पर समुचित स्थान पर नौभारित होंगी जो सहज-दृश्य रूप से चिन्हित होगा।

(11) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित वहन करेगा

9. वर्ग VI के पोत :—(1) यह नियम वर्ग 6 के पोतों को लागू होगा।

(2) कुल 500 टन या उससे अधिक का हर पोत अपने प्रत्येक ओर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल भारिता की एक या अधिक रक्षा नौकाएं वहन करेगा।

(3) कुल 1600 टन या उससे अधिक के हर पोत में उपनियम (2) के अनुसरण में बहन की हुई रक्षा नौकाएं लम्बाई में 7.3 मीटर से अन्यून होंगी।

(4) कुल 1600 टन या उससे अधिक के तेल-पोत में भिन्न, कुल 500 टन या उससे अधिक का हर पोत व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तराफे बहन करेगा:

परन्तु ऐसे पोतों की दशा में, जो निकटवर्ती देशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र, यात्राओं पर लगे हों केन्द्रीय सरकार यदि इसका समाधान हो जाए कि समुद्र-यात्रा की दशाएं ऐसी हों कि बचाव तराफों का अनिवार्य बहन अत्युत्तमता या अनावश्यक है तो वह ऐसे विशेष पोतों या पोतों के वर्गों को इस उपनियम की अपेक्षाओं के अनुपालन से छूट दे सकेगा।

(5) कुल 500 टन से कम का हर पोत या तो—

(क) कुल 500 टन या उससे अधिक के पोतों के लिए उप-नियम (2) में विहित बचाव तराफे बहन करेगा; या

(ख) एक रक्षा नौका या वर्ग ग नौका जो पोत के प्रत्येक ओर से अवतीर्ण होने में समर्थ होगी और पोत पर व्यक्तियों की संख्या के बगुने को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के कम से कम दो बचाव तराफे बहन करेगा।

(6) (क) कुल 3000 टन या उससे अधिक का हर तेल-पोत, पोत के प्रत्येक ओर, बोर्ड पर व्यक्तियों की कुल संख्या की स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की कम से कम दो रक्षा नौकाएं, बहन करेगा।

(ख) इन रक्षा नौकाओं में से दो, पीछे और दो पोत मध्य बहन की जायेंगी सिवाय उन तेल पोतों में जिनमें कोई पोत मध्य अधिरक्षणा नहीं है, सभी रक्षा नौकाएं पीछे बहन की जाएंगी:

परन्तु उन तेल पोतों की दशा में, जिनमें पोत-मध्य अधिरक्षणा नहीं है, यदि पीछे चार नौकाएं बहन करना असाध्य हो तो उसके बदले में केन्द्रीय सरकार तेल-पोत के प्रत्येक ओर केवल एक रक्षा नौका को पीछे बहन करने के लिए इसके अध्याधीन अनुज्ञा दे सकेगी कि तेल पोत निम्नलिखित उपबन्धों का अनुपालन करे अर्थात्:—

(i) प्रत्येक रक्षा नौका की लम्बाई 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी।

(ii) प्रत्येक रक्षा नौका यथामाध्य दूर आगे नौभारित होगी और कम से कम उसी दूर आगे कि रक्षा नौका का परवर्ती सिरा, तेल-पोत नौदन के रक्षा नौका लम्बाई के डेढ़ गुना आगे हो;

(iii) प्रत्येक रक्षा नौका समुद्र समपृष्ठ के इतनी निकट नौभारित होगी जो सुरक्षित और साध्य हो, और

(iv) रक्षा नौकाओं के अतिरिक्त पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त बचाव तराफे बहन किए गए हों।

(7) इस नियम के उपबन्धों के अधीन बहन किए गए बचाव तराफे इस प्रकार नौभारित होंगे कि वे पोत के प्रत्येक ओर से अविलम्ब जल में अंतरित किया जा सकें।

(8) हर पोत में जिसको उपनियम (2) या उपनियम (6) लागू होता है, प्रत्येक रक्षा नौका डेविटों के पृथक सेट से संलग्न होगी जो गुह्य प्रकार का होगा इसके अलावा कि 1600 कुल टन या उससे अधिक के तेल-पोतों से भिन्न पोतों में उन रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए, जिनका वजन 2300 किलोग्राम से अधिक हो, उनकी अवतरण स्थिति में लाफिंग डेविट लगे हों सकेंगे।

(9) (क) कुल 1600 टन या उससे अधिक के हर पोत में, उपनियम (2) के अनुसार बहन की गई रक्षा नौकाओं में कम से कम एक मोटर रक्षा नौका होगी,

(ख) कुल 1600 टन या उससे अधिक के हर तेल-पोत में उपनियम (2) या उपनियम (6) के अनुसार पोत के प्रत्येक ओर बहन की गई रक्षा नौकाओं में कम से कम एक मोटर रक्षा नौका होगी।

(10) हर पोत, नियम 34 की अपेक्षाओं के अनुसार एक सुवाह्य रेडियो उपस्कर बहन करेगा:

परन्तु यदि किसी पोत के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि समुद्र यात्रा की कालावधि ऐसी है कि सुवाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अनावश्यक है, तो वह इस नियम के अपेक्षाओं से अभिसृक्त होने के लिए अनुज्ञा दे सकेगी।

(11) (क) कुल 500 टन या उससे अधिक का हर पोत कम से कम 8 रक्षा बोये बहन करेगा;

(ख) कुल 500 टन के कम का हर पोत कम से कम 4 रक्षा बोये बहन करेगा;

(ग) इस प्रकार बहन किए गए रक्षा बोयों की कम से कम आधी संख्या में, नियम 21 में निविष्ट वक्ष स्व प्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।

(12) हर पोत:—

(क) पोत पर हर व्यक्ति के लिए दसवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहन करेगा, और

(ख) हर बर्फ के लिए जिसे पोत बहन करना है, दसवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

(13) हर पोत एक अनुमोचित रस्सी प्रक्षेपण साधन बहन करेगा।

10. बर्ग VII—के पोत नियम 9 के उपबन्ध बर्ग VII के पोतों को वैसे ही लागू होंगे जैसे वे बर्ग VI—के पोतों को लागू होते हैं।

11. बर्ग VIII के पोत:—(1) लम्बाई में 44 मीटर या उससे अधिक का हर पोत या तो—

(क) डेविट से संलग्न कम से कम दो रक्षा नौकाएं, जो इस प्रकार व्यवस्थित हों कि पोत के प्रत्येक ओर कम से कम एक रक्षा नौका हो, बहन करेगा पोत के प्रत्येक ओर ऐसी रक्षा नौका, पोत पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए लिए पर्याप्त कुल धारिता की हो, या

(ख) किसी डेविट में गलत एक वर्ग ग नौका और पोंत पर व्यक्तियों की संख्या के हटाने को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के कम से कम दो अनुमोदित स्फीनियोम्य बचाव तरापे बहुत करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि पोंत के प्रत्येक ओर अविलंब जल में अंतरित किए जा सकें।

(2) हर पोंत, जो लम्बाई में 44 मीटर से कम किन्तु 35 मीटर से कम नहीं है पोंत पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त धारिता की डेविटों में गलत एक रक्षा नौका वहन करेगा और पोंत सभी व्यक्तियों को यथास्थिति स्थान देने या संभालने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के अनुमोदित स्फीनियोम्य बचाव तरापे या अनुमोदित उल्थावन बेड़ा वहन करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि पोंत के प्रत्येक ओर अविलंब जल में अंतरित किए जा सकें।

(3) हर पोंत जो लम्बाई में 35 मीटर से कम किन्तु 24 मीटर से कम नहीं है इस प्रकार नौभारित वर्ग ग नौका वहन करेगा कि यह पोंत के प्रत्येक ओर सरलता से जल में अंतरित हो सके और यथास्थिति, पोंत पर व्यक्तियों की संख्या के डेढ़ गुने से न्यून को स्थान देने या संभालने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के अनुमोदित स्फीनियोम्य बचाव तरापे या अनुमोदित उल्थावन बेड़ा भी वहन करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि पोंत के प्रत्येक ओर अविलंब जल में अंतरित हो सकें।

(4) खराब मौसम वाली ऋतु में चलता हुआ हर पोंत जो लम्बाई में 24 मीटर से कम किन्तु 12 मीटर से कम नहीं हो, पोंत पर सभी व्यक्तियों का स्थान देने के लिए एक वर्ग ग नौका या अनुमोदित स्फीनियोम्य बचाव तरापे बहुत करेगा जो इस प्रकार नौभारित होगा कि यह पोंत के प्रत्येक ओर अविलंब जल में अंतरित हो सके।

(5) साफ मौसम वाली ऋतु में चलता हुआ हर पोंत जो लम्बाई में 24 मीटर से कम किन्तु 12 मीटर से कम नहीं हो, यथास्थिति सभी व्यक्तियों को स्थान देने या संभालने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक वर्ग ग नौका या अनुमोदित स्फीनियोम्य बचाव तरापे या अनुमोदित उल्थावन बेड़ा बहुत करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि वे पोंत की प्रत्येक ओर अविलंब जल में अंतरित हो सकें।

(6) (क) लम्बाई में 30 मीटर या उससे अधिक का हर पोंत कम से कम चार अनुमोदित रक्षा बोये वहन करेगा। और लम्बाई में 30 मीटर से कम का हर पोंत कम से कम दो अनुमोदित रक्षा बोये वहन करेगा।

(ख) बहुत किए जाने के लिए अपेक्षित कम से कम एक रक्षा बोये में स्व प्रज्वलन बत्ती लगी होगी और जल में अनिवारित रहने में समर्थ हो।

(7) इस नियम की कोई बात किसी भी लम्बाई की डोंगियों को लागू नहीं होगी परन्तु ऐसी डोंगियों में आगे और पीछे से प्रत्येक ओर चौथाई दूरी पर झूल वाली रक्षा रस्सी की व्यवस्था हो और "खराब मौसम वाली ऋतु" में मछली पकड़ने में न लगी हो।

(8) इस नियम के प्रयोजन के लिए—

(i) "साफ मौसम वाली ऋतु" से—

(क) अरब सागर में 1 सितम्बर 31 मई तक की ऋतु और

(ख) बंगाल की खाड़ी में 1 दिसम्बर, में 30 अप्रैल तक की ऋतु अभिप्रेत है।

(ii) "खराब मौसम वाली ऋतु" से—

(क) अरब सागर में 1 जून से 31 अगस्त तक की ऋतु, और

(ख) बंगाल की खाड़ी में 1 मई से 30 नवम्बर तक की ऋतु, अभिप्रेत है।

(9) हर पोंत—

(क) पोंत पर हर व्यक्ति के लिए दसवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(ख) हर बच्चे के लिए जिसे पोंत वहन करना है दसवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

12. रक्षा नौकाओं के लिए सामान्य अपेक्षाएं.—इन नियमों के अनुसरण में पोंत पर वहन की हुई रक्षा नौकाएं दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार होंगी।

13. रक्षा नौका की वहन धारिता.—(1) (क) उपनियम (2), (3), (4) और (5) के उपबंधों के अध्याधीन व्यक्तियों की संख्या जिसे स्थान देने के लिए रक्षा नौका ठीक समझी जाएगी वह V/X सूत्र द्वारा प्राप्त सबसे बड़ी पूर्णांक संख्या के बराबर होगी जहां "V" तीसरी अनुसूची के उपबंधों के अनुसार अवधारित घन मीटरों में रक्षा नौका की घन धारिता है और X प्रत्येक व्यक्ति के लिए घन मीटरों में आयतन है जो 7.3 मीटर लम्बी या उससे अधिक की रक्षा नौका के लिए 0.283 और 4.9 मीटर लम्बी रक्षा नौकाओं की दशा में 0.396 होगा।

(ख) रक्षा नौकाओं की मध्यवर्ती लम्बाइयों के लिए X का मान अन्तर्वेशन द्वारा अवधारित किया जाएगा।

(2) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे स्थान देने के लिए रक्षा नौका ठीक समझी गयी है रक्षा जाकेट पहने हुए उन व्यक्तियों की संख्या में अधिक नहीं होगी जिनके लिए समुचित बैठने का स्थान इस प्रकार व्यवस्थित है कि व्यक्ति जब बैठा हो व चापुओं के प्रयोग या अन्य नौदन उपकरण के प्रचालन में किसी प्रकार बाधा न डाले।

(3) कोई भी रक्षा नौका 150 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

(4) मोटर रक्षा नौका से भिन्न कोई भी रक्षा नौका 100 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

(5) मोटर रक्षा नौका या यन्त्रोन्मोदित रक्षा नौका से भिन्न कोई भी रक्षा नौका 60 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

14. मोटर रक्षा नौकाएं.—हर मोटर रक्षा नौका तीसरी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होने के अनिवारित निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसार होगी

(क) इसमें सपीड़न जलन इजन लगा होगा और ऐसा इजन और इसके उपमाधक चौथी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होंगे और इस प्रकार बनाये रखे जाएंगे कि सभी समय उपयोग किए जा सकें,

(ख) इसमें खंड (घ) और खंड (क) में विनिर्दिष्ट गति से 24 घंटे लगातार प्रचालन के लिए पर्याप्त ईंधन की व्यवस्था होगी।

(ग) यह पीछे जाने में समर्थ होगी,

(घ) यदि यह ऐसी रक्षा नौका हो जिसमें नियम 4 के उपनियम (4) नियम 5 के उपनियम (5), नियम 6 के उपनियम (4) या नियम 9 के उपनियम (9) के अनुसार व्यवस्था हो तो अब इसमें व्यक्तियों की पूरी संख्या हो और उपस्कर लदे हों तो यह 6 समुद्री मील की गति से शान्ति जल में आगे जाने में समर्थ होगी।

(क) यदि यह ऐसी मोटर रक्षा नौका है जिसमें खंड (घ) में निर्दिष्ट नियमों के सिवाय किसी अन्य नियम के अनुसार व्यवस्था हो तो व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर के साथ 4 समुद्री मील की गति से शान्त जल में आगे जाने में समर्थ होगी।

15. यन्त्र नोडित रक्षा नौकाएं.—यन्त्र नोडित रक्षा नौकाओं में दूसरी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होने के अतिरिक्त ऐसी मशीनरी जगी हुई होगी जो पांचवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होगी।

16. वर्ग "ग" नौकाएं.—वर्ग ग नौकाएं छठीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होंगी।

17. बचाव तरापे.—(1) बचाव तरापे सातवीं अनुसूची के भाग I या भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार होंगे।

(2) सातवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार बचाव तरापे केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी सर्विसिंग स्टेशन पर ऐसे अंतरालों पर जो 12 महीने से अधिक हो सर्वेक्षित किए जाएंगे।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसे बचाव तरापों का 12 महीनों के अन्तराल से सर्वेक्षण असाध्य है तो यह उस अंतराल को 3 महीने से अधिक के लिए विस्तारित होने की अनुज्ञा दे सकेगी।

18. उत्प्लावन बेड़ा.—(1) उत्प्लावन बेड़ा आठवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होगा।

(2) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे संभालने के लिए उत्प्लावन बेड़ा ठीक समझा जाएगा—

(क) उस अधिकतम पूर्णक के जो सोह्रे की किलोग्राम संख्या को जिसे उपकरण असंयोजन जल में अपनी पकड़ रस्सियों से संभालने में समर्थ है 14.5 से भाग करने द्वारा प्राप्त की जाए, या

(ख) उस अधिकतम पूर्णक संख्या के जो सन्टीमीटरों में इसकी परिमाण का 30.5 द्वारा भाग करने द्वारा प्राप्त की जाए,

इसमें से जो भी कम हो उसके बराबर होगी।

19. रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं, बचाव तरापों और उत्प्लावन का चिह्न.—

(1) (क) किसी रक्षा नौका या किसी वर्ग ग नौका की विभागीय और व्यक्तियों की संख्या जिसे स्थान देने के लिए यह ठीक समझी गई है, इस पर स्पष्टतः से स्थायी रूप से चिह्नित होगी।

(ख) पोत रजिस्ट्री का नाम और पत्तन, जिससे रक्षा नौका या वर्ग ग नौका संबंधित है, ऐसी रक्षा नौका या वर्ग ग नौका के मदान के दोनों ओर चिह्नित होगा।

(2) (क) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे सातवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार बचाव तरापे, स्थान देने के लिए ठीक समझा गया है, बचाव तरापे पर और चमड़े के बैग या अन्य आधान पर जिसमें बचाव तरापे जब प्रयोग में नहीं हैं रखा जाना है, स्थायी रूप से स्पष्टता से चिह्नित होगी।

(ख) ऐसे हर बचाव तरापे पर, क्रम संख्या तथा विनिर्माण का नाम और विनिर्माण का वर्ष भी होगा।

(3) हर बचाव तरापे जो सातवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार है, पोत का जिसमें वह बहन किया जाता है, नाम और रजिस्ट्री-पत्तन और व्यक्तियों की वह संख्या जिसे स्थान देने के लिए यह ठीक समझा गया, से चिह्नित होगा।

(4) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे संभालने के लिए उत्प्लावन बेड़ा ठीक है, इस पर स्थायी रूप से स्पष्टता से चिह्नित होगी।

20. रक्षा बोये.—रक्षा बोये नवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होंगे।

21. रक्षा बोया बतियाँ, धूम्र संकेत और रस्सियाँ.—

(1) इन नियमों के अनुसार बहन किये हुए रक्षा बोये में नियम 4 के उपनियम (11), नियम 5 के उपनियम (14), नियम 6 के उपनियम (10), नियम 7 के उपनियम (12), नियम 8 के उपनियम (9), नियम 9 के उपनियम (11) और नियम 11 के उपनियम (6) से विनिर्दिष्ट मापमानों पर स्व प्रज्वलन बतियाँ होंगी।

(2) (क) स्व प्रज्वलन बत्ती जल में रहने हुए निर्वासित हुए बिना रहने में समर्थ होगी।

(ख) वे 4.5 मिनट से अन्यून तक जलने में समर्थ होंगी और 3.5 ल्यूमेन से अन्यून दीप्ति रखेंगी।

(3) तेल पोतों में बहन किये हुए रक्षा बोये से संलग्न स्व प्रज्वलन बतियाँ विद्युत बैटरी प्रकार की होंगी।

(4) (क) हर पोत में, जिसकी लम्बाई 21.5 मीटर से कम है और जो वर्ग VIII का पोत नहीं है, पोत के प्रत्येक ओर एक रक्षा बोया से, कम से कम 27.5 मीटर लम्बी उत्प्लावन रस्सी संलग्न होगी।

(ख) 21.5 मीटर से कम लम्बे हर वर्ग 8 के पोत में, पोत के प्रत्येक ओर एक रक्षा नौका से कम से कम 18 मीटर लम्बी उत्प्लावन रस्सी संलग्न होगी।

(ग) इस उप-नियम के अनुसार रक्षा बोये में जिनसे रस्सियाँ संलग्न हैं, स्व प्रज्वलन बत्ती संलग्न नहीं होगी।

(5) वर्ग 8 के पोत से भिन्न हर एक पोत में, उपनियम (1) के उपबंधों के अनुसार स्व प्रज्वलन बत्ती से व्यवस्थित दो से अन्यून रक्षा बोयों में कम से कम 15 मिनट के स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के धूम्र उत्पन्न करने में समर्थ स्वतः सक्रिय धूम्र संकेतों की व्यवस्था होगी।

(6) (क) इन नियमों के अनुसार स्व प्रचलन बत्ती और स्वतः सक्रिय धूम्र संकेतों से व्यवस्थित रक्षा बोये, नौबानल वक्ष के प्रत्येक और, यदि कोई हो, बहुत किये जायेंगे और इस प्रकार लगे होंगे कि शीघ्र निर्मुक्त होने में समर्थ हों।

(ख) खंड (क) में निर्दिष्ट प्रत्येक रक्षा बोया या अन्य रक्षा बोया उम स्थिति में जहां स्व प्रचलन बत्ती की निर्मुक्ति ऐसे रक्षा बोये के वजन पर निर्भर करती है, 4.3 किलोग्राम से अन्यून भार का होगा।

22. रस्सी प्रक्षेपण साधन.—हर एक रस्सी प्रक्षेपण साधन ग्यारहवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होगा।

23. रक्षा नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं के लिए उपस्कर.—(1) उपनियम (2), (3) और (4) के उपबंधों के अध्वधीन, हर रक्षा नौका का उपस्कर निम्न प्रकार का होगा—

(क) इकहरी बैठक वाले उत्प्लावन कर्म चप्पू दो अतिरिक्त उत्प्लावन चप्पू और एक के उत्प्लावन कर्म-चप्पू मध्यटेकों का डेट सेट, डोरी या जंजीर द्वारा रक्षा नौका से संलग्न एक नौका टुक;

(ख) डोरी या जंजीर द्वारा रक्षा नौका से संलग्न प्रत्येक प्लग छिद्र के लिए दो प्लग (उसके सिवाय जहां समुचित स्वचालित वाल्व लगे हों) एक उमीशक और दो बाल्टी;

(ग) रक्षा नौका से संलग्न एक मुकान और एक पतवार;

(घ) रक्षा नौका से बाहर चारों ओर झूलवाली रक्षा रस्सी और ऐसे माधन जो पेरज से पठाण की नीचे पेरज तक सुरक्षित पकड़ रस्सियों के साथ नितल पट्टी या पठाण पर पट्टी के रूप में यदि रक्षा नौका उलट जाय तो उसे पकड़ने के लिए, व्यक्तियों को समर्थ बनाये;

(ङ) इस रूप में स्पष्टता से चिन्हित एक लाकर, जो उपस्करों की छोटी मर्दों के नोभरण के लिए उपयुक्त हो;

(च) दो कुल्हाड़ी, रक्षा नौका के प्रत्येक सिरे पर एक;

(छ) एक सैम्प जिसमें 12 घंटे के लिए पर्याप्त तेल हो;

(ज) एक जनरोधी जिसमें हवा में सरलता से न निष्पात होने वाले दियामलाइयों के बक्स हों;

(झ) मस्तूल जलैदार तार रस्सियों सहित और नारंगी रंग वाली पाले सहित जो पहिचान के प्रयोजन के लिए उस पोत के नाम के प्रथम और अंतिम अक्षर से चिन्हित होगी जिसकी रक्षा नौका है;

(ञ) बारहवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार विनैकिल रखा हुआ एक कम्पास;

(ट) बारहवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक किरमिच लगर;

(ठ) पर्याप्त लम्बाई और आकार के दो कर्षक रस्से जिसमें एक रक्षा नौका के आगे गिल्ली गाठ से बंधा होगा ताकि यह निर्मुक्त हो सके और दूसरा रक्षा नौका के माथे पर दृढ़ता से बंधा होगा और जो प्रयोग किया जा सके;

(ड) एक पात्र जिसमें 4.5 लीटर शॉफ-सब्जी, मछली या जानवर तेल हो। जल पर तेल के आमान वितरण के लिए एक

माधन की व्यवस्था होगी और यह इस प्रकार से व्यवस्थित होगा कि यह किरमिच लगर से संलग्न हो सके;

(ड) बारहवीं अनुसूची के भाग 3 की अपेक्षाओं के अनुसार चार संकट छतरी मशाल और बारहवीं अनुसूची के भाग 4 के उतबंधों के अनुसार छः हस्तधारित संकट मशाल;

(ण) बारहवीं अनुसूची के भाग 5 की अपेक्षाओं के अनुसार दो उत्प्लावन धूम्र संकेत;

(त) बारहवीं अनुसूची के भाग 6 की अपेक्षाओं के अनुसार एक प्राथमिक उपचार बक्स;

(थ) कोर्स संकेतन के लिए उपयुक्त, बैटरियों के अतिरिक्त सेट के साथ एक जल-सह विद्युत टार्च और एक जल सह आधान में एक अतिरिक्त बत्त;

(द) एक दिवालीक सिगनल दर्पण;

(ध) तीन खोलने वाले में लगा हुआ एक जैक चाकू जो डोरी द्वारा रक्षा नौका से लगाया जायेगा;

(न) दो हल्की उत्प्लावन गोफियां रस्सी;

(प) बारहवीं अनुसूची के भाग 8 की अपेक्षाओं के अनुसार एक कर चन पम्प;

(फ) एक सीटी।

(ब) एक बंसी डोरी और छः कटे।

(भ) स्पष्ट दृश्यमान वर्ण का एक ध्वजन जो खुले रहने से डूबने वाली क्षति से अधिभोगियों का रक्षा करने में समर्थ हों;

(म) समुद्र में जीवन रक्षा अन्तर्राष्ट्रीय कन्वेंशन, 1960 के भाग IV के विनियम 16 के अंतर्गत यथापेक्षित बचाव संकेत सारणी की एक प्रति;

(य) जल में व्यक्तियों की रक्षा नौका में चढ़ने के लिए समर्थ बनाने वाले माधन।

(2) (क) किसी भी मोटर रक्षा नौका या यंत्र नौकित रक्षा नौका के लिए न तो मस्तूल या पाल और न चप्पुओं के आधे से अधिक संख्या को बहन करना अपेक्षित होगा।

(ख) ऐसे हर रक्षा नौका दो नौका टुक बहन करेगी।

(3) (क) हर मोटर रक्षा नौका, कम से कम हो—सुबाह्य-अग्नि शामक, जो तेल अग्नि को र्खापित करने के लिए उपयुक्त फेन या अन्य पदार्थ विसर्जित करने में समर्थ हों बालू की पर्याप्त मात्रा रखने वाला एक पात्र और बालू का विसरण करने के लिए एक बेल्टी बहन करेगा।

(ख) ऐसे सुबाह्य अग्नि शामक इस प्रकार के होंगे जो बाणिज्य पोत परिवहन (अग्नि साधन) नियम, 1968 की अपेक्षाओं के अनुसार हों सिवाय इसके कि प्रत्येक शामक की धारिता 4.5 लीटर टुक या इसके समतुल्य से अधिक नहीं देगी।

(4) वर्ग VI, VII, और VIII के पोतों में बहन की हुई हर वर्ग ग नौका निम्नलिखित प्रकार से उपस्करित (सज्जित) होगी—

(क) उत्प्लावन चप्पुओं की एकल संख्या और एक अतिरिक्त उत्प्लावन चप्पू परन्तु यह कि कभी भी तीन चप्पुओं से

कम नहीं होगे, नौका से डोंगी या जंजीर द्वारा संलग्न मध्यटेकों का एक सेट, एक नौका-हुक ;

(ख) डोरी या जंजीर द्वारा नौका में सलग्न प्रत्येक प्लग छिद्र के लिए दो प्लग (मिथाय यहाँ के जहाँ समुचित स्वचालित बाल्व लगे हों, एक उलीचक और एक बाल्टी ;

(ग) नौका में सलग्न एक मुकान और एक पम्पहाउस ,

(घ) नौका के चारों ओर झूल वाली एक रक्षा रस्मी ,

(ङ) इस रूप में स्पष्टता में चिन्हित एक मास्कर, जो उपस्करों की छोटी मदों के नौभरण के लिए उपयुक्त हो ;

(च) पर्याप्त लम्बाई और आकार का एक कर्पक रस्मा नौका के आगे गिल्ली गाँठें बंधा होगा ताकि यह निर्मुक्त हो सके ;

(छ) ऐसे साधन जो यदि नौका नित्य भट्टी या पठाण पट्टी के रूप में उलट जायें या व्यक्तियों को नौका को पकड़ने के लिए समर्थ बनायें ;

(ज) मोर्स संकेतन के लिए उपयुक्त, बैटरियों के अतिरिक्त सेट के साथ एक जलमह विद्युत टार्ज और एक जलमह आधान में एक अतिरिक्त बल्ब ; और

(झ) दो हल्की उत्प्लावन गोफियां रस्मी ।

24. रक्षा नौकाओं के लिए राशन :—

(1) हर रक्षा नौका में, उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए यह ठीक समझी गई है, कम से कम निम्नलिखित मापमान पर विनिर्दिष्ट राशन की व्यवस्था होगी ;

(क) 450 ग्राम बिस्कुट

(ख) 450 ग्राम सब-शर्करा; और

(ग) 450 ग्राम प्रथम क्वालिटी का मीठा किया हुआ संघनित दूध :

परन्तु वर्ग V और VIII के पोत जो देशी व्यापार की सीमाओं से आगे नहीं बढ़ते हैं उन पर बहन की हुई किसी भी रक्षा नौका को यह नियम लागू नहीं होगा ।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट सभी खाद्य पदार्थ उपयुक्त जलरोधक आधानों में पैक किये गये होंगे और अन्नवस्तुओं को उपदर्शित करने वाले लेबल लगे होंगे ।

(3) (क) I से वर्ग VIII (जिसमें दोनों सम्मिलित हैं) के पोत में बहन की हुई हर रक्षा नौका में प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे यह स्थान देने के लिए ठीक समझी गई है कम से कम 3 लीटर ताजा जल या, प्रत्येक ऐसे व्यक्ति के लिए कम से कम 1 लीटर पेय जल की व्यवस्था करने में समर्थ लवण अपमारक यंत्र के साथ ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के लिए कम से कम दो लीटर ताजा जल की व्यवस्था होगी और प्रत्येक बरा में जल की कुल मात्रा जहाँ तक साध्य हो बढ़ा दी जायेगी ।

(ख) खंड (क) में निर्दिष्ट वर्गों के पोतों में बहन की हुई हर वर्ग ग नौका में जल की पर्याप्त मात्रा की व्यवस्था होगी ।

(4) रक्षा नौका में जल उपयुक्त आधानों रखा जायेगा और आधान में कम से कम एक डिगर की जो एक डोंगी के द्वारा आधाना से सलग्न होगा और 25, 50 और 100 मिली लीटर में अंशांकित तीन जग सह जल पीने के पावों की व्यवस्था होगी ।

परन्तु दो लीटर में अनधिक धारिता के आधान में डिगर की व्यवस्था अपेक्षित नहीं होगी ।

(5) उपनियम (4) में निर्दिष्ट आधाना में जल, यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह सदैव पीने के लिए कि माफ और ठीक है अक्सर बदला जायेगा ।

25. कतिपय मोटर रक्षा नौकाओं के लिए विशेष उपस्कर—

(1) वर्ग 1 और 3 के हर पात में, नियम 4 के उपनियम (5) के खंड (क) या नियम 6 के उपनियम (5) के खंड (क) के अनुसार बहन की हुई मोटर रक्षा नौकाओं में निम्नलिखित उपस्करों की व्यवस्था होगी:—

(क) एक रेडियो उपस्कर या जहाँ रेडियो विनियम, 1959 के अनुसार होगा और इसके अतिरिक्त निम्नलिखित उपबन्ध भी उसका भाग होंगे :—

(1) यह एक केबिन में स्थापित होगा जो उपस्कर और उसका प्रयोग करने वाले व्यक्ति, दोनों की जगह देने के लिए पर्याप्त बड़ा हो,

(2) इनजाम ऐसा होगा कि परिष्कृत और प्रापक का दक्षतापूर्ण प्रचालन मोटर रक्षा नौका के इनजनों को बाधा के कारण हानि नहीं होगा, चाहे बैटरी चार्ज हो या न हो,

(3) किसी इंजन चालन मोटर या प्रचालन प्रणाली को शक्ति प्रदाय करने के लिए रेडियो बैटरी का प्रयोग नहीं होगा,

(ख) मोटर रक्षा नौका के इनजनों में लगा हुआ और रक्षा नौका में सभी बैटरियों को पुनः चार्ज करने में समर्थ एक आई-नेमी ।

(2) (क) इन नियमों के अनुसरण के बहन की हुई सर्वे लाइट जिसमें कम से कम 80 वाट का एक लैम्प, एक प्रभावशाली परावर्तक और शक्ति का खोल होगा जो, इसके वर्ण वाली 18 मीटर चौड़ाई रखने वाली वस्तु को उभावी प्रदीप्ति, 183 मीटर की दूरी पर कुल छ. घंटे की कालावधि तक देगा ।

(ख) सर्वे लाइट लगातार कम से कम 3 घंटे तक कार्य करने में समर्थ न होगी ।

26 रक्षा नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं में उपस्कर और राशन की सुरक्षा—

(1) (क) किसी रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका में व्यवस्थित उपस्कर की सभी मदें, नौका हुक के सिवाय जो अफराने के प्रयाजन के लिए स्वतंत्र रखा जायेगा, रक्षा नौका या नौका के अन्दर यथाचित रूप से सुरक्षित होगी ।

(ख) कोई भी रस्मी इस रीति में प्रयोग की जायेगी कि वह उपस्कर की सुरक्षा सुनिश्चित करे, और उठाने वाले हुक

यदि लगे हो तो उसमें बाधा न डाले या सुगम नौरोहण को न रोके ।

(ग) ऐसे उपकरण की सभी मद यथा सभव छोटी और वजन में हल्की होगी और यथाचित तथा सघनता से पैक की गई होगी ।

(2) रक्षा नीति में व्यवस्थित सभी राशन जलरोक टैंक में नौसार्जित किया जायेगा जो रक्षा नीति में दृढ़ता से बधा होगा ।

(3) भोजन और जल, राशन वाले टैंक, "भाजन" या "जल" जो भी समुचित हो उससे सहजदृश्य रूप में चिह्नित होगा ।

27 बचाव तरापा के लिए उपस्कर और राशन —

(1) उपनियम (2) और (3) के उपाध के अधधीन हर एक बचाव तरापा में निम्नलिखित उपस्कर और राशन की व्यवस्था होगी

(क) कम से कम 31 मीटर की उल्लावन रस्सी में सलगन एक उल्लावन बचाव क्लायट ,

(ख) (1) उन बचाव तरापो के लिए जो 1.2 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक है, एक जेक चाकू और एक उलीचक ,

(2) उन बचाव तरापो के लिए जो 1.3 या उससे अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक है, दो जेक चाकू और दो उलीचक ,

(ग) दो स्पज ,

(घ) दो किरमिच लगर, एक स्थायी रूप से बचाव तरापा में सलगन और एक अतिरिक्त, रस्सी सहित ,

(ङ) दो पैडल ,

(च) बचाव तरापा जब तक सातवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार नहीं हो, उत्प्लावन कक्षों में छोड़ो की सम्मत करने में समर्थ एक सम्मत करने वाला उपकरण ,

(छ) बचाव तरापा जब तक सातवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार नहीं हो, एक पानी भरने वाला पम्प या धोकनी ,

(ज) तीन तिरापद तीन खोलने वाले ,

(झ) बारहवीं अनुसूची के भाग VIII की अपेक्षाओं के अनुसार एक प्राथमिक उपचार उपकरण ,

(ञ) 25, 50 और 100 मिलीमीटर में अशाक्ति एक जग सह जल पीने का पात्र ,

(ट) बैटरियां क एक अतिरिक्त सट के साथ सीमं संचालन के उपयुक्त एक जल सह विद्युत टार्न और जल सह आधान में एक अतिरिक्त बल्ब ,

(ठ) एक शिवालाक मिगल्ल दर्पण और एक मिगल्ल सीटी ,

(ड) बारहवीं अनुसूची के भाग III की अपेक्षाओं के अनुसार दो सफट छतरी मशाल ,

(व) बारहवीं अनुसूची के भाग IV की अपेक्षाओं के अनुसार छ हस्तधारित सफट मशाल

(ण) एक बसी डारी और छ काटे ,

(न) उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा गया है, प्रति 450 ग्राम वजन पर कम से कम 2200 कैलोरी उपपन्न करने वाला, 340 ग्राम, प्यास न उत्तेजित करने वाला उपयुक्त भोजन और 170 ग्राम यव-शर्करा या समान रूप में उपयुक्त अन्य मिठाईया ,

(द) उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा गया है, डेढ़ लीटर ताजा जल रखने वाला जलमय पात्र, जिसका प्रति व्यक्ति आधा लीटर ताजे जल की समान मात्रा उपपन्न करने में समर्थ उपयुक्त लवण अपसारक उपकरण द्वारा बढ़ाया जा सकेगा ,

(द) प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा गया है छ जहाजी मतली रोकने वाली टिकिया ,

(ब) बचाव तरापा में कैसे बच हम बायल अंग्रेजी और हिन्दी भाषाओं में मुद्रित अनुदेश

(न) समुद्र में जीवन रक्षा अन्तराष्ट्रीय कन्वेंशन 1960 के भाग 5 के विनियम 16 के अंतर्गत यथा अपेक्षित बचाव गकत सारणी की एक प्रति ।

(2) वर्ग II और IV के पोतों में —

(i) एक या अधिक बचाव तरापा जो ऐसे किसी पोत में बहन किए हुए बचाव तरापा की कुल संख्या के छठव भाग में अन्तर्गत उपनियम (क) के खड (क) में (छ) (जिसमें दोनों सम्मिलित हैं), (ङ), (घ) और (न) विनिर्दिष्ट और उसी उपनियम के खड (5) और (व) में विनिर्दिष्ट उपस्कर के आधे की व्यवस्था हो सकेगी ।

(ii) खड (1) के अनुसार उपस्करित (सज्जित) बचाव तरापा में निम्न बचाव तरापो में उपनियम (i) के खड (क) में (छ) (जिसमें दोनों सम्मिलित हैं), (घ) और (न) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी ।

(iii) वर्ग IV, V, VII, और VIII के पोतों में बचाव तरापा में किर्मास लगर के साथ या बचाव तरापा में स्थायी रूप से सलगन रहेगा, इस नियम के उपनियम (1) के खड (क), (घ), (ग), (ङ), (च), (छ), (झ), (थ), (ज), और (न) में विनिर्दिष्ट उपस्कर खड (5) तथा (व) में एकाई विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी ।

28 प्राण रक्षा साधित्रा के नीमरण और बचाने में सम्बन्धित सामान्य उपबन्ध — (1) प्रत्येक रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका बचाव तरापा और उत्प्लावन बेड़े की वस्तुओं के लिए ऐसी व्यवस्था होगी कि यह अन्य प्राणरक्षा साधित्रा के प्रचालन में बाधा या किसी प्रकार उनका गोल चालन में या अवतरण रोजन या उनके नौसार्जन में व्यक्तियों का कमबद्ध करने में अडबत नहीं डालेगा ।

(2) रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं बचाव तरापा और उत्प्लावन बेड़ा इस प्रकार नीमरित होंगे कि वे सभी कम से कम सम्भव समय में सुरक्षा पूर्वक अवतरित किए जा सकें और वर्ग I और II और VI के पोता की दशा में जो अवतरण साधित्रा के अन्तर्गत बचाव तरापो बहन करने में सम्मत अवतरण कालाह्य 30 मिनट में अधिक नहीं होगी ।

29 रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं और अन्य नौकाओं का नीमरण और चालन — (1) उपनियम (2) (3) और (1) के उपबन्ध 1. अधधीन उस रक्षा नौका में निम्न, जो वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अनुसूच के रूप में बहन की गई है डबिटी के एक सेट में सलगन हर

रक्षा नौका इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि नौका के अनुकूल दशाओं के अन्तर्गत भी और दोनों और 15 डिग्री झुकाव तक भी, जब इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित हो तो यह जल में रखी जा सके वर्ग 7 के 45.7 मीटर से कम लम्बे पोनों के सिवाय ऐसी रक्षा नौकाएं इस प्रकार व्यवस्थित होंगी कि पूर्वांकन दशाओं में जब अपने अपेक्षित उपस्कर और कम से कम दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मी जल से भारित हो तो वे जल में रखी जा सकें।

(2) कोई रक्षा नौका जो वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अनुकूल के रूप में वहन की गई है और कोई वर्ग ग नौका या अन्य नौका जो यन्त्र नियंत्रित एकल भुज डेबिट से भिन्न डेबिट या डेबिटों के सेट से संलग्न है वह इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि जब इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीजल से भारित हो तो उस के किसी और से या जब पोट उम दिशा को और 15 डिग्री झुका हो झुकाव की ओर से जल में रखी जा सके।

(3) यंत्र नियंत्रण एकल भुज डेबिट से संलग्न हर रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि जब इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीजल से भारित हो तो जब पोट सीधा हो तो उसके एक ओर से या उस की ओर से जिस ओर पोट 15 डिग्री झुका हो जल में रखी जा सके, उन मछली पकड़ने वाले जलयानों की दशा के सिवाय जो नियम 11 के उपनियम (3) के अनुसार रक्षा नौका वहन करते हैं, रक्षा नौका इस प्रकार से व्यवस्थित होगी कि जब अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीजल से भारित हो तो यह पाठ के किसी और से या यदि पोट में झुकाव है तो उस ओर से जिधर पोट झुका हो जल में रखी जा सके।

(4) नियम 9 के उपनियम (5) के खंड (ख) और नियम 9 के उपनियम (10) के अनुसार वहन की हुई हर रक्षा नौका या वर्ग ग नौका, यदि डेबिट या डेबिटों के सेट से संलग्न नहीं है तो यह एक ऐसे साधन से संलग्न होगी जो प्रथमतः नौका के अवतरण के प्रयोजन के लिए व्यवस्थित होगा और जब पोट इन नियमों द्वारा अपेक्षित अपने उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीजल से भारित हो तो पोट के एक ओर से नौका से नौका को जल में रखने में समर्थ हो, और जब पोट सीधा हो या 15 डिग्री झुका हो तो ऐसा साधन रक्षा नौका या वर्ग ग नौका का पोट के उस ओर से जिधर यह झुका हो जल में रखने में समर्थ हो।

(5) एक से अधिक रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका डेबिटों के किसी सेट, डेबिट या अवतरण के अन्य साधनों से संलग्न होगी।

(6) रक्षा नौकाएं केवल एक से अधिक डेक पर नौभारित की जा सकेंगी परन्तु यह तब जब कि ऊपर डेक पर नौभारित रक्षा नौकाओं को निचले डेक पर की रक्षा नौकाओं में उलटाने को रोकने के लिए समुचित उपाय किये जाएं।

(7) रक्षा नौकाएं पोट के मैदानों में नहीं रखी जाएंगी और वे इस स्थिति में स्थित होंगी कि नौका से निकाली और खोखू के पीछे के बाहर निकले हुए डालू हिस्से का विशेष ध्यान रखते हुए सुरक्षित अवतरण सुनिश्चित कर सकें, और यथा माध्य यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे पोट के सीधी तरफ अवतरित हो सकें।

(8) पोट में डेबिट यथाचित रूप से रखे जाएंगे।

(9) इन नियमों के अनुसार व्यवस्थित डेबिट, बिन्ध, रस्से, बराबी और अवतरण साधन तैरहबी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होंगे।

(10) (क) निम्नलिखित दशाओं में डेबिटों से संलग्न सभी रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं, तार रस्सी और बिन्ध से युक्त होंगी :—

- (1) जब वे गुरुत्व, डेबिटों से संलग्न हों, या
- (2) जब वे यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेबिटों से संलग्न हों, या
- (3) जब वे नियम 11 के उपनियम (2) के अन्तर्गत वर्ग I, II, III, IV, V, के किसी पोट और वर्ग VIII के पोनों से लगी हों, या
- (4) जब वे नियम 9 के उपनियम (2) या नियम 9 के उपनियम (5) के खंड (क) के अनुसार वर्ग VI और VII के किसी पोट से लगी हों, या
- (5) जब समुद्र में अवतरण की दशा में संलग्न रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका का भार 2300 किलोग्राम से अधिक हो :

परन्तु आपात रक्षा नौकाओं से भिन्न रक्षा नौकाओं की दशा में केन्द्रीय सरकार जहां उसका समाधान हो जाय कि ऐसे रस्से पर्याप्त हैं, बिन्धों से लगे हुए या उनके बिना अन्य प्रकार के रस्सों के लिये अनुज्ञा दे सकेंगी।

(ख) हर पोट में, जिस में रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं तार रस्से से युक्त हों तो ऐसे रस्सों के चालन के लिये बिन्धों की व्यवस्था होगी।

(ग) नियम 4 के उपनियम (3), नियम 5 के उपनियम (4) नियम 6 के उपनियम (3) और नियम 7 के उपनियम (14) के अनुसार वहन की हुई आपात रक्षा नौकाएं ऐसे बिन्धों से युक्त होंगी जो, जब रक्षा नौका इन नियमों द्वारा अपेक्षित अपने उपस्कर और 1016 किलोग्राम के बराबर वितरित भार से भारित हो तो उसे प्रति मिनट 18 मीटर से अधिक गति से पुनः प्राप्त करने में समर्थ हों।

(11) सभी रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं जो बिन्धों से युक्त हैं, उनकी पुनः प्राप्ति के लिये प्रभावशाली ड्रपगियर की व्यवस्था होगी।

(12) जहां डेबिट, शक्ति द्वारा रस्सों के कार्य द्वारा पुनः प्राप्त है वहां सुरक्षा साधन लगे होंगे, जो डेबिट, डेबिटों से कम से कम 10 सेंटीमीटर दूर हो तो यह सुनिश्चित करने के लिये कि तार रस्सा या डेबिट अतिप्रतिबलित नहीं है, शक्ति का स्वतः काट देगे।

(13) जब तक इन नियमों में अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबन्धित न हो 15 डिग्री के झुकाव पर रक्षा नौकाओं के अवतरण को सुकर बनाने के लिये, कोई रक्षा नौका में, जो डेबिटों के अन्तर्गत रखी गई है स्केट या अन्य उपयुक्त साधन की व्यवस्था होगी, डेबिट ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर सहित रक्षा नौका जल में अवतरित की जा सके।

(14) उन रक्षा नौकाओं में से जो पोट की दिशा के विरुद्ध पूर्णतः भारित दशा में अवतरित होने में समर्थ होने के लिये अपेक्षित है, व्यक्तियों के सुरक्षित नौरोहण के लिये, उनको वही धारण करने के लिए साधनों की व्यवस्था होगी।

15(क) किसी पोट में, जो उस पोट से भिन्न है जिसमें रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेबिट से संलग्न है, डेबिट, तार रस्सा पाट से लगा होगा जो इस प्रकार स्थित होगा कि जब नौका अवतरण की दशा में हो तो पाट नौका की केन्द्रीय लाइन के ऊपर यथा माध्य तजदीक हो।

(ख) ऐसा एक तार रस्सा पाट कम से कम दो रक्षा रस्मियों से लगा होगा जो अल्पतम समुद्रगामी डुबाव और किमी और 15 डिग्री झुके हुए पोत से जल तक पहुंचने के लिये पर्याप्त लम्बा होगा।

16(क) डेबिटों में संलग्न रक्षा नौकायें, वर्ग ग नौकायें और अन्य नौकायें कार्य के लिये रस्सा तैयार रखेंगी और ऐसा रस्सा अल्पतम समुद्रगामी डुबाव और किमी और 15 डिग्री झुके हुए पोत से जल तक पहुंचने के लिये कम से कम पर्याप्त लम्बा होगा।

(ख) रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं और अन्य नौकाओं को रस्से से अलग करने के लिये साधनों की व्यवस्था होगी।

(ग) जब तक चौदहवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार अलग करने वाला गियर नहीं लगा हुआ हो तब तक कोटे को संलग्न करने के लिये निचला रस्सा दराबी उपयुक्त छल्ले या लम्बे योजक से लगा होगा।

(घ) वे स्थान जहां रस्से से रक्षा नौकायें, वर्ग ग नौकाएं और नौकाएं लगी हों पेरज से ऊपर इतनी ऊँचाई पर होंगे जो रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं और अन्य नौकाओं के जल में अवतरण करने समय उनका स्वायत्त सुनिश्चित करें।

(17)(क) नियम 4 के उपनियम (3), नियम 5 के उपनियम (4), नियम 6 के उपनियम (3) और नियम 7 के उपनियम (4) के अनुसार बहन की हुई हर एक आपात रक्षा नौकाओं में, जब प्रतिकूल मौसम की दशाओं में नौका समुद्र से पुनः प्राप्त है तो उसके उठाने के प्रयत्नों से निश्चये रस्सा दराबी के लगाव को सुकर बनाने वाले साधनों की व्यवस्था होगी।

(ख) इस प्रयोजन के लिये प्रत्येक डेबिट के लिये पर्याप्त सामर्थ्य और यथोचित लम्बाई की एक कूप रस्सी की व्यवस्था होगी, और कूप-रस्सी, का एक सिरा निचली रस्सा दराबी से और दूसरा सिरा नौका पर उठाने वाले प्रबंध से संलग्न होगा।

(ग) इसके अतिरिक्त, निचले रस्सा दराबी को उठाने वाले कांटे से सीधे संलग्न होने में समर्थ बनाने के लिये उठाने के बाद नौका को ठीक स्थिति में बनाये रखने के लिये भी साधनों की व्यवस्था होगी।

(18) किसी पोत में, जब रक्षा नौका डेबिटों, के किसी सेट, डेबिट या अवतरण के अन्य साधन जो ऐसे वर्ग के पोत के लिये जो उन नियमों में विनिर्दिष्ट नति को या झुकाव की दशाओं के अन्तर्गत इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित होने पर नौका को जल में सुरक्षित रूप से नामित करने के लिये पर्याप्त सामर्थ्य के नहीं हैं, संलग्न है या जब कोई वर्ग ग नौका या अन्य नौका डेबिटों के सेट, डेबिट या आवरण के अन्य साधन जो इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित ऐसी वर्ग ग नौका या अन्य नौका के सुरक्षित रूप से अवतरण करने के लिये पर्याप्त सामर्थ्य के नहीं हैं, संलग्न हैं, तो डेबिटों के ऐसे प्रत्येक सेट डेबिट या अवतरण के अन्य साधन श्वेत पृष्ठभूमि पर रंगी हुई 15.25 मीटर चौड़ी लाल पट्टी से सहज दृश्य रूप से चिह्नित होंगे।

30. बचाव तरापे उत्प्लावन बैठा और रक्षा बोये का नौमरन और चालन :—(1) बचाव तरापे और उत्प्लावन बैठा इस प्रकार नौभारित होंगे कि वे नति की अनुकूल के अन्तर्गत भी और किसी और 15 डिग्री झुकाव तक सुरक्षा पूर्वक जल में रखे जा सकें।

(क) वर्ग I और II के हर एक पोत में जो नियम 4 के उप-नियम (2) के खंड (ख) या नियम 5 के उपनियम (8) के परन्तुक की मद्र (ग) के अनुसार बचाव-तरापे बहन करने है ऐसे बचाव तरापे लिये पन्द्रहवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार अवतरण साधनों की व्यवस्था होगी।

(ख) वर्ग III की हर पोत में, जो नियम 6 के उपनियम (2) के खंड (ख) के अनुसार बचाव तरापे बहन करता है, ऐसे बचाव तरापों के लिए पन्द्रहवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार अवतरण साधनों की व्यवस्था होगी, केन्द्रीय सरकार जितनी संख्या निश्चित करे जहाँ तक यथामाध्य हो पोत की प्रत्येक और सम विभाजित होंगी।

परन्तु पोत को प्रत्येक और कम से कम हर समय ऐसा एक साधन होगा।

(ग) हर बचाव तरापे अवतरण साधन इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि नति की अनुकूल दशाओं के अन्तर्गत भी और किसी और 15 डिग्री झुकाव तक, प्रत्येक बचाव तरापे को जो ऐसे साधन के प्रयोग के लिये डिजाइन किया गया है, व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित होने पर अवतीर्ण कर सके।

(घ) बचाव तरापे जिनके लिये अवतरण साधनों की व्यवस्था है, और ऐसे अवतरण साधन पोत के मदान में नहीं रखे जायेंगे और ऐसे रखे होंगे कि नौक से निकामी और खोके के पीछे के बाहर निकले हुए बाजू हिस्से का विशेष ध्यान रखते हुए सुरक्षित अवतरण सुनिश्चित कर सकें, और रक्षा साध्य यह सुनिश्चित करने के लिये कि वे पोत के सीधे भाग की ओर अवतीर्ण हो सकें।

(ङ) बचाव तरापे में, जिनके लिये अवतरण साधनों की व्यवस्था की गई है, व्यक्तियों के सुरक्षित नौरोहण के लिए उनको वहां धारण करने की पोत की दिशा के विरुद्ध जाने के लिए साधनों की व्यवस्था होगी।

(3) रक्षा बोये इस प्रकार नौभारित होंगे कि सभी व्यक्तियों को सरलता से सुलभ हो सकें और इस प्रकार से कि वे गतिप्रता से ढीले छाड़े जा सकें।

(4) रक्षा बोये इस प्रकार नौभारित होंगे कि सभी व्यक्तियों को सरलता से सुलभ हो सकें और उनकी स्थिति स्पष्टता से और स्थायी रूप से उपरिष्ठित की जायगी।

31. रक्षा नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं, अन्य नौकाओं और बचाव तरापों पर नौरोहण :—(1) यह सुनिश्चित करने के लिए इंतजाम होगा कि रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं, अन्य नौकाओं और बचाव तरापों में शीघ्रता से और ठीक क्रम में नौरोहण सम्पन्न करना सम्भव हो।

(2) हर पोत में, जब यह लगभग परित्यक्त होने को है उस समय यात्रियों और कर्मियों को बेनावनी देने के लिए इंतजाम किया जाएगा।

(3)(क) (i) वर्ग VI, VII और वर्ग VIII के पोतों में जब पोत की लम्बाई 45 मीटर से अधिक है, जहाँ इन नियमों द्वारा अपेक्षित रक्षा नौका व्यक्तियों को पूरी संख्या और उपस्कर से भारित हो तो डेबिट उसके अवतरण में समर्थ हों वहां रक्षा नौका डेबिटों के प्रत्येक सेट में एक सीढ़ी बहन की जाएगी।

(ii) वर्ग I, II, III, IV और V के पोतों में, भी ऐसी व्यवस्था होगी इसके सिवाय ऐसे पोतों में केन्द्रीय सरकार ऐसी सीढ़ियों की उपयुक्त यांत्रिक साधनों द्वारा प्रतिस्थापित होने की अनुज्ञा दे सकेगी परन्तु हर एक ऐसे पोत के प्रत्येक घोर एक सीढ़ी में अन्यतः होगी ।

(ख) वर्ग VI, VII और VIII के पोतों में, जो एक वर्ग ग नौका या एक रक्षा नौका वहन करते हैं, जो इन नियमों द्वारा अपेक्षित जब व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित, अवतरण होने में समर्थ नहीं हो तो नौका में व्यक्तियों के नौरोहण के लिये यथोचित साधनों की व्यवस्था होगी ।

(ग) वर्ग I, II, III, IV और V के पोतों के और कुल 500 टन या उससे अधिक के वर्ग VI, VII और VIII के पोतों में बचाव तरापों में जब वे जलवाहित हो नौरोहण को सुकर बनाने के लिए पर्याप्त सीढ़ियों की व्यवस्था की जाएगी सिवाय इसके कि ऐसे पोतों में केन्द्रीय सरकार ऐसी कुछ या सभी सीढ़ियों को यथोचित यांत्रिक साधनों द्वारा प्रतिस्थापित की अनुज्ञा दे सकेगी ।

(घ) इस उपनियम के उपबन्धों के अनुसार व्यवस्था की गई सीढ़ियों अल्पतम ढुबाव तक और प्रत्येक और 1.5 डिग्री झुके हुए पोत में जल रेखा तक पहुँचने के लिए पर्याप्त लम्बाई की होगी ।

(4) हर पोत में, इजिन कक्षा से, जहाँ से नियम अवतरण स्थानों पर इनमें वे भी सम्मिलित हैं जो अवतरण साधनों के अधीन हैं रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों में जल का निस्सारण निवारित करने के लिए बाहर स्थित साधनों की व्यवस्था होगी ।

32. रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों का कर्मी संयोजन :—(1) वर्ग I, II, III, IV और V के पोतों में, प्रत्येक रक्षा नौका का प्रभारी एक डेक आफिसर या एक प्रमाणपत्रित रक्षा नाविक होगा और एक विज्ञानीय समादेशक का भी नाम निर्दिष्ट किया जायगा । भारनायक व्यक्ति, रक्षा नौका कर्मीदल की एक सूची रखेगा और यह देखेगा कि उसके आदेशों के अधीन रखे गये व्यक्ति अपने विभिन्न कर्तव्यों में परिचित हैं ।

(2) वर्ग I और III के पोतों में बचाव तरापों के चालन और प्रचालन में प्रशिक्षित एक व्यक्ति प्रत्येक बचाव तरापों के लिए समुनदेशित होगा ।

(3) (क) वर्ग II के पोतों में, जो अवतरण साधनों से युक्त तरापों वहन करते हैं, बचाव तरापों के चालन और प्रयोग में प्रशिक्षित दो व्यक्ति प्रत्येक अवतरण साधनों के लिए समुनदेशित किए जाएंगे ।

(ख) वर्ग III, IV और V के पोतों में, जो ऐसे बचाव तरापों वहन करते हैं जो अवतरण साधनों से युक्त नहीं हैं, और जो नियत अवतरण स्थिति पर सुगो में रखे हुए हैं बचाव तरापों के चालन और प्रचालन में प्रशिक्षित एक व्यक्ति प्रत्येक ऐसी स्थिति के लिए समुनदेशित होगा ।

(4) वर्ग I, II, III, IV और V के पोतों में रेडियो उपस्कर और सर्व लाइट उपस्कर के परिचालन में समर्थ एक व्यक्ति ऐसे उपस्कर को वहन करने वाली प्रत्येक रक्षा नौका के लिए समुनदेशित होगा ।

(5) हर पोत जिसमें मोटर रक्षा नौकाएं यन्त्र की गई हैं, मोटर के परिचालन में समर्थ एक व्यक्ति प्रत्येक मोटर रक्षा नौका के लिए समुनदेशित होगा ।

33. प्रमाणपत्रित रक्षा नाविक :—(1) वर्ग I, II, III, IV और V के हर पोत के कर्मीदल में इन नियमों के अनुसार यन्त्र की हुई प्रत्येक रक्षा नौका के लिए, निम्नलिखित मांगों में निर्दिष्ट में अन्यतः प्रमाणपत्रित रक्षा नाविकों की संख्या भी सम्मिलित है ।

मांगणी

एक रक्षा नौका के लिए विहित व्यक्तियों की संख्या	अपेक्षित प्रमाणपत्रित रक्षा नाविकों की न्यूनतम संख्या
---	---

41 व्यक्तियों से कम	2
---------------------	---

41 व्यक्तियों और उससे अधिक किन्तु 62 व्यक्तियों से कम	3
---	---

62 व्यक्तियों और उससे अधिक किन्तु 86 व्यक्तियों से कम	4
---	---

86 व्यक्तियों से अधिक और उससे अधिक	5
------------------------------------	---

(2) इस नियम में विहित व्यक्तियों की पूरी संख्या में व्यक्तियों की वह संख्या प्रशिक्षित है जिसे इन नियमों के अनुसार, स्थान देने के लिए रक्षा नौका ठीक समझी गई है ।

34. सुवाह्य रेडियो उपस्कर :—(1) नियम 4 के उपनियम (6) नियम 5 के उपनियम (ii) नियम 6 के उपनियम (6) नियम 7 के उपनियम (10) नियम 8 के उपनियम (8) और नियम 9 के उपनियम, (10) के अनुसार वहन किए जाने के लिए अपेक्षित सुवाह्य रेडियो उपस्कर जनेवा रेडियो विनियम, 1959 की ऐसी अपेक्षाओं के अनुसार होगा जैसी उसको लागू होती है और यथोचित स्थान पर, आपात की दशा में रक्षा नौका और बचाव तरापों में रखने के लिए तैयार रखा जाएगा ।

(2) पोतों में जहाँ अधिरचनाओं और डेक घरो का बिन्याम ऐसा है जो मुख्य पारेषक और रक्षा नौका का पर्याप्त भार और पीछे पार्थक्य करता है, ऐसा उपस्कर इन रक्षा नौकाओं या बचाव तरापों के समीप रखा जाएगा जो मुख्य पारेषक से सर्वाधिक दूर हो ।

35. विद्युत प्रचालित सिगनल :—वर्ग I, II, III और IV के हर पोत में, पूरे पोत में मस्टर स्टेशनो पर पुन से साधियों को बुलाने के लिए नियंत्रित विद्युत प्रचालित सिगनलों की व्यवस्था होगी ।

36. विद्युत प्रकाश प्रबंध :—(1) (क) वर्ग I, II, III, IV और V के हर पोत में, पूरे पोत में और विशेषतः डेक पर, जिससे रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों का नौरोहण होता है, विद्युत प्रकाश प्रणाली की व्यवस्था की जाएगी ।

(ख) ऐसे हर पोत में, अवतरण के विद्युत प्रकाश प्रबंध के लिए भी और जल, जिसमें अवतरण साधनों से युक्त रक्षा नौकाएं और बचाव तरापों अवतरण किए जाते हैं, जब तक अवतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती उसके लिए भी और बचाव तरापों, जिनके लिए अवतरण साधनों की व्यवस्था नहीं है उनके नौभरण स्थिति के प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्था की जाएगी ।

(ग) प्रकाश प्रबंध पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक सयंत्र में प्रचालित होगा और इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि यात्री पोतों के मनि-मार्ग से संचालित अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाये गए नियमों के अधीन ऐसे पोतों के लिए व्यवस्थित शक्ति के आपात क्षेत्र से विद्युत शक्ति दी जा सकेगी ।

(2) वर्ग I, II, III, IV और V के हर एक पोत में यावियां या कर्मियों द्वारा अधिमुक्त हर मुख्य कक्ष से निर्गम द्वार, पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित आपात विद्युत सेम्प से लगातार प्रकाशित किया जाएगा और यह इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि वाली पोतों के सन्निर्माण से संबंधित अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाए गए नियमों के अधीन, ऐसे पोतों के लिए व्यवस्था किए जाने के लिए अपेक्षित शक्ति के आपात स्रोत से विद्युत शक्ति दी जा सकेगी।

(3) (क) कुल 500 टन या उससे अधिक के वर्ग VI और VII के हर पोत में, अवतरण साधन, रक्षा नौकाओं और बचाव तरंगों के विद्युत प्रकाश प्रबंध के लिए, जिसका वे अवतरण की तैयारी और प्रक्रिया के दौरान प्रयोग करने हैं, जल जिस में अवतरण साधन से मुक्त रक्षा नौकाओं और बचाव तरंगों अवतीर्ण किए गए हैं, जब तक अवतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती है, उसके प्रकाश प्रबंध के लिए बचाव तरंगों जिनके लिए अवतरण साधनों की व्यवस्था नहीं की गई है, उनके नौभरण स्थिति के प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्था होगी।

(ख) कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग VI और VII के हर पोत में, गलियां, सीढ़ियां और निर्गम द्वार के विद्युत प्रकाश प्रबंध के लिए ऐसी व्यवस्था होगी यह सुनिश्चित हो जाए कि पात पर सभी व्यक्तियां की, रक्षा नौकाओं और बचाव तरंगों के अवतरण स्टेशन और नौभरण स्थिति तक पहुंचान में बाधा न हो।

(ग) इस नियम के खंड (क) और (ख) के अधीन अपेक्षित प्रकाश प्रबंध पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित होगा और इसके अनिवार्य—

(i) कुल 5000 टन या उससे अधिक के ऐसे हर पोत में, या उन पोतों की दशा में जिनका वाणिज्य पोत परिवहन (स्थीरा पोत सन्निर्माण और सर्वेक्षण) नियम, 1974 के नियम 7 के उपनियम (1) के अधीन नियम लागू होने हैं ऐसे प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होंगे।

(ii) कुल 1600 टन से अधिक किन्तु कुल 5000 टन से कम के हर पोत में ऐसे पोता में या उन पोतों की दशा में जिनका, वाणिज्य पोत परिवहन (स्थीरा पोत सन्निर्माण और सर्वेक्षण) नियम, 1968 के नियम 8 के उपनियम (i) के अधीन नियम लागू होने हैं ऐसे प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होंगे।

(घ) कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु 1600 टन से कम के हर पोत में इस उपनियम के खंड (क) के अन्तर्गत अपेक्षित प्रबंध, पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित होगा और, इसके अनिवार्य ऐसे पोता या उन पोतों की दशा में जिनका, वाणिज्य पोत परिवहन (स्थीरा पोत सन्निर्माण और सर्वेक्षण) नियम, 1971 के नियम 9 के उपनियम (1) के अधीन नियम लागू होने हैं ऐसे प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होंगे या यदि केन्द्रीय सरकार ऐसी अनुज्ञा देती है तो इस शर्त के अध्वधीन कि प्रकाश-प्रबंध परिष्कृत मरम्मत से अलग हो सकता है और आरक्षित स्रोत, उन नियमों के अधीन अपेक्षित आरक्षित

के कम हुये बिना अनिवार्य भार या भारों का प्रदाय करने के लिये समर्थ है, तो अनेवा रेडियो विनियम, 1959 के अधीन ऐसे पोतों पर के लिये व्यवस्थित विद्युत ऊर्जा के आरक्षित स्रोत से प्रचालित होंगे।

(4) वर्ग VI और VII के हर पोत में, जिसके उपनियम (3) लागू नहीं होता, और वर्ग VIII के हर पोत में अवतरण की प्रक्रिया के लिये तैयारी के दौरान अवतरण साधन और रक्षा नौकाओं या नौकाओं के विद्युत प्रकाश प्रबंध के लिये, और बचाव तरंगों के नौभरण स्थिति के प्रकाश प्रबंध के लिये भी साधनों की व्यवस्था की जायेगी।

37. पोत के संकट मशाल—(1) वर्ग VIII के पोत जो लम्बाई में 24 मीटर से कम है सिवाय हर पोत, सोलहवीं अनुसूची के अपेक्षाओं के अनुसार बारह से अन्य संकट छतरी मशाल बहन करेगा।

(2) लम्बाई में 24 मीटर से अधिक के पोतों से भिन्न वर्ग VIII के पोतों, उपनियम (3) के अनुसार छः से अन्य लाल तारक संकट मशाल बहन करेगे।

(3) इस नियम के अधीन अपेक्षित कोई भी लाल तारक सिगनल 45.7 मीटर से अन्युत उंचाई पर या साध-साध या पृथक रूप से दो या अधिक लाल तारकों के उत्सर्जन में समर्थ होगा, और इन तारकों में से प्रत्येक, 5 सैकण्ड में अन्युत 5000 कैंडल शक्ति की न्यूनतम प्रदीप्ति में जलेगा।

(4) सभी आनिशी संकट मशाल जल रोक आधानों में पैक किए जाएंगे और अपना प्रयोजन उपदर्शित करने के लिये स्पष्टता में और प्रमित रूप से अपर लेबल बने होंगे।

38. समान्य वस्तु और छूटें :—(1) जहां इन नियमों द्वारा यह अपेक्षित हो कि कोई विशेष फिटिंग पदार्थ, साधन या उपकरण या उनका प्रकार, पोत में लगा या बहन किया होगा या कि कोई विशेष व्यवस्था की जायेगी, बड़ा केन्द्रीय सरकार किसी अन्य फिटिंग, पदार्थ, साधन या उपकरण या उनके प्रकार जो पोत में फिट होने, बहन किये जाने या किसी अन्य की जाने वाली व्यवस्था की उनके परीक्षण के द्वारा यह समाधान हो जाने पर अनुज्ञा दे सकेगी कि ऐसी अन्य फिटिंग, पदार्थ साधन या उपकरण या उनका प्रकार या व्यवस्था कम से कम उनकी प्रभावशाली हो जितनी इन नियमों द्वारा अपेक्षित हो।

(2) किसी पोत के स्वामी के आवेदन पर यदि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उस पोत में इन नियमों द्वारा अपेक्षित डेबिटों के मेटों की संख्या का फिट किया जाना साध्य या युक्ति-युक्त नहीं है तो केन्द्रीय सरकार, ऐसी शर्तों के अध्वधीन, यदि कोई हो, जिन्हें अधिरोपित करना वह ठीक समझे, उस पोत में डेबिटों के एक या अधिक मेट से अभियुक्त करने की अनुज्ञा दे सकेगी।

परन्तु वर्ग II और V के पोतों की दशा में फिट किये गये डेबिटों के मेटों की संख्या, नियम 5 के उपनियम (2) और (8) और नियम 7 के उपनियम (2) के अध्वधीन पहली अनुसूची में उपविणित सारणी के स्तंभ (ख) द्वारा अपेक्षित न्यूनतम संख्या से किसी भी दशा में न्यून नहीं होगी।

(3) यदि वर्ग I या III के किसी पोत को, जब वह भारत में किसी पत्तन या स्थान में समुद्र की ओर बढ़ता है, विनिर्दिष्ट विदेशी पत्तनों या स्थानों के बीच, अनुज्ञात संख्या के अनिवार्य किसी संख्या को बहन करने

के लिये अनुज्ञा दी गई है जो केन्द्रीय सरकार, ऐसी शर्तों के अधीन जिन्हें अधिरोपित करना यह ठीक समझे, जहां तक ऐसा विनिर्दिष्ट पदार्थ या स्थानों के बीच समुद्र यात्रा के भाग का संबंध है नियम 4 के उपनियम (2) और (10) और नियम 6 के उपनियम (2) और (9) के उप-वधा के उपाकरण की अनुज्ञा दे सकेगी।

परन्तु जहां ऐसे उपाकरणों की अनुज्ञा दी गई है ऐसे बचाव तरंगों के साथ रक्षा नौकाओं की कुल संख्या जो वहन की गई है व्यक्तियों की कुल संख्या के लिये जिस पोत पर नव नगर के लिये प्रसारित है सर्वत्र पर्याप्त होगी और इससे अनिवार्य बचाव तरंग व्यक्तियों की संख्या के दस प्रतिशत को पर्याप्त रूप से संभालने के लिये बहन किये जायेंगे।

(4) केन्द्रीय सरकार किसी पोत को जो प्रसामान्य रूप से अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्राओं पर नहीं लगा है किन्तु जिसका साधारण परिस्थितियां में इन नियमों की किसी अपेक्षा में कि किसी एक अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर जाना अपेक्षित हो छूट दे सकती।

परन्तु जब तक ऐसा पात ऐसी अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता जो केन्द्रीय सरकार की राय में उस समुद्र यात्रा के लिये पर्याप्त है जो इन पात के द्वारा की जानी है कोई भी छूट नहीं दी जायेगी।

(5) यदि किसी पोत का, इन नियमों के अन्तर्गत विहित न्यूनतम लम्बाई की रक्षा नौका को वहन करना असाध्य और अत्युक्तिपूर्ण है तो केन्द्रीय सरकार उस पोत में उससे छोटी रक्षा नौका या नौका के बहन किये जाने की अनुज्ञा दे सकेगी।

(6) केन्द्रीय सरकार यदि उसका समाधान हो जाये कि ऐसे पोत की वशा में अपेक्षा का अनुपालन असाध्य या अत्युक्तिपूर्ण है तो वह या तो आत्यन्तिक रूप से या ऐसी शर्तों के अधीन जिन्हें वह ठीक समझे किसी पोत का जिसका पठान 26 मई 1965 में पूर्व रखा गया था इन नियमों की किसी अपेक्षा के लागू होने में छूट दे सकती।

पहली अनुसूची

[नियम 5(2), (3) और (8) (ग) (घ) 7(2) और (3) 8 (2) और 39(2) देखिये]

वर्ग II, IV और V के पोतों में व्यवस्था किये जाने वाले डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या और रक्षा नौकाओं की न्यूनतम घन धारिता का दर्शाते वाली सारणी —

पोत की रजिस्ट्रीकृत लम्बाई मीटर में	डेविट सेटों की न्यूनतम संख्या	समाधारण रूप में प्राधिकृत डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या	रक्षा नौकाओं की न्यूनतम घन धारिता मीटर में
37 मीटर तक	2	2	11
37 मीटर और उससे अधिक किन्तु 43 मीटर से कम	2	2	15
43 "	49	2	26
49 "	53 "	3	33
53 "	58 "	3	38
58 "	63 "	4	44

क	ख	ग
63	67	50
67	70	52
70 "	75	61
75 "	78	68
78	82	76
82	87	85
87	91	94
91	96	102

96 मी० और उससे ऊपर लेकिन

101 मी० से कम	3	6	110
101 "	107	9	122
107 "	113 "	9	135
113 "	119	10	146
119 "	125	10	157
125 "	133	12	171
133 "	140 "	12	185
140 "	149	14	202
149 "	159	14	221
159 "	169 "	16	238
169 "	177	16	—
177 "	187	18	—
187 "	196	18	—
196 "	205	20	—
205 "	214 "	20	—
214 "	223	22	—
223 "	232	22	—
232 "	241	24	—
241 "	251	24	—
251 "	261	26	—
261 "	271 "	26	—
271 "	283	28	—
283 "	293	28	—
293 "	304	30	—
304 "	315	30	—

दूसरी अनुसूची

(नियम 12 और 15 देखिये)

रक्षा नौकाओं के लिए सामान्य अपेक्षाएं

1 हर रक्षा नौका अतम्य कितारा में सन्निहित होगी

2 (क) अतम्य आवरण में लगी हुई किसी रक्षा नौका में आवरण भीतर और बाहर दोनों ओर में सरलता से खुलने में समर्थ होगा और रक्षा नौका के भीतर नौकावहन और अवरक्षण या अवरक्षण और आवरण में अवरुद्ध नहीं उत्पन्न होगा।

(ख) ऐसा आवरण जहां लगा होगा नियम 23 के उपनियम (1) के खड्ड (म) की अपेक्षाओं का अनुपालन करने हुए प्रतिगतीय किया जायेगा।

3 तख्ता में बनी हुई लकड़ी की रक्षा नौकाओं के सिवाय, हर एक रक्षा नौका, तृतीय अनुसूची के अनुसरण में अधिधारिता वत धारिता की 0.64 के अनुपम कम घनत्व गुणांक रखेगी,

4 हर रक्षा नौका ऐसे आकार और अनुपात की होगी कि जब वह व्यक्तियों की पूरी सख्या और उपस्कर में भारित हो तब जलगामी होने में प्रसृत स्थिरता और पर्याप्त कीबाई होगा।

5 हर रक्षा नौका इस प्रकार निर्माणित होगी कि जब वह खुद समुद्र में व्यक्तियों की पूरी सख्या और उपस्कर में भारित हो तब वह घनात्मक स्थिरता कायम रखने में समर्थ होगी।

6 (क) हर रक्षा नौका उभ प्रयोजन के लिए जिसके लिए वह आणवित है, समुचित रूप में गिनमित होगी और व्यक्तियों को पूरी सख्या और उपस्कर में भारित होने पर जल में सुरक्षित रूप में अवतमन किया जा सकने के लिए पर्याप्त साध्य की होगी।

(ख) वह ऐसे सामर्थ की होगी कि, यदि उस पर कम से कम 25 प्रतिशत अधिभार हो तो उसमें अवशिष्ट विशेष नहीं होगा।

7 कोई भी रक्षा नौका लम्बाई में 4.9 मीटर से कम तक व सिवाय कम नहीं होगी जब कि इन सिवाय इन नियमों में वर्णन नौका के विकल्प के रूप में एक रक्षा नौका की लम्बाई, छोटी अनुसूची के पैरा 3 व अनुसरण में यथा अधिधारिता वर्णन नौका की लम्बाई से कम नहीं होगी,

8 किसी भी रक्षा नौका का भार, जब वह व्यक्तियों का पूरी सख्या और उपस्कर में भारित हो तब 20.3 टोन में अधिक नहीं होगा।

9 हर रक्षा नौका में सभी आँखें लकड़ और बराल की सीट यथा साध्य नीचे लगी होगी और तलफलक लगे होंगे।

10 हर रक्षा नौका हमकी लम्बाई व कम से कम चार प्रतिशत के बराबर औसत उठान रखेगी और यह उठान आकार में लगभग परवलयिक होगी।

11 हर रक्षा नौका में आन्तरिक उत्पावन माधित्र लगे होंगे जिसमें वायुरुद्ध डिब्बे या उत्पावन पदार्थ होंगे, जिनपर तेल या तेल उत्पादा द्वारा प्रतिकूल प्रस्ताव नहीं पड़ेगा और जिनमें नौका पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

12 हर रक्षा नौका में आन्तरिक उत्पावन माधित्रों का कुल आयतन ऐसा होगा जो कम से कम उन आयतनों के योग के बराबर होगा—

(क) जो रक्षा नौका और उसके उपस्कर का उस समय जब वह रक्षा नौका जलप्लावित हो और उसमें समुद्र जल प्रविष्ट हो सकता हो, ऐसे प्लावित करने के लिए अपेक्षित है कि पानमध्य पैरज का ऊपरी सिरा जलमग्न न हो,

(ख) जो रक्षा नौका की धनधारिता के 10 प्रतिशत के बराबर हो।

13 उन रक्षा नौकाओं की दशा में जिसमें 100 या उससे अधिक व्यक्तियों के लिए स्थान होता है इस पर अनुसूची व पूर्ववर्ती पैरा 12 के खण्ड (ख) द्वारा उपेक्षित उत्पावन माधित्रों का आयतन निम्नलिखित प्रकार में बढ़ाया जायेगा—

(क) उन रक्षा नौकाओं में जिनमें 100 से लेकर 130 व्यक्तियों के लिए स्थान होता है उसी मात्रा में जो 100 व्यक्तियों पर गण्य और 130 व्यक्तियों पर रक्षा नौका की धनधारिता 1.5 प्रतिशत के बीच अवर्धन द्वारा निर्धारित हो।

(ख) उन रक्षा नौकाओं में जिनमें 130 से अधिक व्यक्तियों के लिए स्थान होता है, रक्षा नौका धनधारिता 1.5 प्रतिशत के बराबर की मात्रा द्वारा।

तीसरी अनुसूची

[नियम 13 (1) और 14 केखण्ड]

रक्षा नौकाओं को धनधारिता की गणना

1 इस अनुसूची के पैरा 4 के उपबन्धा व अध्वर्ती इन नियमों के प्रयोजनार्थ रक्षा नौका की धनधारिता वत मीटर में मापी जायेगी और स्टिलिंग के (गिम्पसन के) नियम द्वारा अधिधारित होगी जो निम्नलिखित सूत्र के अनुसार निर्धारित की जायेगी।

(क) धनधारिता $\frac{A \times B}{12}$ (A—लम्बाई—मी.) जहाँ A—माथ के शीर्ष पर खोल के भीतर में कुदाम व शीर्ष पर तन्मन्धरी बिन्दु तक मीटर में रक्षा नौका की लम्बाई दर्शित करना है, वर्गाकार दुम्बाल वाली रक्षा नौका की दशा में लम्बाई वृष्ट यन्त्र के शीर्ष के भीतर तक मापी जायेगी।

और 10 बी० सी० कमज वह अनुप्रस्थ काटों के उन क्षेत्रों को दर्शित करना है जो आगे में चतुर्थांश लम्बाई, पौतमस्य और पीछे से चतुर्थांश लम्बाई पर है, जो एल की चार बराबर भागों में विभक्त करने पर प्राप्त तीन स्थानों के बराबर (रक्षा नौका के दाहिने के तन्मन्धरी क्षेत्र उपेक्षणीय समझ जायेगे)।

(ख) ए० बी० सी० क्षेत्र तीन आड़ी कोटा में से प्रत्येक को निम्न लिखित सूत्र के अनुश्रमिक समायोजन द्वारा वर्ग मीटरों में दिया हुआ समझा जायेगा

क्षेत्र—एल (ए + 4 बी + 2 सी + 1 डी + 8) जहाँ एल खाल में

12

पठान में पैरज की सतह तक, या कुछ दिशाओं में, आगे चलकर यथा अधिधारित उससे नीचे की सतह तक मीटरों में मापी गई गहराई सूचित अधिधारिता उससे नीचे की सतह तक मीटरों में मापी गई गहराई सूचित करता है, और ए, बी, सी, डी, इ खाल के भीतर गहराई के ऊपरी और निचले बिन्दुओं पर और एल की चार बराबर भागों में विभक्त करने पर प्राप्त तीन बिन्दुओं पर मीटरों में मापी गई रक्षा नौका की क्षेत्रीय चौड़ाई सूचित करते हैं (सीमान्त बिन्दुओं पर ए और ड चौड़ाई है और सी, एल के मध्य बिन्दु पर है)।

(ग) वर्गाकार प्रोछन वाली रक्षा नौका की क्षमता नाकदार पीछल वाली रक्षा नौका की तरह मगणित होगी।

2 यदि रक्षा नौका के दाना छेरा से लम्बाई के चतुर्थांश पर स्थित दाहिने छेरा पर मापी हुई पैरज की उठान, नौका की लम्बाई व एल प्रतिशत पर मापी हुई पैरज की उठान, नौका की लम्बाई के एक प्रतिशत हो जाती है, तो ए सी आड़ी काट क्षेत्र के मगणन में नियात्रित गहराई पान मध्य गहराई में रक्षा नौका की लम्बाई के 1 प्रतिशत की जाँच कर समझी जायेगी।

3 यदि पान मध्य रक्षा नौका की गहराई चौड़ाई के पैतानीम प्रतिशत से बड़ जाती है तो पान मध्य आड़ी काट बी के क्षेत्र मगणन में नियात्रित गहराई, चौड़ाई के पैतानीम प्रतिशत के बराबर समझी जायेगी और ए और सी काटों की चतुर्थांश लम्बाई के क्षेत्र के मगणन में नियात्रित गहराई रक्षा नौका की लम्बाई के एक प्रतिशत के बराबर राशि द्वारा उग अंतिम अंक का वजन से प्राप्त की जानी है।

परन्तु किसी भी दशा में गणना में नियोजित गहराई, इन बिन्दुओं पर वास्तविक गहराई से अधिक नहीं होगी।

4 रक्षा नौका का स्वामी, जब तक यथावम माप द्वारा धन क्षमता के अवधारित होने की अपेक्षा नहीं करता है, यदि यह सूत्र इस अनुसूची के पैरा (1) में उपरिणित सूत्र द्वारा प्राप्त क्षमता से अधिक क्षमता नहीं प्रदान करता है तो लकड़ी के तख्ता से नमूनिमित रक्षा नौका की धन क्षमता 0.7 द्वारा गुणित लम्बाई, चौड़ाई और गहराई के उत्पादक होने की मानी हुई हो सकेगी। लम्बाई चौड़ाई और गहराई निम्नलिखित रीति से मानी जायेगी—

(क) लम्बाई—साथे के शीर्ष सहित फलकावरण के बाहर के कटान से कुदाम पर तलाम्बन्धी बिन्दु तक या वर्गाकार पीछल वाली रक्षा नौका की दशा में पुष्ट दन्त के शीर्ष के पीछे की ओर तक

(ख) चौड़ाई—फलकावरण के बाहर उम बिन्दु से जहा तक नौका की चौड़ाई सबसे अधिक हो।

(ग) गहराई—पौन मध्य फलकावरण के भीतर पठाम से परेज के शीर्ष की सतह तक लेकिन धन क्षमता गणन में प्रयुक्त गहराई किसी भी दशा में चौड़ाई के पैनालीस प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकेगा।

5. मोटर रक्षा नौका या अन्य नौधन साधन में लगी हुई रक्षा नौका की धन क्षमता, मोटर और इसके उपसाधनों या अन्य नौधन साधन के गियर बक्स और कोई उपस्कर जिससे रक्षा नौका नियम 25 के अनुपालन में उपबधित हो सकेगा उसके अध्यासित मात्रा के बराबर कुल क्षमता से कटौती करने पर प्राप्त होगी।

चौथी अनुसूची

[नियम 14 (क) देखिए]

मोटर रक्षा नौका की मशीनरी

1. इंजन ठंडे मौसम में सरलता से स्टार्ट होने और तापक्रम की पराकाष्ठा की दशाओं में विश्वसनीय रूप से चलने योग्य होगा।

2. (क) कम से कम 10 डिग्री नीति की दशाओं में इंजन समुचित रूप से प्रचालित होगा।

(ख) जहा चरण जलपम्प लगे हैं वहां वे स्व अप्रक्रमणाय शोरे।

3. (क) इंजन और उसके उप-साधन-जिनमें ईंधन टकी, पाइप और फिटिंग सम्मिलित है, समुद्र में प्रतिकूल भीमम के दौरान संभवतः उत्पन्न हो सकने वाले दशाओं में विश्वनीय प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त रूप से संरक्षित होंगे।

(ख) इसके अतिरिक्त, इंजन खाल अग्निराधी होगा और वायु शीतल डीजल इंजनों की दशा में इन प्रकार परिफलित होगा कि पीतन वायु का प्रदाय निबधित न हो।

4. सभी रक्षा नौकाओं में ईंधन के फैलने को रोकने के लिये साधनों की व्यवस्था होगी, लकड़ी की रक्षा नौका में इंजन के नीचे एक धातु ट्रे लगी हुई होगी।

5 (क) ईंधन टकी यथेष्ट रूप से सन्निमित उद्युक्त, स्थिति में मजबूती में लगी हुई होगी, उसके नीचे एक धातु तपनी शीर्षी तथा उद्युक्त भरण बाष्प निकास और रिमाइन व्यवस्थाओं में युक्त होगी।

(ख) टकी या उसके संयोजनों का कोई भी भाग या ईंधन पाइप या फिटिंग का कोई भी भाग अग्नि के लिये नरम टाकेपर निर्भर नहीं होगा और इम्पान में बनी टकियों समुद्र जलसे संभारण के विशद धातु पुद्धारण या समरूप साधनों द्वारा बाह्यतः संरक्षित होगी।

(ग) टकी और उसके संयोजन कम से कम 4.5 मीटर की ऊंचाई के तन्म द्रवदाब के सहन करने योग्य होंगे।

(घ) पाइप के प्रत्येक सिर पर एक कार्क लगा होगा।

6 इंजन और ईंधन टकी की जगह दक्षतापूर्वक संचालित होगी।

7 जहा रक्षा नौका ग व्यक्तियों का क्षति संरक्षित करना आवश्यक है वहा पीफिटिंग और अन्य गतिमान भागों को बाइड लगाई जायेगी।

पाचवी अनुसूची

(नियम 15 देखिए)

यन चालित रक्षा नौकाओं की मशीनरी

1. नौधन साधन इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि यह, कार्य के लिए शीघ्रता में और आसानी से नैयार किया जा सके और रक्षा नौका में व्यक्तियों के शीघ्र निरोहण में बाधा न करे।

2. यदि नौधन साधन कर चालित है तो यह उसके प्रयाग में अप्र-शिक्षित व्यक्तियों द्वारा प्रचालित होने योग्य होगा और रक्षा-नौका के प्लावित होने पर प्रचलित किये जाने योग्य होगा।

3. नौधन साधन को, विभिन्न कद के व्यक्तियों द्वारा चलाने योग्य होने के लिए समायोजन संरक्षित नहीं होगा और यह, भागतः या पूर्णतः भारित रक्षा नौका के नौधन में प्रभावी होगा।

4 (क) नौधन साधन यथेष्ट रूप से सन्निमित होगा और रक्षा नौका में दक्षतापूर्वक लगा होगा।

(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए, चालका के हाथ पीत की पराकाष्ठा की दशा में संरक्षित है, किसी भी प्रचलन टैन्डल का धातु वाला भाग लकड़ों से बिलत पदार्थ द्वारा उपयुक्त रूप से आच्छादित होगा।

5 नौधन साधन इतनी पर्याप्त शक्ति का होगा कि जब रक्षा नौका इन नियमों द्वारा अपेक्षित अपने उपस्कार और व्यक्तियों को उस पूरी मद्धा बराबर, जिसे वह वहन करने के योग्य है, विनाशित वजन में भारित हो, तक यह पीत जल में 100 मीटर दूरी तक रक्षा नौका को आगे की दिशा में 3.5 नाट की गति में नौधन हो सके।

6 नौधन साधन रक्षा नौका को आगे या पीछे नादित करने में समर्थ होगा और उसमें एक ऐसा साधन लगा होगा जिसके द्वारा किसी भी समय जब नौधन साधन प्रचालित हो तो मुक्तों रक्षा नौका का पीछे या आगे कर सकेगा।

छठवी अनुसूची

(नियम 16 देखिए)

1. हर एक वर्ग ग नौका यन्त्र किनारा में सन्निमित खुली नौका होगी।

2. नौका ऐसे आकार और अनुपात की होगी कि जब यह व्यक्तियों की सबसे अधिक मद्धा में, जिनके बैठने के लिए स्थान की व्यवस्था है, और अपने पूर्ण उपस्कार में भारित है तो जलसामी होने में प्रवृत्त स्थिरता और पर्याप्त फ्री बाइड रखेगी।

3 नौका की लम्बाई कम से कम —

- (क) उस पोत के लिए जिसकी लम्बाई 12 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 21 मीटर से कम है 4 3 मीटर होगी,
(ख) उस पोत के लिए जिसकी लम्बाई 24 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 35 मीटर से कम है 1 9 मीटर होगी,
(ग) उस पोत के लिए जिसकी लम्बाई 35 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 11 मीटर से कम है 5 2 मीटर होगी,
(घ) उस पोत के लिए जिसकी लम्बाई 11 मीटर या उससे अधिक है 5 5 मीटर होगी।

1 नौका में सभी तबने और बगल की मोटे यथा साध्य नीचे लगी होंगी और तब फव्वक लगे होंगे।

5 नौका बर्गाकार पोतल वाली होगी और कम से कम इसकी लम्बाई के पांच प्रतिशत के बराबर श्रोमन उभार रखेगी।

6 नौका में आन्तरिक उत्प्लावन साधित्र लगे होंगे या इस प्रकार रखे होंगे कि प्रतिकूल मौसम का दशाभ्रा में नौका के पूर्ण रूप में लदे हाने पर स्थिरता सुनिश्चित करे।

7 आन्तरिक उचावन साधित्र या तो वायु-स्ट्रिड डिब्बा जा 1675 ग्राम प्रति वर्गमीटर में अनुसूचना या मृदु धातु या अन्य समान यथोचित पदार्थ के होंगे।

8 लकड़ी की वर्ग ग नौका में आन्तरिक उत्प्लावन साधित्रों का कुल आयतन कम से कम नौका की धन धारिता के दशभाग प्रतिशत के बराबर होगी या तृतीय अनुसूची के पैरा 4 के अनुसार अवधारित किया जायेगा।

9 लकड़ी से भिन्न किसी पदार्थ की बनी वर्ग ग नौका की उत्पावकता उसी धन धारिता को लकड़ी का वर्ग ग नौका के लिए अपेक्षित उत्पावकता में अनुसूति होगी भी और आन्तरिक उत्प्लावन साधित्रों का आयतन नदनुसार बका दिया जायेगा।

10 व्यक्तियों की वह न्यूनतम संख्या जिसके बैठने की व्यवस्था की जायेगी धन मीटर में नौका की धन धारिता को 2 65 में गुणा करने पर प्राप्त सबसे बड़ा संख्या के बराबर होगी।

यातवी अनुसूची

(नियम 2(बे) और (3) 17 19 (2) और (3) और 27 (बे) और (छ) देखिए)

बचाव तरापा न लिए अपक्षा

भाग I

स्फोति याग्य बचाव तरापा

1 इस भाग के पैरा 2 के उपबन्धा के अधधीन हर एक स्फोति याग्य बचाव तरापा निम्नलिखित अपक्षाभ्रा के अनुसार होगा —

- (क) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निमित्त होगा कि जब यह पूर्ण रूप में स्फोति हो और सबसे ऊपरी श्वकन गतिन ग्लनमान हो तो यह जलगामी हान में स्थायी रहेगा
(ख) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निमित्त होगा कि यदि यह 18 मीटर की ऊँचाई से जल में गिराया जाये तो न तो बचाव तरापा न इसके उपस्कर क्षति ग्रस्त होगा
(ग) (1) बचाव तरापा के सन्निर्माण में उच्च दृश्यमान धन श्वकन सम्मिलित होगा या जब बचाव तरापा स्फोति हो तो स्वन स्थान पर सेट हो जायेगा

(2) श्वकन अनुकरण में क्षति के विरुद्ध अधिभागियों की रक्षा करने में समर्थ होगा, और, वर्षा का पानी इकट्ठा करने के लिए गाधनों की व्यवस्था की जायेगी,

(3) श्वकन के शीर्ष पर ऐसा लेम्प लगा होगा या समुद्र सक्रियित सेल में अपनी शक्ति प्राप्त करना हो और बचाव तरापा के अन्दर भी एक वैसा ही लेम्प लगा होगा।

(ध) (1) बचाव तरापा में कर्षक रग्गा लगा होगा और बाहर क चारा और मूलशानो रक्षा रस्मी लगी होगी।

(2) बचाव तरापा के अन्दर चारा और भी एक रक्षा रस्मी लगी होगी,

(र) बचाव तरापा यदि अधामुखी स्थिति में स्फोति होगा है तो एक व्यक्ति द्वारा सफलता में सौधा होने योग्य होगा,

(ख) बचाव तरापा में प्रत्येक मार्ग पर जल में के व्यक्तियों का छोड़े पर चढ़ने में समर्थ बनाने के लिए दक्ष साधन लगे होंगे,

(छ) (1) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निमित्त बमडे के धीले या अन्य आधान में रखा होगा या समुद्र में मिलने वाली दशाभ्रा में कठार टूट फूट सहन करने में समर्थ हो,

(2) बमडे के धीले या अन्य आधान में रखा हुआ बचाव तरापा सहज रूप से उत्पावक होगा।

(ज) बचाव तरापा की उत्पावकता इस प्रकार व्यवस्थित होगी जो, यदि बचाव तरापा क्षतिग्रस्त हो जाय या भागन स्फोति नहीं होती हो तो पृथक कक्षा के सम संख्या में विभाजन द्वारा, जिसका आधा, व्यक्तियों की संख्या को जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक है जल के बाहर सम्भालने में समर्थ होगा या अन्य समान रूप से दक्ष साधन द्वारा यह सुनिश्चित हो जाये कि उत्पावकता के लिए युक्तियुक्त गुणादश है।

(झ) बचाव तरापा, इसका बमडे के धीले या अन्य आधान और इसके उपस्कर का कुल भार 180 कि० ग्राम में अधिक नहीं होगा।

(ञ) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक संख्या जायेगा—

(1) स्फोति हान पर मुख्य उत्पावन ट्यूबा (जिसमें इस प्रयोजन के लिए न तो डाटे और न आड़े तबन यदि लगे हो तो, नहीं आते हैं) के धन डेमीमीटर में मापे हुए आयतन को 96 द्वारा विभाजित करने में प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण संख्या या

(2) स्थीत हान पर बचाव तरापा के फण (जिसमें इस प्रयोजन के लिए यदि लगे हो तो आड़े तबन या तबन भी सम्मिलित हैं) के वर्ग सेन्टीमीटर में मापे हुए क्षेत्रफल का 3720 द्वारा विभाजित करने में प्राप्त सबसे बड़ी संख्या इन दोनों में जो संख्या कम होगी उसका बराबर होगी।

(ट) बचाव तरापा का फर्श जलमह होगा और ठंडक से बचने के लिए पर्याप्त रूप में राक्ष होने पर समर्थ होगा या तो—

(1) एक या अधिक कक्ष जिसे अधिभागों यदि ऐसा चाहते हैं, तो स्फोति कर सकने हैं या जो स्वन स्थीत हो

जाता है और अधिभोगियों द्वारा जो अनुरोध किया जाता सकता है और पुनः स्वीकृत किया जा सकता है, या

(2) जो अन्य समान रूप से दक्ष माधनों द्वारा स्वीकृत होने पर निर्भर नहीं है,

(3) (1) बचाव तरापा ऐसी गैम से स्वीकृत किया जायेगा जो अधिभोगियों के लिए हानिकारक नहीं होगी और स्वीकृत या तो रस्सी के खींचने पर या किसी अन्य समानरूप में सरल और दक्ष पद्धति में स्वतः घटित होगी,

(2) ऐसी माधनों की व्यवस्था होगी कि जिससे, दक्षता बनाये रखने के लिए, हवा भरने पम्प या धाकनी प्रयुक्त किये जा सकें।

(4) बचाव तरापा यथाचित पदार्थ और सन्निर्माण का होगा, और इस प्रकार सन्निर्मित होगा जो सभी समुद्री दशाओं में निरता हुआ 10 दिन तक के खुले रहने के प्रभाव को सहन में समर्थ होगा,

(5) हर बचाव तरापा जो अवतरण साधित्र के साथ प्रयोग के लिये डिजाइन किया गया है, जिस प्रयोजन के लिए वह आणवित है उसके लिए समुचित रूप से सन्निर्मित होगा और व्यक्तियों की पूरी सहायता और उपस्कर में भारित होने पर जल में सुरक्षापूर्वक अवतरण होने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा,

(6) बचाव तरापा, इस पैरा (3) के अनुसार संगठित छा व्यक्तियों से अन्योन्य या पञ्चीन व्यक्तियों से अधिक की शक्ति धारिता रखेगा,

(7) बचाव तरापा, 66 अग्र सेन्टीग्रेड से लेकर 30 अग्र सेन्टीग्रेड के ताप परिसर में प्रचालन में समर्थ होगा।

(8) बचाव तरापा ऐसी व्यवस्थाओं से लगा होगा जो इसको सरलता से कणित होने में समर्थ बनाये।

(9) किसी पोत पर जिस पर सुरक्षा रेडियो उपस्कर की व्यवस्था की गई है वहन किये हुए हर एक बचाव तरापा में प्रभाव की स्थिति में ऐसे उपस्कर के एरियल का स्थान देने के लिए प्रक्रिया की व्यवस्था होगी

2. तबई में 21 मीटर से कम के वर्ग 4 और 5 के पोतों में और कुल 500 टन से कम के वर्ग के 8 के पोतों में इस भाग के पैरा 1 के उप-पैरा (ख), (ग) (ड), (घ) (न) और (घ) की अपेक्षाएँ निम्नलिखित रूप से उपभोगित हो सकेंगी —

(क) उक्त उप-पैरा (ख) में निर्दिष्ट 18 मीटर की ऊँचाई डैक की ऊँचाई के समतुल्य हो गयेगी जिस पर बचाव तरापा पात की निर्भर जल रेखा के ऊपर नौभारित हो, किन्तु किसी भी दशा में 6 मीटर से कम नहीं हो सकेंगी,

(ख) उक्त उप-पैरा (ग) में निर्दिष्ट वर्षा जल का इकट्ठा करने के लिए साधना की व्यवस्था करना अपेक्षित नहीं होगा,

(ग) उक्त पैरा (ड) में बचाव तरापा के फर्श पर यथानिर्दिष्ट ठोस के बिल्कुल राधन प्रणाली का पालन करना अपेक्षित नहीं होगा।

(घ) उक्त उप-पैरा (घ) द्वारा अपेक्षित बचाव तरापा की न्यूनतम छ व्यक्तियों की वहन धारिता और व्यक्तियों की हो सकेंगी

परन्तु ऐसे पोतों पर जिन के बोर्ड पर व्यक्तियों का कुल संख्या छ से कम है केषनक वही बचाव तरापा वहन किये जायेंगे जो छ व्यक्तियों से कम का स्थान देने के लिए ठीक समझे गये हैं,

(ड) उक्त उप-पैरा (न) में निर्दिष्ट 30 अग्र सेन्टीग्रेड का ताप श्रम—18 अग्र सेन्टीग्रेड हो सकेंगी

(ज) उक्त उप-पैरा (घ) में निर्दिष्ट नौभारण रस्सी के हतजामा की व्यवस्था करना अपेक्षित नहीं होगा।

भाग-II

अन्य बचाव तरापा

हर अन्य बचाव तरापा निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुसार होगा —

(क) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निर्मित होगा कि यदि यह इसके नौभारित होने की स्थिति में जल में गिराया जाये तो बचाव तरापा न इसके उपस्कर अनियन्त्रित हो,

(ख) कोई बचाव तरापा जो अवतरण साधित्र के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किया गया है, उस प्रयोजन के लिए जिसके लिये यह आणवित है समुचित रूप से सन्निर्मित होगा और व्यक्तियों की पूरी सहायता और उपस्कर में भारित होने पर जल में सुरक्षा पूर्वक अवतरण होने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा,

(ग) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निर्मित होगा जो इसके हवा बन्द टिश्ये या उ नावक पदार्थ इसके किनारे का यथा संभव तबईक रखे हो,

(घ) (1) बचाव तरापा का डैक क्षेत्र, बचाव तरापा के उस भाग में स्थित होगा जो इसके अधि-भोगियों का संरक्षण करता हो,

(2) डैक की प्रकृति ऐसी होगी जो यथा साध्य जल के प्रवेश का निवारित करे और यह जल के बाहर अधिभोगियों की प्रभावशाली रूप से सहायते,

(3) बचाव तरापा एक ठोस या उच्च दृश्यमान वर्ण की समतुल्य व्यवस्थाओं से लगा होगा जो, बचाव तरापा जिस प्रकार में भी तैर रहा हो क्षति से बचने के लिए अधिभोगियों के संरक्षण के समर्थ हो

(4) बचाव तरापा का उपस्कर इस प्रकार नौभारित होगा कि बचाव तरापा जिस प्रकार में भी तैर रहा हो सरलता से प्राप्त होगा।

(5) (1) यादी पोता में वहन किये हुए किसी बचाव तरापा और इसके उपस्कर का कुल भार 180 कि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।

(2) व्यापक पोता में वहन किये हुए बचाव तरापा यदि वे पोत के दाना और अवतारण हान में समर्थ है या यदि पोत के किसी और में इन्हें यत्र से जल में रखने के लिए साधन हो तो वे भार में 180 किलोग्राम से अधिक हो सकेंगे।

(ज) बचाव तरापा सभी समय, किसी तरह से तैरने पर प्रभावशाली और स्थिर होगा,

(झ) व्यक्तिता की वह सहाय जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा जायेगा —

(1) हवा बन्द डिब्बा के या उत्पादक पदार्थ के धन डेमीमीटर में मापे गये आयतन का 96 द्वारा विभाजन करण पर प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण सहाय, या

(2) वर्ग मीटीमीटर में मापे हुए बचाव तरापा के डैक क्षेत्रफल को 37.20 द्वारा विभाजन करने से प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण सहाय

इन दोनों में से जागहया कम होगी उसके बराबर होगी,

(ज) (1) बचाव तरापा एक सलगन कार्य रम्मा और बाहर के चारों तरफ सुरक्षा पर्वक क्षम वाली एक रक्षा रम्मी रखेगा

(2) बचाव तरापा के अन्दर भी चारों तरफ एक रक्षा रम्मी लगी होगी।

(ट) जल में के व्यक्तियों के पात पर चढ़ने में समर्थ बनाने के लिए बचाव तरापा के हर एक मार्ग पर दक्ष साधनों की व्यवस्था होगी,

(ठ) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निमित्त होगा कि तेल या तेल उत्पादों द्वारा प्रभावित न हो।

(ड) विद्युत बैटरी प्रकार की एक उत्पादन वाली बचाव तरापा से दूरी द्वारा सलगन होगी।

(ढ) बचाव तरापा सगलता में कर्षित होने में समर्थ बनाने वाली व्यवस्थाओं से लगा होगा।

(ण) बचाव तरापा इस प्रकार नौभारित होगा कि पोत डूबने की दशा में स्वतंत्र तौर पर सके।

(त) किसी पात पर जिस पर मृदा रेडियो उपकरण की व्यवस्था की गई है वहन किये हुए हर एक बचाव तरापा में प्रचालन की स्थिति में ऐसे उपकरण के एरियल का स्थान देने के लिए प्रबन्धों की व्यवस्था होगी।

आठवीं अनुसूची

(नियम 18 देखिए)

उत्पादन बेड़े के लिए अपेक्षाएं

1 (1) उत्पादन बेड़ा ऐसे सन्निर्माण का होगा कि यह पोत पर मौसम में अनावृत्त रहने पर और जल में रहने पर अपने आकार और विशेषताओं का प्रतिधारित करे,

(2) वह इस प्रकार सन्निमित्त होगा कि प्रयोग के पहले समायोजन की अपेक्षा न करे।

2 उत्पादन बेड़ा उस पोत परीक्षण को सहन करने में समर्थ होगा जिसकी ऊंचाई उम डैक की ऊंचाई के समतुल्य होगी जिस तरह पर यह पात की निर्भर जल रेखा के ऊपर रखा हुआ है, किन्तु किसी भी दशा में निम्नलिखित से कम नहीं होगी —

वर्ग 1 और वर्ग 3.3 के पोतों में वहन किया हुआ बेड़ा—18 मी०
वर्ग 4 के पोतों में वहन किया हुआ बेड़ा—6 मी०

3. (1) उत्पादन बेड़ा किसी तरफ से तैरने पर प्रभावशाली और स्थिर होगा,

(2) यह, बेड़े के ऊपरी तल के किसी भाग को डुबाये बिना किसी किनारे से प्रति मीटर दूरी पर 2.3 किलोग्राम (न्यूनतम 2.0 किलोग्राम के अन्वयधीन) एकड़ रस्मियों में अवलण जल में लटकाये हुए, लोहे का भार सहायने में समर्थ होगा।

4 (1) हवा बन्द डिब्बे या समतुल्य उत्पादकता, बेड़ किनारों पर यथा सम्भव नजदीक रखी होगी और ऐसी उत्पादकता स्फोति पर निर्भर नहीं होगी,

(2) उत्पादक पदार्थ तेल या तेल उत्पादों में प्रतिकूल रूप में प्रभावित नहीं होगा न ही यह उत्पादन बेड़े को प्रतिकूल रूप में प्रभावित करेगा।

5 (1) (i) बेड़े के चारों ओर एकड़ रस्मियों इस रीति में लगी होगी जो, व्यक्तियों की सहाय जिसे सम्भावने के लिए बेड़ा ठीक है उसके बराबर फंदों की सहाय की व्यवस्था हो,

(ii) प्रत्येक फंदा एक कार्क या हल्की लकड़ी या तिनोदा रखेगा, मागे होने पर फंदे की गहराई 15 मीटीमीटर से अत्यंत और 20 मीटीमीटर से अधिक होगी।

(2) (i) समग्र गहराई में 30 मीटीमीटर से अधिक के बेड़े पर एकड़ रस्मियों की दो कतारें लगी होगी जिसमें एक के लगाव का स्थान, हवा बन्द डिब्बे के शीर्ष के थोड़ा नीचे और दूसरे का हवा बन्द डिब्बे के तेल से थोड़ा ऊपर और हवा बन्द डिब्बे के किनारों के यथा साध्य हो।

(ii) समग्र गहराई में 30 मीटीमीटर या उससे कम के बेड़े पर एकड़ रस्मियों की एक कतार गहराई के मध्य की लाइन सलगन हो सकेगी।

(3) (i) एकड़ रस्मिया, परिधि में 5 मीटीमीटर से अत्यंत रस्में की होगी,

(ii) ये हाचे में के छिद्रों में स निकाल कर और चलने की निवारण करने के लिए अन्तर्प्रथित होने पर बेड़े में सलगन हो सकेंगे, या वे पिटवा लोहा या इस्पात स्थिरकों के द्वारा बेड़े में सलगन हो सकेंगे;

(iii) जो भी रीति अपनाई गई हो, संयोजना, एकड़ रस्मियों द्वारा बेड़े को उठाने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा।

6 उत्पादन बेड़ा, कर्पक रस्में में लगा होगा।

7 (1) उत्पादन बेड़ा, जब तक इसको हाथ में उठाए बिना अश्लोण होने में समर्थ बनाने के लिए उपयुक्त साधनों की व्यवस्था न हो, भार में 181 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा;

(2) यदि बेड़े का भार 136 कि० ग्रा० से अधिक है तो इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त हैन्डल या डण्डी लगी होगी;

8 वर्ग 1 के पोतों में वहन किया हुआ उत्पादन बेड़ा चौड़ाई में 106 मीटीमीटर से अत्यंत होगा।

नवी अनुसूची

(नियम 20 देखिए)

रक्षा बाया के लिए अपेक्षाएं

1. हर रक्षा बाया समतलता में गठित और सुरक्षा पर्वक डाट सगे हुए कार्क या अन्य समान रूप से दक्ष उत्पादक पदार्थ में सन्निमित्त होगा जो तेल या तेल उत्पादों से प्रतिकूल रूप में प्रभावित नहीं होगा और इससे लटकने हुए 14.5 कि० ग्रा० लोहे सहित कम से कम 2.4 घंटे तक अवलण जल में तैरने में समर्थ होगा।

2 प्लास्टिक या अन्य संश्लिष्ट योगिक में बना हुआ हर एक रक्षा बाया, समुद्री जल या तेल उत्पादों के सम्पर्क में या तापक्रम के परिवर्तन

के गन्तव्य या खुली समुद्र पानी में प्रयत्नमान जलवायु सभी परिवर्तनों में अपने उत्पादन वगैरह और स्थापित की प्रतिधारित करने में समर्थ होगा।

3. रक्षा बोया, दक्ष कार्ड शोधन कार्ड या किसी अन्य छुटे दानेदार पदार्थ में भरा हुआ नहीं होगा और इसकी उत्पादकता उम्र वायु कक्षा के ऊपर निर्भर नहीं होगी जिन्हें स्फोट किये जाने की अपेक्षा होती है।

1 (1) रक्षा बोया की भीतरी व्यास 15 से० मी० और बाहरी व्यास 76 से० मीटर होगा;

(2) काट का दीर्घ अक्ष 15 से० मीटर होगा,

(3) काट का लघुअक्ष 10 से० मीटर होगा

5 हर रक्षा बोया उच्च दृश्यमान वर्ग का होगा।

6 (1) हर रक्षा बोया, उस पौत के जिसमें यह बहन किया जाता है नाम और रजिस्ट्री प्लान में स्पष्ट अक्षरों में चिह्नित होगा।

(2) कार्ड में निम्न पदार्थ में सन्निमित्त रक्षा बोया, उस उत्पाद के लिए विनिर्माता के व्यापार नाम में स्थायी रूप से चिह्नित होगा।

7 हर रक्षा बोये में एक ड रस्सियां लगी होंगी जो अच्छी न्यायिटी के त इन्हें योग्य रस्में की होंगी और प्रत्येक 70 से० मी० से अन्यून रस्मी के चार फंदे की व्यवस्था करने हुए चार समदूरस्थ स्थानों पर अच्छी तरह बन्धी होंगी।

8 तब निर्मित होने पर रक्षा बोये का भार 6.1 कि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।

दसवीं अनुसूची

[नियम 4(12), 5(15), 6(11), 7(15), 8(10), 9(12), और 11(9) देखिये]

रक्षा जाकेटों के लिए अपेक्षाएं

भाग-I

1. इस भाग के पैरा 7 के उपबंधों के अध्वधीन किसी वयस्क व्यक्ति द्वारा प्रयोग के लिये हर रक्षा जाकेट इस प्रकार पर्याप्त उत्पादकता होगी कि इसे इस भाग के पैरा 3 के खंड (ख) की अपेक्षाओं का समाधान करने के लिए समर्थ बनाये।

स्पष्टीकरण—इस भाग के प्रयोजन के लिए 30 कि० ग्रा० या उससे अधिक भार वाला हर एक व्यक्ति, वयस्क समझा जायेगा।

2. हर ऐसी रक्षा जाकेट, दोनो ओर, आकार में 1.27 से० मी० के अन्यून में वयस्को के लिए, शब्दों से ओर केवल एक ओर बनाने वाले के नाम या अन्य पहचान चिह्न में अमिट रूप से चिह्नित होगी।

3. हर एक ऐसा रक्षा जाकेट निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसार होगा—

(क) यह इस प्रकार सन्निमित्त होगा कि गलती से रखे जाने के सभी जोखिम यथा संभव विलुप्त हो जाए और यह उल्टी भी पहनी जा सकेगी।

(ख) (i) यह किसी श्रान्त या अश्वेत व्यक्ति के मुख को जल से बाहर उठाते और शरीर की बाह्य स्थिति से इसे पीछे की ओर झुके होने के साथ जल के बाह्य सुरक्षापूर्वक धारण करने में समर्थ होगी,

(ii) यह शरीर के अधोभर में इसके पीछे की ओर झुके होने के साथ शरीर का जल में किसी स्थिति में सुरक्षित तैरने की स्थिति में घुमाने में समर्थ होगी।

(iii) ऐसे रक्षा जाकेट के उत्पादकता जिसमें पूर्ववर्ती कार्य को व्यवस्था करना अपेक्षित है जलकण जल में 2। घंटे के निमज्जन के पश्चात् पाव प्रतिणत से अधिक का नहीं होगी।

(ग) यह नेल या नेल उत्पादों द्वारा प्रतिक्रम रूप में प्रभावित नहीं होगी।

(घ) यह उच्च दृश्यमान वर्गों की होगी।

(ङ) बचाव को सुगम बनाने के लिए यह एक छत्ता या फंदा या पर्याप्त मजबूती के उम्मी प्रकार के माधन में लगा होगा।

(च) यह कम अव्यवशील पदार्थों का बना होगा और कपड़े जिसमें यह ढका हुआ है तथा इसके फोने विगलन गयी होंगे।

(छ) यह डोरी मजबूती से संलग्न अनुमादिन मोटी से लगी होगी।

(ज) (i) इसमें बन्ध फोने होंगे जो रक्षा जाकेट कमर में मजबूती से बंधे होंगे और 91 कि० ग्रा० भार उठाने में समर्थ होंगे

(ii) फोनों की बांधने की गैसी ऐसी होगी कि आसानी से समझी जाये और सरलता से कार्यान्वित होने में समर्थ हों ;

(iii) धातु बन्ध जब प्रयुक्त हों तब ये बन्ध फोने में अनुकूल आकार और मजबूती के होंगे और संरक्षण प्रतिरोधी सामग्री के होंगे।

(iv) जल में, इसकी पहनने वाला बिना क्षति के और रक्षा जाकेट के उतारे बिना 6.1 मीटर की उच्चतम दूरी कूद सकेगा ;

4. ऐसे हर रक्षा जाकेट की उत्पादकता सेमल की रूई या अन्य समान रूप में प्रभावशाली उत्पादन सामग्री द्वारा व्यवस्थित होगी।

5. ऐसा हर सेमल रूई वाला रक्षा जाकेट, इस भाग के पैरा 1 से 4 तक की अपेक्षाओं के अनुसार होने के अनिवार्य निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसार होगा—

(क) इसमें 1 कि० ग्रा० से अन्यून सेमल की रूई होगी,

(ख) सेमल-रूई अच्छी प्लवन किस्म की, सभी प्रकार धुन की हुई, समतलता से पैक की गई और बीज तथा उस विजातीय पदार्थ से मुक्त होगी।

(ग) सेमल रूई, नेल या नेल उत्पादों के प्रभाव में इस प्रकार संरक्षित होगी कि 48 घंटे की कालावधि के लिए 4 मिली-मीटर से अन्यून गहराई कि गैस सेल मिश्रण वाले विशुद्ध जल में तैरने के पश्चात् रक्षा जाकेट में उत्पादकता की हानि प्रारंभिक उत्पादकता से 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी और इस परीक्षण के प्रयोजन के लिए रक्षा जाकेट इसके प्रारंभिक उत्पादकता के आधे के बराबर भार में भारित होगी।

(घ) (i) आच्छादन पूर्व अंकुचित सूती सामग्री का होगा जिसका करघे की स्थिति में प्रति मीटर भार 0.68 मीटर चौड़ाई के लिए 170 ग्राम से अन्यून और अन्य चौड़ाई के लिए इसी अनुपात में होगा ;

(ii) कपड़ा, गाड़ी या अन्य विजातीय पदार्थ के मिलावट से मुक्त होगी ;

(iii) कण्ठे की स्थिति में तारे प्रति 25 मि० दोहरे तारे के 44 तारे और दोहरे तारे के 31 तारे होंगे।

(iv) मिलाई 25 के नम्बर वाली बढ़िया बिटमोर डोरी की क्वालिटी से अन्यून के बिलेन तारे से होगी।

6 ऐसी हर रक्षा जाकेट जिसमें सेमल रूई से भिन्न उत्प्लावन सामग्री प्रयोग की जाती है, इस भाग के पैरा 1 से 4 और पैरा 5 के खंड (घ) की अपेक्षाओं के अनुसार होने के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसार होगी —

(क) (i) सामग्री प्रति घन मीटर 192.5 कि० ग्रा० से अधिक भार की नहीं होगी और अच्छी क्वालिटी की एव साफ होगी,

(ii) यदि सामग्री टुकड़ा में है तो हर एक टुकड़े का आकार तब तक ऐसे टुकड़े तब के रूप में नहीं है और अनुमोदित सामग्री के सख्त बंधे हुए नहीं है, 104 घन से० मी० से अन्यून होगी;

(ख) सामग्री रासायनिक रूप में स्थिर होगी।

7 हर रक्षा जाकेट जिसकी उत्प्लावकता रफ़ीन पर निर्भर करती है जो तेल पाता में भिन्न जगें VI और VII के पोतों के कर्मादल के सदस्यों द्वारा प्रयोग के लिए बहन किया जा सकेगा, यह इस भाग के पैरा (3) की अपेक्षाओं के अनुसार होगा और इनके अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसार होगा —

(क) निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार के दो पृथक उत्प्लावन कक्ष होंगे —

(i) कम से कम 9 कि० ग्रा० के बराबर अन्तर्निहित उत्प्लावकता का एक कक्ष और कम से कम 6.8 कि० ग्रा० का एक वायु कक्ष; या

(ii) दो पृथक वायु कक्ष जिनमें से प्रत्येक कम से कम 9.4 कि० ग्रा० उत्प्लावकता का हो,

(ख) यह दोनों ओर आकार में 25 मि० मी० से अन्यून के अक्षरों से 'केवल कर्मादल' शब्दों में और एक ओर केवल छोटे अक्षरों में बनाने वाले के नाम या अन्य पहचान चिह्न से अमिट रूप से चिह्नित होगी;

(ग) यह यंत्र और मुह दोनों से स्फीत होने में समर्थ होगा।

भाग II

1. बालक द्वारा प्रयोग के लिये हर रक्षा जाकेट में इस प्रकार प्रयोजित उत्प्लावकता की व्यवस्था होगी कि यह भाग 1 और पैरा 3 के खंड (ख) की अपेक्षाओं का समाधान करे।

स्पष्टीकरण—इस भाग के प्रयोजन के लिए 30 किलोग्राम से कम भार वाला हर व्यक्ति बालक समझा जायेगा।

2. ऐसा हर रक्षा जाकेट दोनों ओर आकार में 12.7 मि० मी० से अन्यून के अक्षरों में "बालक के लिए" शब्दों से और एक ओर केवल बनाने वाले का नाम या अन्य पहचान चिह्न से अमिट रूप से चिह्नित होगी।

3. ऐसी हर रक्षा जाकेट भाग 1 के पैरा 3 और 4 की अपेक्षाओं के अनुसार होगी।

4. ऐसी हर सेमल-रूई वाली रक्षा जाकेट में 425 ग्राम में अन्यून सेमल रूई होगी और इस भाग के पैरा 1 से 3 की अपेक्षाओं के अनुसार होने के अतिरिक्त भाग 1 के पैरा 5 के खंड (ख) (ग) और (घ) की अपेक्षाओं के अनुसार होगी।

5. सेमल रूई से भिन्न उत्प्लावन सामग्री प्रयोग करने वाली ऐसी हर रक्षा जाकेट इस भाग के पैरा 1 से 3 की अपेक्षाओं के अनुसार होने के अतिरिक्त भाग 1 के पैरा (5) के खंड (घ) और पैरा 6 के उप-पैरा (क) और (ख) के अनुसार होगी।

ग्यारहवीं अनुसूची

(नियम 22 देखिए)

रस्सी प्रक्षेपण साधनों के लिए अपेक्षाएं

1. हर रस्सी प्रक्षेपण साधन में 4 राकेट और 4 रस्सी, प्रत्येक रस्सी परिधि में 12.7 मिली मीटर और यथोचित लंबाई की होगी जिसकी मजबूत बिकुनी 114 कि० ग्राम से अन्यून हो, सम्मिलित होगा।

2. हर रस्सी प्रक्षेपण साधन ऐसी रीति में रस्सी प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा कि फायर करने की दिशा के प्रत्येक ओर रस्सी का पार्श्विक विशेष राकेट की उड़ान के दम प्रतिफल में अधिक न होता हो।

3. रस्मिया और राकेट उनके प्रज्वलित करने के साधनों के साथ जलरोधी डिब्बे में रखे जायेंगे।

4. लंबाई में 41 मीटर या उससे अधिक के पोतों में बहन किया हुआ हर रस्सी प्रक्षेपण साधन परिधि में 12.7 मिलीमीटर की रस्सी को शान्त मौसम में 230 मीटर की न्यूनतम दूरी तक प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा।

5. लंबाई में 44 मीटर या उससे अधिक के पोतों में बहन किया हुआ हर रस्सी प्रक्षेपण साधन, परिधि में 12.7 मिलीमीटर की रस्सी को शान्त मौसम में 123 मीटर की न्यूनतम दूरी तक प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा।

6. (i) राकेटों के सभी सचटक, रचना और अवयव और उनको प्रज्वलित करने के साधन ऐसे स्वरूप और ऐसी क्वालिटी के होंगे कि कम के कम दो वर्ष की कालावधि तक अच्छी औरत भण्डारकरण वशाओं के अन्तर्गत उनकी उपयोगिता प्रतिधारित करने में उन्हें समर्थ बनायें।

(ii) जिस तारीख को राकेट भरा गया हो वह राकेट और उसके आधार पर अमिट रूप से स्टाम्पित होगी और पैक करने की तारीख कारतूस आधार पर तत्समरूप से स्टाम्पित होगी।

बारहवीं अनुसूची

[नियम 23 (1) (अ), (ट), (ड), (ण), (न) और (प) और 27 (1) (ग), (ड) और (ड) देखिए]

रक्षा नौकाओं, मोकाओं और बहाल तराफों के उपस्कर के विनिर्देश

भाग-1

रक्षा नौकाओं के लिए कम्पास

1 (i) हर कम्पास द्रव प्रकार का होगा।

(ii) प्रयुक्त द्रव, औद्योगिक मैथिलित लिफ्ट और जल का मिश्रण होगा, जिसका विशिष्ट घनत्व 15.5 ग्रंश से० पर 0.93 होगा।

यह -23.5 ग्रंश सेन्टीग्रेड से +49 ग्रंश सेन्टीग्रेड के ताप पर प्रभाव-शाली रूप से कार्य करेगा।

2. (i) शुष्कक प्रभूत-दैनिक बन करेगा।

(ii) लगभग 15.5 ग्रंश से० तापक्रम पर 40 ग्रंश के विषेय के पश्चात् 18 से 22 सेन्टीग्रेड तक की कालावधि, इस अपेक्षा के अनुसार समझी जायेगी। इस पैरा के प्रयोजनों के लिए "कालावधि" वह समय है जो 40 विषेय के पश्चात् काई के पूर्ण दोहन में, उसकी विश्राम स्थिति से हो कर एक पेग और उस दिशा में जिससे यह मूलतः विक्षेपित हुआ था फिर से वापिस लौट कर अपने पेग को पूरा करने में, लगता है।

3 -23.5 ग्रंश सेन्टीग्रेड से +49 ग्रंश सेन्टीग्रेड के रेंज में काई मिस्टम, 4 और 10 ग्राम के बीच भार सहित, कम्पास द्रव में निमज्जित होने पर धुराग्र पर स्थिर रहेगा।

4 (i) काई, व्यास में 10 सेटी मीटर से अन्यून होगा और कम्पास कटोरा से उसकी दूरी कम से कम 7 मिलीमीटर होगी।

(ii) यह ग्रैड बिन्दुओं पर चिह्नित होगी और ग्राट मुख्य बिन्दु स्पष्टता से चिह्नित होंगे। काई दीप्त होगा या प्रदीप्ति के यथोचित साधन उसमें लगे होंगे।

5 काई का केन्द्र सीलम या समान रूप में यथोचित कठोर सामग्री का होगा।

6. काई का धुराग्र इरीडियम या गमान रूप में यथोचित कठोर सामग्री का होगा।

7. द्रव के प्रसार और सकुचन के लिए किये गये प्रबन्ध ऐसे होंगे कम्पास को, लोक, धूलबूँदों के निर्माण या अन्य दोषों के बिना -23.5 ग्रंश सेन्टीग्रेड से -19 सेन्टीग्रेड तक के ताप रेंज को सहन कर सके।

8 (i) कम्पास कटोरा उन जिम्बलों में पर्याप्त रूप से तोला हुआ और समुचित रूप से रखा होगा जो पोल के आगे-पीछे और बाई-बाई की ओर कार्य कर सकेगा।

(ii) जिम्बल लगाना उसी क्षैतिज समतल में होगा जिसमें काई के निम्बल का बिन्दु और बाहरी जिम्बल पिने आगे पीछे रखी होगी।

(iii) कम्पास कटोरा, बिनैकल, या अचुम्बकीय सामग्री के बक्सा में रखा होगा और लबर लाइन या बिन्दु दीप्त होगा या प्रदीप्ति के यथोचित साधन उसमें लगे होंगे।

(iv) जब कम्पास कटोरा 10 ग्रंश तन हो तो काई सिस्टम मुक्त रहेगा।

9. (i) काई के केन्द्र में लबर लाइन या बिन्दु की दिशा उसी उच्चाधिकार स्थान में रहेगी जिसमें बाहरी जिम्बल अक्ष या अन्य आगे पीछे दत्त रेखा है।

(ii) काई, धुराग्र दैनिक और अन्य तन्मम क्षुद्रिया और लबर के बिन्दु के क्षुद्रिपूर्ण स्थित होने का सकलित प्रभाव ऐसा होगा कि पृथ्वी के अविभूत क्षेत्र में लबर बिन्दु के सामने काई पर पड़ी गई दिशा में, बाहरी जिम्बल अक्ष की चुम्बकीय दिशा या आगे पीछे दत्त रेखा से पश्चात-वर्ती की किसी दिशा के लिए 3 ग्रंश से अधिक अन्तर नहीं होगा।

10 (i) कम्पास के सन्निर्माण में प्रयुक्त धातु की न्यूनतम मोटाई निम्नलिखित होगी—

कम्पास कटोरा	2.1 एम डब्ल्यू जी
कम्पास बक्सा (बिभेकल)	2.4 एम डब्ल्यू जी
दीप	2.4 एम डब्ल्यू जी

(iii) (क) कम्पास कटोरा जिम्बल पिने को लेने के लिए दक्ष क्षेत्र में मजबूत किया जायेगा।

(ख) विनैकला आधार रिंग में स्वीग या स्पन किया जायेगा और आरों तरफ टाका लगा होगा।

(iii) (क) जिम्बल पट्टिया, जहाजी पीतल की या अन्य 16 मि० मी० × 3.1 मि० मी० अत्यन्त अचुम्बकीय धातु की होगी।

(ख) जिम्बल पिने, जहाजी पीतल की या अन्य कठोर अचुम्बकीय सामग्री की 6.2 मि० मी० व्यास की होगी, वे और बियरिंग जिसमें वे लगे हैं दोनों ही पूर्णरूप से चिकनी होंगी।

11 कम्पास कटोरा के अन्दर का प्लास्ट स्फोटन का कोई चिह्न नहीं दर्शित करेगा।

12 सामग्री और कारीगरी आद्योपान अच्छी होगी और कम्पास ऐसा होगा जो समुद्र में जाने की दशाओं के अन्तर्गत कार्यक्षम रहेगा।

13. कम्पास कटोरा बनाने वाले के नाम या अन्य पहचान चिह्न के उत्कीर्ण या स्टाम्पित होगा।

भाग II

रक्षा नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं से भिन्न नौकाओं के किरमिच लंगर—

1 हर एक किरमिच और वर्ग ग नौकाओं से भिन्न नौकाओं के अनुसार होगा—

(क) यह नम्बर 1 सर्वोत्तम सन किरमिच, या अन्य यथोचित सामग्री से सन्निहित होगा,

(ख) किरमिच भाग साथ-साथ मजबूती में मिला हुआ और जोड़ों पर 4.4 मि० मी० की पाल रस्सी में बंधा होगा, सब रस्से लंगर की साकर के रूप में बनाये जायेंगे और थिम्बल, मयोजन विंगों में डोरी से बांधे जायेंगे और रस्से पार्सल कंठ में रोक रस्सी के लिए लगाव बनाने के लिए बिस्तरित होंगे और डोरी से बांधे जाएंगे।

(ग) एक तीनपान, थिम्बल को लेने के लिए यथोचित आकार की एक शैकल द्वारा किरमिच लंगर से सलग्न होगा।

(घ) तीन पान की लंबाई, रक्षा नौका या नौका की लंबाई के तीन गुनी होगी।

(ङ) तीन पान में दो फैबम लबी एक रोक रस्सी की व्यवस्था की जायेगी।

2 (i) एक बूत्ताकार किरमिच लंगर, मुहवर एक जम्बेदार लोहे के हुक सहित लगा होगा।

(ii) किसी अन्य प्रकार का किरमिच लंगर, मुह के आरपार जम्बेदार प्रसारक साधन में लगा हुआ और ऊपरी किनारे पर एक ग्रंश प्रसारक साधन से लगा होगा।

3. किरमिच लंगरों का आकार निम्नलिखित होगा—

(क) 9 मीटर से अधिक लम्बी रक्षा नौकाओं के लिए अबूत्ताकार बन्द होने वाला किरमिच

नगर मुह 76 से० मी०, ऊपरी
किनारा 68 से० मी०,
नीचला किनारा 68 से०
मी० प्रत्येक ओर
मुह का क्षेत्रफल 50 वर्ग
डेसीमीटर

किरमिच थैले की लम्बाई . . . 1.37 मीटर
तीनपान परिधि में 76 मि० मि० ।
रोक रम्मी परिधि में 51 मि० मि० ।

(ख) उन रक्षा नौकाओं के लिए
जिनकी लम्बाई 9 मीटर से
अधिक नहीं है 7 मीटर लम्बी किन्तु 9
मीटर से अधिक लम्बी
नहीं ।

बुनाकार किरमिच लगर मुह व्यास 68 से० मी०,
अबुनाकार बन्द होने वाला ।
किरमिच मुह 61 से० मी० प्रत्येक ओर
किरमिच थैले की लम्बाई . . . 1.3 मीटर
तीनपान परिधि में 76 मि० मि० ।
रोक रम्मी परिधि में 51 मि० मि० ।

(ग) रक्षा नौकाएँ जो 6.7 मीटर से अधिक लम्बी नहीं हैं और
अन्य नौकाओं के लिए (वर्ग ग नौकाओं से भिन्न)
बुनाकार किरमिच लगर . . . प्रत्येक ओर मुह 61 से० मी० व्यास ।
अबुनाकार बन्द होने वाला किर-
मिच लगर मुह 55 से० मी० प्रत्येक ओर
किरमिच थैले की लम्बाई . . . 1 मीटर
तीनपान परिधि में 64 मि० मि० ।
रोक रम्मी परिधि में 38 मि० मि० ।

भाग—III

रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों के लिए सकट संकेत छतरी-
मणाल

1. (i) हर एक सकट संकेत छतरी-मणाल में एक बमकीड़ा वाला तारक होगा जो एक राकेट द्वारा अपेक्षित ऊँचाई तक प्रक्षिप्त किया जाता है और जो गिरने समय जलता है, इसके गिरने की दर एक छोटी छतरी द्वारा नियंत्रित होने पर 4.5 मी० प्रति सेकेण्ड औसत दर तक हो ।
- (ii) यह, प्रज्वलन के स्वतः पूर्ण माधनों से लगा होगा, जो इस प्रकार डिजाइन किया गया होगा कि बाहरी सहायता के बिना हस्त धारित स्थिति से प्रज्वलित हो सके और राकेट को रक्षा नौका, या बचाव तराफ से अधिभागियों को किसी हानि के बिना छोड़ने में समर्थ बनाये ।
2. (i) जब राकेट लगभग उध्वाधर फायर किया गया हो तो तारक और छतरी, 183 मीटर न्यूनतम ऊँचाई पर प्रक्षेप-पथ के शीर्ष पर या पहले उक्षिप्त होंगे ।
- (ii) राकेट समतल से 45 अंश के कोण पर फायर किये जाने पर भी कार्य करने में समर्थ होगा ।
3. (i) तारक, 30 सेकेण्ड में अन्यून के लिए 15,000 कैंडल शक्ति की न्यूनतम दीप्ति में जलेगा ।

(ii) यह, समुद्र तल से 46 मीटर से अन्यून ऊँचाई पर जल जायेगा ।

4. (i) छतरी ऐसे आकार की होगी जो जल में हुए तारक के गिरने की दर का अपेक्षित नियंत्रण कर सके ।

(ii) यह, तारक से, नम्य अग्नि सह कवच द्वारा सलग्न होगी ।

5. राकेट जलमग्न होगा और जल में एक मिनट तक निमज्जित रहने के पश्चात् समाधान प्रद रूप से कार्य करने में समर्थ होगा ।

6. सभी संघटक, संरचना और अवयव ऐसे स्वरूप के होंगे जो कम-से-कम दो वर्ष की कालावधि तक अच्छी औसत भंडारण दशाओं के अन्तर्गत इसका उपयोग प्रतिधारित करने में समर्थ बनाये ।

7. (i) राकेट ऐसे आधान में फँक किया होगा जो प्रभावशाली रूप से मुद्राबद होगा ।

(ii) यदि धातु का बना हो तो आधान अच्छा कलईदार और लेकर किया हुआ या संरक्षण के विशुद्ध अन्वेषण पर्याप्त रूप से संरक्षित होगा ।

8. वह जिस तारीख जिसका राकेट भरा गया है राकेट और आधान पर अमिट रूप से स्टाम्पित होगी ।

9. प्रयोग के लिए स्पष्ट और संक्षिप्त निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में राकेट पर अमिट रूप से मुद्रित होंगे ।

भाग—IV

रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों के लिये हस्त धारित सकट-मणाल

1. हर एक हस्तधारित सकट-मणाल, प्रज्वलन के स्वतः पूर्ण माधनों से लगी होगी जो इस प्रकार डिजाइन की गई होगी कि बाहरी सहायता के बिना हस्तधारित स्थिति से प्रज्वलित हो सके और मणाल को, रक्षा नौका, नौका या बचाव तराफ से अधिभागियों का हानि के बिना संप्रदर्शित होने में समर्थ बनाये ।

2. जहाँ मणाल, बचाव तराफों में बहन की गई है या इस प्रकार सन्निहित होगी कि जब मणाल फायर की जाय तो कोई दाहक पदार्थ जो बचाव तराफों का नुकसान करे मणाल में नहीं गिरेगा ।

3. मणाल 55 सेकेण्ड में अन्यून तक के लिये 15,000 कैंडल शक्ति की न्यूनतम दीप्ति के एक लाल प्रकाश उन्मज्जित करने में समर्थ होगी ।

4. मणाल जलमग्न होगी और एक मिनट तक जल में निमज्जित रहने के पश्चात् समाधानप्रद रूप से कार्य करने में समर्थ होगी ।

5. सभी संघटक, संरचना और अवयव ऐसे स्वरूप और ऐसी क्वालिटी के होंगे जो कि एक रूप से जल और मणाल को कम-से-कम दो वर्ष की कालावधि तक अच्छी औसत भंडारण दशाओं के अन्तर्गत इसका उपयोग प्रतिधारित करने में समर्थ बनाये ।

6. वह तारीख जिसको मणाल भरी गयी है अमिट रूप से स्टाम्पित होगी ।

7. प्रयोग के लिये स्पष्ट और संक्षिप्त निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में मणाल पर अमिट रूप से मुद्रित होंगे ।

भाग—V

रक्षा नौकाओं के लिये उत्पावन धूम्र संकेत

1. हर एक उत्पावन धूम्र संकेत में, प्रज्वलन के स्थान पूर्ण माधन लगे होंगे ।

2. संकेत, जल पर तैरने समय दो मिनट से अन्यून और चार मिनट से अधिक की कालावधि के घनी मात्रा में नरंगी रंग वाले धूम्र को उत्सर्जित करने में समर्थ होगा ।

3. संकेत जलसह होगा और एक मिनट तक जल में निमज्जित रहने के पश्चात् समाधान प्रद रूप से कार्य करने में समर्थ होगा ।

4. सभी सघटक, संरचना और अवयव ऐसे स्वरूप और ऐसी क्वालिटी के होंगे जो कि एक रूप से जले और संकेत को कम-से-कम दो वर्ष की कालावधि तक औसत भंडारकरण दशाओं के अन्तर्गत इसका उपयोग प्रतिधारित करने में समर्थ बनाये ।

5. वह तारीख जिसका संकेत भरा गया है अमिट रूप में स्टांपित होगी ।

6. प्रयोग के लिए स्पष्ट और सक्षिप्त निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में संकेत पर अमिट रूप से मुद्रित होंगे ।

भाग—VI

रक्षा नौकाओं के लिये प्राथमिक उपचार उपकरण-बक्स

1. रक्षा नौकाओं में हर एक प्राथमिक उपचार उपकरण बक्स की व्यवस्था होगी जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

वस्तु	मात्रा
(क) निपान शारीरिक शक्ति के ह्रास को नयी चेतना देने वाले (सुगन्धित अमोनिया के 6 कैप स्यूल)	1 टिन
(ख) योगिक कोशीन टिकियाए (टेब० फोडीन क०)	25 टिकियाए
(ग) स्क्रू टोरी वाले धातु पीपे में, प्रयोग के लिए निर्देश सहित, छ मारफीन एम्पूल मिरीज या तो मारफीन सखण जा 1 घन से० मी० से 1 घन नित्रेन मारफीन के समतुल्य हो या 1 घन से० मी० से 1 घन पेपाव-रेटम विलयन हो	1 पीपा
(घ) भानक ड्रेसिंग 14 नम्बर की मध्यम BPC 15 से० मी० × 10 से० मी०	2
(ङ) मानक ड्रेसिंग 15 नम्बर की बड़ी BPC 20 से० मी० × 16 से० मी०	2
(च) प्रत्यास्थ आसजक ड्रेसिंग 5 से० मी० × 8 से० मी० के तीन-तीन के पैकेट	2 पैकेट
(छ) 95 से० मी० चौड़ी 1.25 मीटर आधापर के अन्ध की, लिफाफे, निर्देशचित्र सहित, पट्टिया	5
(ज) संकेत, अत्रणापक, सपीडित जाली 85 से० मी० × 2 25 मीटर	3
(झ) सपीडित लपेट पट्टिया—5 6 से० मी० × 3 15 मीटर	1

वस्तु

मात्रा

(आ) अतिरंजित जिना धुमी पट्टी 15 से० मी० × 5.5 मीटर	1
(इ) सपीडित रुई ऊन 125 ग्राम का पैकेट	1 पैकेट
(उ) 5 से० मी० पीतल पट्टित, सुरक्षापत्र (बकसूत्रा)	6
(ड) कामल पैराफीन 30 ग्राम की ट्यूब	1
(ढ) मोल्बा रहित और जग रेश्मी इस्पात की 10 से० मी० की कची, जिसकी 1 धार तैत्र, 1 धार कुद हो	1
(ण) ऊर्जा-टिकिया (10 मि० आ० एम्फेटामिन सल्फेट)	60 टिकियाए
(त) मिलिका जेल	1 कैप्सूल
(थ) लिनेन या जलगह कागज पर मुद्रित अंग्रेजी या हिन्दी भाषा में निर्देश	2

2 प्राथमिक उपचार उपकरण बक्स, एक आधान में पैक किया जायेगा जो निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुसार होगा :—

- (क) यह टिकाऊ आर्दता सह और प्रमानशाली रूप में मुद्राबन्ध होगा । यह ऐसा युक्ति में मुद्रबद्ध किया हुआ होगा जो यह उपबशित करे कि अन्तर्वस्तुएं सुरक्षित है ।
- (ख) यह ऐसे कमरे में पैक किया जायेगा जिसमें यथासभव वायु संचलीय तमी निकाल दी गयी हो ।
- (ग) जहां आधान धातु का बना हुआ है, वहां यह अच्छा कणईदार और लैकर (प्रवाधारम) किया हुआ होगा और ठक्कन में हूडल लगा होगा ।
- (घ) अन्तर्वस्तुओं की मदवार सूची आधान के बाहर दी जायेगी ।

भाग—VII

रक्षा नौकाओं के लिये कर-चल पम्प

हर एक रक्षा नौका कर-चल पम्प निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुसार होगा :—

1. जब 1.2 मीटर की ऊंचाई से चूषण पर प्रति मिनट 60 डबल स्ट्रोक के अनधिक पर प्रचालित हो तो धारिता निम्नलिखित से अन्यून होगी :—

- (क) 7.3 मीटर या उससे अधिक लम्बी रक्षा नौकाओं में 32 लीटर प्रति मिनट, या
- (ख) 7.3 मीटर से कम लम्बी रक्षा नौकाओं में 23 लीटर प्रति मिनट ।

2. अपनी प्रसामान्य शुष्क स्थिति में (आन्तरिक ग्रीम या अन्य महायता का अपवर्जन कर के) पम्प, जब 1.2 मीटर से अन्यून की ऊंचाई से चूषण पर प्रचालित हो तो सरलता से अपक्रमणीय होगा ।

3. पम्प के सभी भाग गमूद जल में संक्षारक प्रभाव से त प्रभावित होने वाली सामग्री के होंगे ।

4. पम्प का अंतर्भाग, जिसमें बाल्व भी सम्मिलित है आघात सफाई के लिये सरलता से पहुँच योग्य होगा, और पहुँच के लिये

बकान, स्पेनर अन्य विशेष औजार के प्रयोग के बिना आगामी में हटाये जा सकने में समर्थ होगा।

5 पम्प शाखाएं कम-से-कम 32 मि० मी० आन्तरिक परिधि में रखर होज सवधनों के साथ प्रयोग के लिये यथोचित होगी। प्रचालन हैण्डल का धातु भाग, यह निश्चित करने के लिये कि जब पम्प अत्यधिक ठंडक में प्रयुक्त किया जाये तो चालक के हाथ सुरक्षित रहे, यथोचित रूप में लकड़ी में भित्त पदार्थ में प्राच्छादित होगा। स्पिंडल ब्लैन्ड, श्विंग भारित सील रिंग प्रकार का होगा।

भाग—VIII

1 इस भाग के पैरा 2 के उपबंधों के अध्वधीन, बंधाव तराफों में व्यवस्थित हर एक प्राथमिक उपाचार उपकरण बाकस में निम्नलिखित होंगे :—

वस्तु	मात्रा
(क) मानक ड्रैगिंग 14 तंबर की मध्यम 15 से० मी० × 10 से० मी०	4
(ख) मान ड्रैगिंग 15 तंबर की बड़ी BPC 20 से० मी० × 15 से० मी०	4
(ग) 95 से० मी० चौड़ी, 1.25 मीटर आधार से अत्युन्नत की, त्रिकोण, निदर्श निजमहिम पट्टिया	4
(घ) निवृत्त सभ्यित पट्टिया, 9 से० मी० × 3.5 मीटर	10
(ङ) तले या घाव की ऐन्टीमैटिक क्रॉम, गेट्रमाइड BPC 0.5 प्रतिशत W/W 50 ग्राम की ट्यूब	2
(च) मास्का रहित और जग रोधी इस्पात की 10 से० मी० की कैबी, जिगकी 1 धार नेज, 1 धार कुद हो	1
(छ) स्कू टायी तले धातु पीपे में, प्रयोग के लिये निर्देश सहित 8 मार्फीन एम्बुल-मिरीज जिनसे या तो मार्फीन लक्षण जो 1 घन से० मी० में 1 ग्राम निजम मार्फीन के समतुल्य या 1 घन से० मी० में 1/2 ग्राम पैपावरेडम BPC का विलयन हो	1 पापा

(ज) लिनेन या जलगह कागज पर मुद्रित अंग्रेजी भाषा में निर्देश।

2. 21.3 मीटर से कम लम्बाई के वर्ग VIII के पालो में हर एक रक्षा नौका में व्यवस्थित प्राथमिक उपचार उपकरण बाकस की अन्तर्वस्तु, इस भाग के पैरा 1 में सम्मिलित खंड (क) में (ङ) तक में त्रिनिदिष्ट मात्राओं की आधी तथा उक्त पैरा के खंड (ग) और (छ) में त्रिनिदिष्ट मात्रा सहित होगी।

3. प्राथमिक उपचार उपकरण बाकस एक आधान में पैक किया हुआ होगा जो टिकाऊ आग्नेय सह और प्रभावशाली रूप में मुद्रा बन्द किया हुआ होगा। अन्तर्वस्तुओं की मदवार सूची आधान के बाहर दी जायेगी।

तरङ्गरी अनुसूची

(नियम 29(9) देखिए)

डैविट और रक्षा नौका अवतरण साधन

भाग—I

साधारण

“कार्यकारी भार” की परिभाषा—इस अनुसूची में “कार्यकारी भार” पद में निम्नलिखित अभिप्रेत है :—

- (क) उन डेविटों के संबंध में जिनको भाग II के पैरा I का खंड (क) लागू होता है, रक्षा नौका इसके पूरे उपस्कर दराबी और रस्से, और व्यक्तिया, प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 कि० ग्रा० मापा जाय की अधिकतम संख्या जिसे वहन करने के लिये रक्षा नौका ठीक समझी गई है के भार का योग।
- (ख) उन डेविटों और अवतरण के अन्य साधनों के संबंध में जिनका भाग II के पैरा I का खंड (ख) या (ग) लागू होता है रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका इसके पूरे उपस्कर दराबी और रस्से और दो व्यक्तियों प्रत्येक व्यक्ति का वजन 75 कि० ग्रा० मापा जाय में मिलकर बने अवतरण कर्मीदल के भार का योग।
- (ग) बिन्दुओं के संबंध में अवतरण करने का उल्लिखित करने का नौमरित करने के दौरान बिन्दु पीपे पर रस्से या रस्सों से लगाया गया अधिकतम कर्षण जो किसी भी दशा में डेविट या डेविटों पर कार्यकारी भार को अवतरण करने वाली लकड़ी के वेग अनुपात द्वारा विभाजित करके निकाले गये से अत्युन्नत होगा।

भाग—II

समिश्रण

1. सामर्थ्य

- (क) रक्षा नौका में लगा हुआ हर एक डेविट जो इसके व्यक्तियों की पूरी संख्या में भारित होने पर नियम 29 के उप-नियम (1) द्वारा अपेक्षित जल में रखे जाने को है अपने बिन्दु रस्से दराबी और अन्य सभी सहयुक्त अवतरण साधनों सहित ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि इसके पूरे उपस्कर और दो व्यक्तियों से अत्युन्नत के अवतरण कर्मी से संयोजित रक्षा नौका अवतरित हो सके और जब पात 10 अंग की नति रखता है और किसी और 15 अंग झुका हुआ है तब व्यक्तियों की पूरी संख्या सहित नौगोहन स्थिति से सुरक्षा-पूर्वक जल में अवतरित हो सके।
- (ख) हर एक यंत्र नियंत्रित एंकर-भुज डेविट अपने बिन्दु रस्से दराबी और अन्य सभी सहयुक्त अवतरण साधन सहित ऐसी सामर्थ्य के होंगे और प्रचालन नियंत्र ऐसी शक्ति का होगा कि रक्षा नौका पूर्णरूप से उपस्करित और दो मदर्थों के अवतरण कर्मी से संयोजित होने पर अवतरित हो सके और पात के 25 अंग झुके होने से जल में सुरक्षापूर्वक अवतरित हो सके।
- (ग) उस डेविट में भिन्न जिनकी सामर्थ्य इस पैरा के खंड (क) और (ख) में त्रिनिदिष्ट है डेविटों का हर एक सेट, डेविट या अवतरण के अन्य साधन जिसे रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका संलग्न है अपने बिन्दु रस्से

दराबी और अन्य मृत्युकृत अवनमन माधनो मज्जित ऐसी सामर्थ्यी का होगा कि इसके पूर्ण उपस्कर और दो मदम्यों के अवतरण कर्मी से संयोजित रक्षा-नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका जल पोत 10 अंश की नति रखता है और किसी और 15 अंश झुका हुआ है तो अवतरण की जा सके और जल से सुरक्षापूर्वक अवतरण हो सके ।

(घ) डेविटो का हर एक सेट, डेविट या अवतरण के अन्य माधन जिसे रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका समरन है अपने बिच और सभी मृत्युकृत उत्तोलन गियर मज्जित ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि नौका अपने पूरे उपस्कर और कम से कम दो व्यक्तियों से भारित होने पर सुरक्षापूर्वक उत्तोलित हो सके और नीभरित हो सके और इसके अतिरिक्त आपात रक्षा नौका की दशा में अपने पूरे उपस्कर और 1016 कि० ग्रा० के वितरित भार में भारित होने पर प्रति मिनट 18 मीटर से अन्युत गति में यह सुरक्षापूर्वक जल में नीरोहण डेकर पर उत्तोलित हो सके ।

2 गुरुत्व डेविट —

(i) सभी गुरुत्व डेविट इस प्रकार डिजाइन किये जायेंगे कि जलयान के सीधे खड़े होने पर और उसके सीधे से किसी और 25 अंश तक या उसको सम्मिलित करने हुए झुके होने पर पोत के भीतर से उसके बाहर स्थिति तथा सपूर्ण डेविट की पूरी चाल के दौरान अवतरण की अनात्मक स्थिति हो ।

(ii) उन गुरुत्व प्रकार के डेविट जो रोमरो पर भुजा राक्षण से बने हैं और जो स्थायी रूप से झुकी हुई पटरी पर लगे हैं और चलते हैं कि दशा में पटरी जलयान के सीधे खड़े होने पर क्षैतिज से 30 अंश से न्यून कोण पर झुकी होगी ।

3 लॉफिंग डेविट—सभी लॉफिंग डेविटों के प्रचालन गियर यह सुनिश्चित करने के लिये पर्याप्त शक्ति के होंगे कि पूर्ण रूप से उपस्करित और अवतरण कर्मी संयोजित किन्तु जो अन्य व्यक्तियों से भारित नहीं है ऐसी रक्षा नौकाएँ से वर्ग ग नौकाएँ या अन्य नौकाएँ कम से कम 15 अंश के झुकाव के विरुद्ध अवतरित हो सकें ।

4 यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविट—किसी यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविट का कार्यकारी भार 15.1 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा ।

5 प्रतिबल

(क) यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविटों से भिन्न डेविटों की दशा में अधिकतम भार और नति तथा झुकाव की दशाओं के अन्तर्गत प्रचालित होने पर डेविट भुजाओं पर परिकल्पित प्रतिबल, प्रयुक्त सामग्री की क्वालिटी मज्जिमण की रीति और भार की वास्तविक प्रकृति जिसके अधीन डेविट है का दृष्टि में रखते हुये पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगा ।

(ख) यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविटों की दशा में अधिकतम भार और अनुकूल झुकाव की दशाओं में प्रचालित होने पर डेविट पर परिकल्पित प्रतिबल प्रयुक्त सामग्री की क्वालिटी मज्जिमण की और भार की वास्तविक प्रकृति जिसके अधीन डेविट है का दृष्टि में रखते हुये पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगा ।

6 स्थापित भार परीक्षण —प्रत्येक डेविट अपनी भुजा सहित सीमा से पूर्ण रूप से बाहर होने पर भुजा के द्वारा सभाले गये कार्यकारी भार

क उस से भाग 2.2 गुना से अन्युत के स्थितिक भार परीक्षण का सहन में समर्थ होगा ।

7 डेविट शीर्ष पर संयोजन—डेविट के शीर्ष पर संयोजन जिनसे दराबिया लटकी हुई हैं संयोजनों पर अधिकतम भार के 2-1/2 गुने से अन्युत के प्रमाण भार परीक्षण को सहने में समर्थ होगा ।

8 दराबिया

(क) (1) रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं या अन्य नौकाओं के उत्तोलन और अवतरण के प्रचालन में प्रयुक्त सभी दराबियाँ ऐसे डिजाइन की होंगी कि पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करें ।

(2) निचली दराबियाँ जब लगी हों तो उगमगाने वाली तन्नी हागी और आपात रक्षा नौकाओं की दशा में एकल होने से रस्सों को निवारित करने के लिये व्यवस्था होगी ।

(3) दराबी का आकार रस्से के आकार के समानुपातिक होगा ।

(ख) (1) धातु दाबी अधिकतम भार के 2-1/2 गुने से अन्युत जिसे वह सेवा में बहन करने के लिये आशासित है के प्रमाण भार परीक्षण को सहने में समर्थ होगी ।

(2) धातु दराबी चक्का और दराबी गल्ले के बीच जिसमें तार रस्से प्रयुक्त हैं पूरी न्यूनतम व्यावहारिक तक रखी जायगी जो किसी दराबी या अप्रचक्का के रिम के ऊपर चढ़ने से रस्सी को निवारित करेगी ।

(3) दराबियों के, उनकी चक्का से भिन्न सघटक भाग तन्य सामग्री के होंगे ।

(ग) एक लकड़ी की दराबी, दराबी पर के भार के 2 1/2 गुने से अन्युत के प्रमाण-भार को सहने में समर्थ होगी—गल्ला के बीच चौड़ाई, जब नया काटेंज परिधि में 9 6 से०मी० हों तब उसके व्यास में 12 7 मि०मि० अधिक होगी और रस्सी के उनसे छोटे होने पर उनकी परिधि के अनुपात में कम हागी ।

9 तार रस्से

(क) रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं या अन्य नौकाओं को अवतरण करने के लिये प्रयुक्त प्रत्येक तार रस्से का मजलतनन भार अवतरण करने उत्तोलन करने या नीभरन के समय रस्से पर अधिकतम भार के छ गुने से अन्युत होगा ।

(ख) तार रस्से बिच के पीपे से मजबूती से संलग्न होंगे और तारों के सिरे संयोजन और अन्य भाग जिनसे रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका लटकायी जानी है वे ऐसे संयोजनों और अन्य भागों पर के भार के 2-1/2 गुना से अन्युत प्रमाण-भार का सहने में समर्थ होंगे ।

(ग) जहाँ तार रस्सी पलान या जाड़ बूधी से बंधी अथवा अधिकपट्ट प्रयोग किये जाते हैं वे सेवा में उन पर रखी भार के 2 1/2 गुने से अन्युत के प्रमाण भार को सहन करने में तब तक समर्थ होंगे जब तक कि तार के प्रत्येक आकार के प्रतिनिधि नमूने जिस पर वे प्रयुक्त किये गये हैं जब वे नष्ट करने के लिए परीक्षित किये जायें, सुरक्षा का कम से कम 5 गुणांक दर्शित नहीं करेंगे ।

10. विच —

(क) (1) यंत्र नियंत्रित एकल भूज डेविटो से भिन्न डेविटो की दशा में विच पीपे, दोनों रस्सों को पृथक् रखने के लिये और उन्हें तत्सम दर से रस्सी को खींचा करने में समर्थ बनाने के लिए व्यवस्थित होंगे।

(2) तार रस्से की लपेटन ऐसी होगी कि वे पीपों पर समरूप से लपेटे जायें और अग्र दराजी खांचेदार पीपों के लिए पांच डिग्री और बिना खांचेदार पीपों के लिए तीन डिग्री से अनधिक अग्रता कोण बनाने के लिए, व्यवस्थित होगी।

(3) यंत्र नियंत्रित एकल भूज डेविटो की दशा में तार रस्से की लीड ऐसी होगी कि रस्सा पीने पर समरूप से लपेटा जाये।

(ख) (1) विच ब्रेक दुर्घ गतिमान का होगा और अवतमन करने की सत्रिया में पूर्ण नियंत्रण और गति को सीमित करेगा।

(2) हाथ ब्रेक इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि सामान्यतः यह 'जारी' स्थिति में हो और जब नियंत्रक हैडल प्रचलित नहीं हो रहा हो तो 'जारी' स्थिति को लौट आना हो।

(3) ब्रेक-लीवर पर भार, बिना अनिरीकन दाब के प्रभावशाली रूप से ब्रेक को चाल करने के लिए पर्याप्त होगा।

(4) यह सुनिश्चित करने के लिए कि रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका, सुरक्षा के अनुरूप अवतमन करने की दर को बिना बढ़ाये गतिमान से अवतमन की जाती है, तो ब्रेक गियर में अवतमन की गति को स्वतन्त्र नियंत्रित करने के लिए साधन सम्मिलित होंगे।

(5) इस प्रयोजन के लिए स्वचालित ब्रेक इस प्रकार सेट किया जायेगा कि रक्षा नौका को अवतमन गति 18 मीटर और 36 मीटर प्रति मिनट के बीच हो।

(6) रक्षा नौका विच के हाथ ब्रेक यंत्र रचना रैचेट गियर लगे होंगे।

(7) जहा साध्य हो ब्रेक साधन इस प्रकार स्थित होगा कि विच को प्रचालित करने वाले आदमी को, अवसीर्ण होने की संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका को संरक्षण में रखने में समर्थ बनाये परन्तु यह जब तक कि आपात रक्षा नौकाओं की सेवा में लगे विच किसी भी दशा में इस प्रकार रखे होंगे।

(ग) प्रत्येक विच, भाग 1 की मद (ग) में यथा परिभाषित कार्यकारी भार के 1.5 गुना परीक्षण भार का अवतमन करने और धारण करने में समर्थ होगा।

(घ) विच इस प्रकार सन्निहित होंगे कि ब्रेक हैडल रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अवतमन होने पर या इसके शक्ति से उत्पन्न होने पर, विच के भागों के गतिमान होने से, प्रत्यावर्तित न हों और रस्सों को हाथ से खोलने के लिए व्यवस्था होगी।

11. कार्डेज रस्से —

(1) कार्डेज रस्से, मनी मनीला या किसी अन्य उपयुक्त सामग्री के होंगे और टिकाऊ, न फूटने वाले बूढ़े रखे हुए और लचकदार होंगे।

(2) वे किसी भी दशा में रस्से के नियम आग से 1 से० मी० बड़े छिद्र से, मुक्त रूप से पास करने योग्य होंगे।

(3) रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अवतमन के लिए प्रयुक्त प्रत्येक रस्से का संजन-भार अवतमन करने या उत्थोलन करने समय रस्से पर के अधिकतम भार के 6 गुने से अन्यून होगा।

(6) रक्षा नौका रस्से के लिए, परिधि में 6.3 से०मी० से न्यून का रस्सा प्रयुक्त नहीं होगा। मनीमनीला रस्से के लिए लपेटन रीने या परत ब्रसे की व्यवस्था की जायेगी।

12. रक्षा स्तम्भ —

(1) उन सभी दशाओं में जहा कार्डेज रस्से प्रयुक्त किये गये हैं किसी रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अवतमन के लिए यथोचित रक्षा स्तम्भों या समान रूप से अन्य प्रभावशाली साधनों की व्यवस्था की जायेगी।

(2) ऐसे रक्षा स्तम्भ या अन्य साधन ऐसे स्थित होंगे कि जो यह सुनिश्चित करे कि उनमें उक्त रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका सुरक्षा पूर्वक अवतमन हो सके, और रस्सी मार्ग दर्शक या अग्र चरित्रा इस प्रकार लगी होगी कि जो यह सुनिश्चित करे कि यह अवतरण पैग की प्रक्रिया के दौरान उत्थापित नहीं होगी।

भाग 3

बोर्ड पर प्रतिष्ठापन के बाद परीक्षण

1. माधारण—यह सुनिश्चित करने के लिये परीक्षण किया जायेगा कि डेविटों के संलग्न सभी रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं अपेक्षित उपस्कर से पारित होने पर नौरोहण स्थिति से सुरक्षापूर्वक और सुगमतापूर्वक पुनः नौभारित की जा सकें, और इस प्रकार भारित होने पर रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका, जब अभिमुख हो तो विच, रस्से, दराजी और अन्य महयुक्त गियर के घर्षण प्रतिरोध के विरुद्ध जल में गुरुत्व अवतमन हो सकें।

2. अवतमन परीक्षण —

(क) डेविटों का प्रत्येक जोड़ा जिनको भाग 2 के पैरा (1) का खण्ड (क) लागू होता है और कोई महयुक्त रक्षा नौका विच और उनके ब्रेक निम्नलिखित परीक्षण सहने में समर्थ होंगे:—

डेविटों के प्रत्येक सैट में रक्षा नौका, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर से भारित, नौरोहण डेक से जल में अवतीर्ण होगी और व्यक्तियों की पूरी संख्या जिसे स्थान देने के लिए यह ठीक समझी गई है तथा 10 प्रतिशत कार्यकारी भार के बराबर वितरित भार, मौसम में खुले विच ब्रेक, गीने ब्रेक तल सहित पूर्ववर्ती परीक्षण सहन करने में समर्थ होंगे।

(ख) उन डेविटों की दशा में जिनको भाग 2 के पैरा (1) का खण्ड (ख) या खण्ड (ग) लागू होता है, रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीवल के भार तथा 10 प्रतिशत कार्यकारी भार बराबर वितरित भार सहित जल में अवतमन की जायेगी।

(ग) खंड (क) और (ख) के अन्तर्गत अपेक्षित परीक्षा के प्रयोजन के लिए एक व्यक्ति का भार 75 कि०ग्रा० माना जायेगा।

3. आपात रक्षा नौकाओं के लिए उत्पादन परीक्षण—आपात रक्षा नौकाएं, जिनमें उन नियमों द्वारा पुनः प्राप्ति के लिए विचार से मुक्त होने की अपेक्षा, के, इस भाग के पैरा 2 द्वारा प्रवेशित परीक्षणों के प्रतिरक्षण जल के नौराइज डैक टक, प्रतिरक्षण उद्धारण गति से, इन नियमों द्वारा प्रवेशित उपस्कर और 1016 कि०ग्रा० के वितरित भार में कुल दण प्रतिक्षण उत्पादन भार जाह कर, जिनमें दराबी और रस्में भी सम्मिलित हैं। उनके सहित आशा रक्षा नौका के उद्धारण द्वारा परीक्षण को जायेगी।

बीवहरी अनुसूची

(नियम 29, 16 (ग) देखिए)

रक्षा नौका को खोलने वाले साधन

1. रक्षा नौका को खोलने वाले साधन इस प्रकार व्यवस्थित होंगे जिससे रक्षा नौका के दोनों निरों की एक साथ निर्मुक्ति सुनिश्चित हो।

2. निर्मुक्ति सम्पन्न करने वाले साधन पीछे रखे होंगे।

3. साधन इस प्रकार का होगा जो रक्षा नौका की निर्मुक्ति, जब यह जल वाहित हो, करेगा।

4. साधन इस प्रकार का होगा जो, यदि धृष्टता या रस्में पर नौक-
रण तनाव हो तो निर्मुक्ति करे।

5. हुक, ऐसे यथोचित प्रकार के होंगे कि हाथ से तुरन्त खोले जा सकें।

6. हुक के दराबी की अनी, छल्ला या धृष्टता में लगाव स्थान उसके स्थान से नीचे नहीं होंगे जहां साधारण स्थायी हुक लगे हों।

7. साधन और निर्मुक्ति सम्पन्न करने के लिये यन्त्रायली इस प्रकार सम्मिलित और व्यवस्थित होगी जो बिना किसी सुरक्षा विन के रक्षा नौका की सुरक्षा निश्चित करे।

8. (क) (i) निर्मुक्ति सम्पन्न करने के लिये साधन, कर्षण द्वारा या रस्मी छोड़ने या उत्तोलक प्रयोग करने के द्वारा होंगे। यदि निर्मुक्ति रस्मी के कर्षण द्वारा सपन्न की जाती है तो रस्मी समुचित रूप से संतुलक में रखी होगी।

(ii) जब कभी, साधन की सुरक्षा के लिये या दक्षतापूर्ण कार्य के लिये या क्षति से व्यक्तियों के संरक्षण के लिये, आवश्यक हो तो हुकों के बीच और अन्य संयोजन भी संतुलक में रखे होंगे।

(ख) रस्मी मार्गदर्शक, रस्मियों को कुरना अथवा जाम होने से निवारित करने के लिये समुचित रूप से व्यवस्थित होंगे और रक्षा नौका के स्थायी भागों से मजबूती से मलन होंगे। जहां दक्षता के लिए आवश्यक है रस्मियों जंजीर से लगी होंगी।

9. साधन के ऐसे भाग, जिनके जंग या संक्षारण से अन्यथा जकड़ जाने की सम्भावना है अमक्षारणीय धातु के बने होंगे।

10. रक्षा नौका का भार उठाने वाले साधन का कोई भाग ढलवा धातु से नहीं बना होगा।

11. सभी भाग जो रक्षा नौका का भार सहायते हैं उनका घटक माप और अनुपात, सर्वाधिक भार वाली रक्षा नौका, जिसमें साधन का लगा होता आशयित है उगये भार के कम से कम $2\frac{1}{2}$ गुना भार के आनुपातिक संज्ञत सामर्थ्य की व्यवस्था करने के लिये डिजाइन किया जाएगा।

पन्द्रहवीं अनुसूची

(नियम 2 (अ) और 30 (2) (क) और (ख) देखिए)

बचाव तरापा अवतरण साधित्र

1. कार्यकारी भार की परिभाषा—इस अनुसूची में कार्यकारी भार पद में —

बचाव तरापा और इसके उपस्कर, सभी अन्य सहयुक्त गियर या अवतरण की सक्रियता के दौरान अवतरण साधित्र द्वारा सहायते गये हैं और व्यक्तियों, प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 कि०ग्रा० माना जाये कि अधिकतम संख्या जिसे वहन करने के लिये बचाव तरापा ठीक समझा गया है के भार का योग, अधिग्रहण है।

2. सामर्थ्य—हर एक बचाव तरापा अवतरण साधित्र और सभी सहयुक्त गियर या अवतरण सत्रिया के दौरान कार्यकारी भार या कार्य-
कारी भार के कारण अधिग्राहित कुल भार के अधिधीन है व ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि बचाव तरापा तब व्यक्तियों की पूरी सहायता और उपस्कर से भारित हो तो जब पोट 10 अंश नीति रखता है या किसी और 15 डिग्री झुका हुआ है तो सुरक्षापूर्वक अवतरण हो सके।

3. सत्रिमार्ग —

(i) हर एक बचाव तरापा अवतरण साधित्र का प्रत्येक भाग ऐसा होगा कि जब साधित्र, कार्यकारी भार और झुकाव तथा नति की अनुकूल दशाओं के अन्तर्गत प्रचालित है तो यह प्रयुक्त सामर्थ्य सत्रिमार्ग की रीति और इसके कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखते हुये सुरक्षा का पर्याप्त उपादान रखेगा।

(ii) अग्र चन्द्रिका और दराबी चन्द्रिका के सिवाय साधित्र सभी भाग और इसके सहयुक्त गियर जो कार्यकारी भार के अधि-
धीन है या जिस पर अवतरण की प्रक्रिया में संचित या बचाव तरापा की सुरक्षा निर्भर करती है व अन्य धातु से सम्मिलित होंगे और अग्र चन्द्रिका और दराबी चन्द्रिका, से भिन्न कोई भाग ढलवा धातु से तब तक सम्मिलित नहीं होगा जब तक केन्द्रीय सरकार इस प्रकार अनुज्ञा नहीं देती है।

4. स्थैतिक भार परीक्षण—हर एक बचाव तरापा अवतरण साधित्र, कार्यकारी भार के 22 गुना से अत्युत के स्थैतिक भार परीक्षण का सञ्चन करने में समर्थ होगा।

5. प्रचालन—

(क) हर एक बचाव तरापा अवतरण साधित्र इस प्रकार डिजाइन किया गया होगा कि इस पर व्यक्तियों की पूरी सहायता और उपस्कर से भारित होने पर बचाव तरापा जल में सुरक्षा पूर्वक अवतरण हो सके।

(ख) बचाव तरापा के अवतरण की गति, प्रतिमिनट 18 मीटर से अत्युत और प्रतिमिनट 36 मीटर से अधिक पर स्वतः नियंत्रित होगी और उसी समय बचाव तरापा का अवतरण प्रचालक के हस्त नियंत्रण होगा।

(ग) (i) अवतरण साधित्र का प्रचालन केवल हाथ के प्रयत्न या गुरुत्व से भिन्न साधनों के प्रयोग पर ही पूर्णतः निर्भर नहीं होगा।

(ii) हंतजाम ऐसा होगा कि बचाव तरापा गुरुत्व से अवतरण हो सके।

(घ) इनजाम ऐसा होगा कि जल बाहिन होने पर बचाव तरापा अवतरण साधित से स्वतः निर्मुक्त होगा और बचाव तरापों के बोर्ड पर व्यक्ति द्वारा बचाव तरापे की इस्त निर्मुक्ति के लिए व्यवस्था होगी।

(ङ) जब बचाव तरापा अवतरण साधित में बिच हो तो बिच तेरहवी अनुसूची के भाग II के पैरा 10 के अनुसार सन्निहित होगे।

6 अवतरण परीक्षण—जब बचाव तरापा इसके पूर्ण उपस्कर और व्यक्तिता की पूरी मख्या जिसे स्थान देने के लिए यह ठीक समझा गया हो उसमे जल में नौगठन स्थिति कार्यकारी भार के 10 प्रतिशत को जोड़कर उसके बराबर वितरित भार से भारित हो कर हर एक बचाव तरापा अवतरण साधित सबसे बड़े बचाव तरापे के अवतरण से परीक्षित किया जायेगा जिसके लिए यह आशयित है।

7 प्रचालन परीक्षण—(i) यह सुनिश्चित करने के लिये परीक्षण किया जायेगा कि अवतरण साधित से युक्त कोई बचाव तरापा जब केवल इसके उपस्कर से भारित हो तो जल में गुच्छ द्वारा अवनीर्ण हो सके।

(ii) यदि एक से अधिक बचाव तरापा किसी अवतरण साधित से अवनीर्ण किया जाये तो प्रभावगानो अनुक्रमिक अवतरण निर्देशित किया जायेगा।

मोलहरी अनुसूची

(नियम 37(1) दृष्टिग)

पात की सकट सकेत छतरी मथाल

1. हर एक पात की सकट छतरी मथाल एक चमकील ताल तारक से मिलकर अनेगी जो राकेट द्वारा अपेक्षित ऊँचाई से प्रक्षिप्त की जायेगी और जो गिरने समय जने इसके गिरने की दर प्रति सेकेंड 4.5 मीटर की औसत दर तक छतरी द्वारा नियंत्रित हो।

2 (i) जब राकेट लगभग उर्ध्वधरत फायर किया गया हो तो तारक और छतरी, 229 मीटर की न्यूनतम ऊँचाई पर प्रक्षेप पथ के शीर्ष पर या सामने उन्निहित होगे।

(ii) इसके अनतिरिक्त राकेट क्षितिज से 15 अण के कोण पर फायर किये जाने पर कार्य करने से सामर्थ्य होगा।

3 (i) तारक 40 सेकेंड से अन्यून के लिए 30 000 केन्डन शक्ति की न्यूनतम दीप्ति से जलेगा।

(ii) यह समुद्र तल से 46 मीटर से अन्यून ऊँचाई पर जलेगा।

4 (i) छतरी ऐसे आकार की होगी कि जवने हुए तारक के गिरने की दर के अपेक्षित नियंत्रण की व्यवस्था करे।

(ii) यह तप्त अग्निगड कदब द्वारा तारक से मयन होगी।

5 (i) राकेट किसी यथाचित रीति से प्रज्वलित हो सकेगा।

(ii) यदि सेफ्टी फ्यूज द्वारा बाह्य प्रज्वलन किया गया हो तो सेफ्टी फ्यूज का बाहरी सिरा वियामलाई संरचना से अन्तर लगे हुए फरकन धातु पर जल से ढके हुए होगे और एक पृथक स्ट्राइकर प्रत्येक राकेट में यथाचित रूप से मयन होगा।

6 वियामलाई संरचना, स्ट्राइकर संरचना फरकन और राकेट की समस्त बाह्य सतह जलमह होगी।

7 राकेट एक मिनट तक जल में निमजित रहने के पश्चात् और छिपाने से, लगे हुए जल के ढटने के पश्चात् समुचित रूप से कार्य करने में स मर्थ होगा।

8. सभी संघटक संरचना और अवयव ऐसे स्वस्थ और ऐसी क्वालिटी के होंगे जो राकेट को कम से कम दो वर्ष की कालावधि तक अच्छी औसत भंडार-करण दशाओं के अन्तर्गत इसका उपयोग प्रतिधारित करने में समर्थ बनाये।

9. (i) राकेट ऐसे आधान में पैक किया होगा जो टिकाऊ आर्द्रता सह और प्रभावशाली रूप से मुद्राबन्ध होगा।

(ii) यदि धातु का बना हो तो आधान अच्छा कलाईदार और लेकर किया हुआ या संशारण के विरुद्ध अन्यथा पर्याप्त रूप से सशक्त होगा।

10 वह तारीख जिसको राकेट भरा गया है राकेट और आधान पर अमिट रूप से स्टाम्पित होगी।

11 प्रयोग के लिए स्पष्ट और सक्षिप्त निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में राकेट पर अमिट रूप से मुद्रित होंगे।

[फा० सं० 5 एम० एस० आर० (8)/74-एम० ए०]

बी० बी० सुब्रह्मण्यम, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 27th August, 1974

(Merchant Shipping)

G.S.R. 964.—Whereas the draft of the Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1969, was published as required by sub-section (1) of Section 288 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) at pages 316 to 362 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (I), dated the 25th January 1969 under the notification of the Government of India in the Ministry of Transport and Shipping No. G.S.R. 149, dated the 15th January, 1969, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 1st March, 1969;

And whereas it is considered desirable to publish the said draft again for the information of all persons likely to be affected thereby;

Now, therefore, the following draft of certain rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (a), (b), (c), (d), (e), (f), (g), (h), (j), (k) and (n) of sub-section (2) of section 288 and section 457 of the said Act, and in super-session of the Indian Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1956 is hereby published as required by sub-section (1) of Section 288 for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government

1. Short title, commencement and application.—(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1974.

(2) They shall come into force at once.

(3) They shall apply to—

(a) all sea going Indian ships; and

(b) all ships other than Indian ships while they are at any port or place in India or within the territorial waters of India;

Provided that these rules shall not apply to any ship by reason of its being at a port or place in India or within the territorial waters of India if it would not have been at any such port or place but for the stress of weather or any other circumstances that neither the master, not the

owner nor the charterer, if any of the ship could have prevented or forestalled.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (a) 'Act' means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);
- (b) 'approved' means approved by the Central Government.
- (c) 'buoyant apparatus' means floatation equipment other than a life-buoy or a life-jacket, designed to support a specified number of persons who are in the water and of such construction that it retains its shape and properties;
- (d) 'certificated life-boatmen' means any member of the crew who holds a certificate of efficiency issued under the Life boatman's (Qualifications and Certificate) Rules, 1963;
- (e) 'class c boat' means a boat which complies with the provisions of rule 16;
- (f) 'inflatable life-raft' means a life-raft complying with the requirements of Part I of the Seventh Schedule;
- (g) 'launching appliance' means an appliance complying with the requirements of the Fifteenth Schedule;
- (h) 'length' in relation to a registered ship means registered length and in relation to an unregistered ship means the length from the fore part of the stem to the aft side of the head of the stern post, or if not stern post is fitted to take the rudder, to the foreside of the rudder stock at the point where the rudder stock passes out of the hull;
- (i) 'lifeboat' means a boat complying with the provisions of rule 12;
- (j) 'life-raft' means a life-raft complying with the provisions of rule 17;
- (k) 'mechanically propelled lifeboat' means a lifeboat complying with the provisions of rule 15;
- (l) 'motor lifeboat' means a lifeboat complying with the requirements of rule 14;
- (m) 'person' in relation to these rules means any person above the age of one year and includes ship's crew and officers;
- (n) 'rigid life-raft' means a life-raft complying with the requirements of Part II of the Seventh Schedule;
- (o) 'Schedule' means a Schedule to these rules;
- (p) 'short international voyage' means an international voyage in the course of which a ship is not at any time more than 200 nautical miles away from a port or place where the passengers and crew could be placed in safety and which does not exceed 600 nautical miles in length between last port of call in a country where the voyage begins and the final port of destination.

3. Classification of Ships.—For the purpose of these rules, ships shall be arranged in the following classes, namely:—

A—Passenger Ships

Class I—Passenger ships, other than those falling in classes II, III and IV engaged on international voyages;

Class II—Passenger ships, other than those falling under Class IV, engaged on short international voyages;

Class III—Special trade passenger ships, other than those falling under Class IV, engaged on international voyages;

Class IV—Special trade passenger ships engaged on short international voyages;

Class V—Special trade passenger ships engaged on coastal voyages;

B—Ships other than passenger ships

Class VI—Cargo ships other than those falling under Class VII;

Class VII—Cargo ships engaged on coastal voyages or on voyages with near neighbouring countries;

Class VIII—Fishing vessels and other ships not falling in Classes I to VII both inclusive.

4. Ships of Class I.—(1) This rule shall apply to ships of Class I.

(2) Every ship of class I shall carry—

- (a) on each side of the ship, such number of life-boats as would be of sufficient aggregate capacity to accommodate one half of the total number of persons the ship is certified to carry; or
- (b) life boats and life-rafts in such number as would be sufficient to provide together aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry;

Provided that lifeboats carried on each side of the ship shall never be less than necessary to accommodate 37 1/2 percent of the total number of persons the ship is certified to carry:

Provided further that in the case of a ship the keel of which was laid before the 26th day of May, 1965, the provisions of this clause shall apply only if the number of persons the ship is certified to carry is not increased for the reason that the life-rafts available on board are adequate for such increased number.

(3) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (2) shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 meters in length but they may be motor life-boats or lifeboats and, may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (4).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 29, states or other suitable appliances are not required to be fitted to these lifeboats.

(4) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat :

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only such motor lifeboat.

(5) (a) In every ship which is certified to carry 1500 persons or more, such of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 25.

(b) In every ship which is certified to carry more than 199 but less than 1500 persons, at least one of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 25.

(c) every motor lifeboat carried in compliance with this rule shall be provided with a search light referred to in sub-rule (2) of rule 25.

(6) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat as required under clause (a) of sub-rule (5) shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34.

(7) Every lifeboat carried in compliance with this rule shall not less than 7.3 metres in length.

(8) In every ship each lifeboats shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that the davits of luffing type be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kgms in their running out condition

(9) (a) The life rafts carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2) shall be several by launching appliances

(b) On each side of the ship, there shall atleast be one such appliance and the difference between the number of appliances fitted on each side shall never exceed one

(10) Every ship shall carry life-rafts which may not be served by launching appliances of sufficient capacity to accommodate 25 percent of the total number of persons the ship is certified to carry together with the buoyant apparatus for 3 percent of that number

Provided that —

(a) if life rafts are also carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2), all life rafts carried by the ship shall be of a type capable of being launched by the launching appliance fitted on the ship in compliance with sub-rule (9), and

(b) a ship which has a factor of sub-division of 0.3 or less may carry in lieu only buoyant apparatus for 25 percent of the total number of persons it is certified to carry

(11) (a) Every ship shall carry a minimum number of life buoys in accordance with the following Table —

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of life buoys required to be fitted
Less than 61 metres	9
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half of the total number of life-buoys so carried, subject to a minimum of 6, shall be provided with efficient self-igniting lights

(c) At least two of the life buoys provided with self igniting lights shall also be provided with an efficient self activating smoke signal of highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and life buoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge

(d) At least one life buoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length

(12) (a) Every ship shall carry —

(i) a life-jacket complying with the requirements of part I of the Tenth Schedule for every person on board or as the case may be, for the number of persons it is certified to carry whichever is more, and

(ii) a life jacket complying with the requirements of part II of the Tenth Schedule for at least ten percent of the total number of persons the ship is certified to carry

(b) Every ship in addition to life jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life jackets complying with the requirements of part I of the Tenth Schedule for atleast five percent of the total number of persons it is certified to carry and such life jackets, shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked

(13) Every ship shall carry an approved line throwing appliance

5 Ships of class II (1) This rule shall apply to ships of class II

(2) Subject to the provisions of sub rule (8), every ship shall be fitted in accordance with its length with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the First Schedule

Provided that no ship shall be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry

(3) A lifeboat shall be attached to every such set of davits and the lifeboats so attached shall subject to the provisions of sub rule (8), together provide atleast the capacity specified in column c of the Table set out in the First Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which it is certified to carry if the latter be less

(4) (a) On every ship two of the lifeboats required under sub-rule (3) shall be kept ready, one on each side of the ship for immediate use in an emergency while the ship is at sea

(b) None of the two lifeboats referred to clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (5)

(c) Notwithstanding the provisions of sub rule (13) of rule 29, skates or other suitable appliances shall not be required to be fitted to these lifeboats

(5) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat

(6) Subject to the provisions of sub rule (7) and (8) when the lifeboats carried in compliance with sub rule (3) do not accommodate to the total number of persons the ship is certified to carry, additional sets of the davits with a lifeboat attached to each, shall be fitted to make up the deficiency in such accommodation

(7) If in the opinion of the Central Government the volume of the traffic so requires, it may permit any ship which is subdivided in accordance with the provisions of rules made under section 284 of the Act to carry persons in excess of the lifeboat capacity provided on that ship in compliance with sub rule (3)

Provided that —

(a) when such ship is permitted by the Central Government to proceed to sea from a port or place in India on an international voyage exceeding 600 miles but not exceeding 1200 miles from the last port or place of call in India to the port or place of final destination outside India it shall carry lifeboats attached to davits affording accommodation for atleast seventyfive percent of the persons on board

(b) in all cases the number of life rafts to be carried shall be such as to ensure that total number of lifeboats together with life rafts shall be sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry or is permitted to carry, and

(c) if in any such ship a two compartment standard of subdivision is not achieved throughout it shall carry life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate ten percent of the persons which it

is certified to carry or is permitted to carry, such life-rafts being in addition to these required to be provided in compliance with clause (b) of this proviso or with clause (b) of the proviso to sub-rule (8), as the case may be, and with sub-rule 12.

(8) Where it is shown to the satisfaction of the Central Government that it is impracticable in any ship engaged on a short international voyage to show satisfactory the life-rafts required to be carried in pursuance of sub-rule 7 without reducing the number of lifeboats the Central Government may permit the number of sets of davits required to be fitted under sub-rule (2) and also the number of lifeboats required to be attached to davits under sub-rule (3) to be reduced:

Provided that —

- (a) in the case of a ship exceeding 58.5 metres in length the number of lifeboats to be carried shall never be less than four, two of which shall be on each side on the ship and in the case of a ship of less than 58.5 metres in length the number of lifeboats to be carried shall never be less than two, one of which shall be carried on each side of the ship;
 - (b) in all cases the number of lifeboats and life-rafts shall always be sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified or permitted to carry; and
 - (c) in the case of a ship in which the aggregate capacity of the lifeboats carried on board is less than the capacity specified in column C of the Table set out in the First Schedule additional life-rafts on the type capable of being launched by the appliances referred to in sub-rule (2) of rule 30 shall be provided.
 - (d) the number of life-rafts so provided shall be such as to ensure that the total capacity of life-rafts is at least equal to the number obtained by dividing by 10 the difference between the aggregate cubic capacity of the lifeboats and the cubic capacity specified in column C of the First Schedule, subject to the condition that—
 - (i) such additional life-rafts shall be sufficient for accommodating at least 40 persons;
 - (ii) at least one launching appliance is provided on each side of the ship; and
 - (iii) the difference between the number of launching appliances fitted on each side of the ship does not exceed one.
- (9) In every ship the lifeboats carried in compliance with this rule shall not be of less than 7.3 metres in length.
- (10) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(11) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat provided with equipment specified in sub-rule (1) of rule 25, shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34:

Provided that if in the case of any ship the Central Government is satisfied that the duration of a voyage is such as to render the carriage of a portable radio requirement unnecessary, it may permit the requirement of this rule to be dispensed with.

(12) Every ship shall in addition to any life-rafts carried in pursuance of sub-rules (7) and (8), carry additional life-rafts sufficient to accommodate ten per cent of the total number of persons for whom lifeboat accommodation is provided in the ship.

(13) Every ship shall carry buoyant apparatus sufficient to support five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(14) (a) Every ship shall carry at least the number of life-buoys determined in accordance with the following Table :—

Length of the ship in metres	Minimum number of life-buoys required to be carried.
less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half the total number of life-buoys so carried, subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the life-buoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal of highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and life-buoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one life-buoy on each side of the ship shall be provided with buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(15) (a) Every ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry;

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(16) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

6. Ships of Class III—(1) This rule shall apply to ships of Class III.

(2) Every ship of Class III shall carry—

- (a) on each side of the ship, such number of lifeboats as would be of sufficient aggregate capacity to accommodate one half of the total number of persons the ship is certified to carry; or
- (b) lifeboats and life-rafts in such number as would be sufficient to provide together aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry;

Provided that lifeboats carried on each side of the ship shall never be less than necessary to accommodate 35 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (2) of this rule shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (4).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 29, skates or other suitable appliances are not required to be fitted to these lifeboats.

(4) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat:

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat

(5) (a) In every ship which is certified to carry 1500 persons or more each of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 25.

(b) In every ship which is certified to carry more than 199 but less than 1500 persons, at least one of the motor boats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 25.

(c) Every motor lifeboat on board a ship, the keel of which was laid on or after the 26th day of May 1965 carried in compliance with this rule may be fitted with a search light referred to in sub-rule (2) of rule 25.

(6) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat as required under clause (a) of sub-rule (5) shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34.

(7) Every lifeboat carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres.

(8) In every ship, each lifeboat shall be attached to a separate set of davits which shall be of gravity type except that the davits of luffing type may be fitted for operating lifeboats or boats, as the case may be, weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(9) Every ship shall carry life-rafts and buoyant apparatus of sufficient capacity to accommodate twenty-five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

Provided that the number of life-rafts so carried on board any ship under this rule shall be sufficient to accommodate at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(10) (a) Every ship shall carry a minimum number of life-buoys in accordance with the following Table:

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of life-buoys required to be carried.
less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half of the total number of life-buoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the life-buoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and life-buoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one life-buoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length

(11) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for at least 5 per cent of the number of persons it is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(12) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

7. Class IV ships.—(1) This rule shall apply to ships of Class IV.

(2) (a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length, with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the First Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum specified in column B of the First Schedule :

Provided that no ship will be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of davits, and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the First Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less

(4) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (3), shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency, while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (5).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 29, skates or suitable appliances shall not be required to be fitted to these lifeboats or boats.

(5) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(6) Where the lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons on board, life-rafts suitably placed shall be provided so that the accommodation provided on lifeboats and life-rafts is sufficient for all persons on board.

(7) Notwithstanding anything contained in sub-rule (6), no ship of class IV shall carry persons on board in excess of lifeboat capacity unless it is so permitted by the Central Government for reasons of volumes of traffic obtaining at the relevant time.

(8) Where under the provisions of sub-rule (7) a ship is permitted to carry persons on board in excess of lifeboat capacity and the Central Government is satisfied that it is impracticable in that ship to stow the life-rafts required to be carried in accordance with sub-rule (6) without reducing the number of lifeboats, it may permit a reduction in the number of lifeboats to be carried by such ship :

Provided that—

- (i) the number of lifeboats shall, in the case of a ship of 58 metres in length or over, never be less than four two of which shall be carried on each side of the ship and in the case of a ship of less than 58 metres in length, the number of lifeboats so carried shall never be less than two, one of which shall be carried on each side of the ship,
 - (ii) the number of lifeboats and life rafts shall always be sufficient to accommodate the total number of persons on board, and
 - (iii) where lifeboats provided do not give capacity required by column C of the Table set-out in the First Schedule the life rafts provided for making good the deficiency shall, as far as practicable, be capable of being launched from devices referred to in rule 30
- (9) If in the opinion of the Central Government the volume of the traffic so requires, it may permit any ship to proceed to sea from a port or place in India on an international voyage exceeding 600 miles but not exceeding 1200 miles from the last port or place of call in India to the port or place of final destination outside India

Provided that—

- (i) the ship carries lifeboats attached to davits affording accommodation for at least 70 per cent of person on board, and
 - (ii) the number of lifeboats and life rafts carried on board are sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified or permitted to carry
- (10) In every ship, life boats carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres in length
- (11) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats or boats weighing not more than 2300 Kgms in their turning out condition
- (12) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (5), shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34

Provided that if in the case of any ship or class of ships the Central Government is satisfied that the duration of voyage is such as to render the carriage of a portable radio equipment unnecessary it may permit the requirement of this sub rule to be dispensed with

(13) Every ship shall carry, in addition to the lifeboats and life-rafts carried under sub rule (6) or as the case may be sub-rule (9), life rafts and buoyant apparatus sufficient to accommodate ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry

Provided that the number of life rafts carried on board any ship under this sub-rule shall never be less than required to accommodate at least five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry

(14) (a) Every ship shall carry at least the number of life buoys in accordance with the following Table --

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of life-buoys required to be carried
less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one half the number of life buoys so carried subject to a minimum of six shall be provided with efficient self-igniting lights

(c) At least two of the life-buoys provided with self igniting lights shall also be provided with an efficient self activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour for not less than 15 minutes and life buoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge

(d) At least one life buoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length

(15) (a) Every ship shall carry—

- (i) a life jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry

(b) Every ship, in addition to life jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life jackets shall be stowed in deck at a suitable place which shall be conspicuously marked

(16) Every ship shall carry an approved line throwing appliance

8 Class V Ships—(1) This rule shall apply to ships of Class V

(2) (a) Every ship shall be fitted in accordance with its length with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the First Schedule

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum number specified in column B of the First Schedule

Provided that no ship shall be required to be fitted with the number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry

(3) A lifeboat shall be attached to each set of such davits and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the First Schedule or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less

(4) Every ship shall carry at least one motor lifeboat

(5) Such additional lifeboats and life rafts or buoyant apparatus shall be carried as shall be sufficient together with the lifeboats carried in pursuance of sub rule (3), for the total number of persons the ship is certified to carry

Provided that lifeboats shall be carried to accommodate not less than twentyfive per cent of the total number of persons the ship is certified to carry

(6) The life boats carried in compliance with this rule where reasonable and practicable shall not be less than 7.3 metres in length

(7) Davits required to be fitted in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats or boats weighing not more than 2300 Kgms in their turning out condition

(8) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (4) shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34

(9) (a) Every ship shall carry at least the number of life-buoys in accordance with the following Table :—

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of life-buoys required to be carried.
less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least half the number of life-buoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least one life-buoy on each side of the ship shall be provided with a buoivant lifeline of at least 27.5 metres in length.

(10) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, which ever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jacket shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(11) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

9. Class VI ships.—(1) This rule shall apply to ships of Class VI.

(2) Every ship of 500 tons gross or over shall carry on each side three of one or more lifeboats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) In every ship of 1600 tons gross or over, the lifeboats carried in pursuance of sub-rule (2) shall not be less than 7.3 metre in length.

(4) Every ship of 500 tons gross or over other than a tanker of 1600 tons gross or over shall carry life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least half the total number of persons on board :

Provided that in the case of such ships engaged on international voyage between near neighbouring countries the Central Government may, if it is satisfied that the conditions of voyage are such as to render the compulsory carriage of life-rafts unreasonable or unnecessary, exempt such individual ships or classes of ships from complying with the requirements of this sub-rule.

(5) Every ship of less than 500 tons gross shall carry either—

(a) the life-boats prescribed in sub-rule (2) for ships of 500 tons gross or over or

(b) a lifeboat or class C boat which shall be capable of being launched from either side of the ship and at least tow life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate twice the number of persons on board.

(6) (a) Every tanker of 3,000 tons gross or over shall carry on each side of the ship at least two lifeboats of

sufficient aggregate capacity to accomodate the total number of persons on board.

(b) Two of these lifeboats shall be carried after and two amidships save that in tankers which have no amidships super-structure all lifeboats shall be carried aft:

Provided that in the case of tankers with no amidships superstructure, if it is impracticable to carry four lifeboats aft, the Central Government may permit instead the carriage aft of only one lifeboat on each side of the tanker—subject to the tanker complying with the following provisions, namely :—

(i) each lifeboat shall not exceed 8.5 metres in length;

(ii) each lifeboat shall be stowed as far forward as practicable and at least so far forward that the after end of the lifeboat is one and a half times the length of the lifeboat forward of the tankers propellor;

(iii) each lifeboat shall be stowed as near the sea-level as is safe and practicable; and

(iv) life-rafts sufficient to accommodate at least one-half of the total number of persons on board are carried in addition to lifeboats.

(7) Life-rafts carried under the provisions of this rule shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(8) In every ship to which sub-rule (2) or sub-rule (6) applies, each lifeboat shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that in ships other than tankers of 1600 tons gross or over luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(9) (a) In every ship of 1600 tons gross or over, one of the lifeboats carried in compliance with sub-rule (2) shall be a motor lifeboat.

(b) In every tanker of 1600 tons gross or over, at least one of the lifeboats carried on each side of the ship in compliance with sub-rule (2) or sub-rule (6) shall be motor lifeboat.

(10) Every ship shall carry a portable radio equipment complying with the requirements of rule 34 :

Provided that if the case of any ship the Central Government is satisfied that the duration of voyage is such as to render the carriage of a portable radio equipment unnecessary, it may permit the requirement of this sub-rule to be dispensed with.

(11) (a) Every ship of 500 tons gross or over shall carry at least 8 life-buoys.

(b) Every ship of under 500 tons gross shall carry at least 4 life-buoys.

(c) Atleast half the number of life-buoys so carried shall be provided with efficient self-igniting lights referred to in rule 21.

(12) Every ship shall carry—

(a) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board; and

(b) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for every child the ship carries.

(13) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

10. Ships of Class VII.—The provisions of rule 9 shall apply to ships of Class VII as they apply to ships of Class VI.

11. Ships of Class VIII.—(1) Every ship of 44 metres or more in length shall carry either—

- (a) at least two lifeboats attached to davits, so arranged that there is at least one lifeboat on each side of the ship the lifeboat on each side of the ship being of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board the ship; or
- (b) a class c boat attached to a davit and at least two approved inflatable life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate twice the number of persons on board and so stowed that they can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (2) Every ship under 44 metres but not under 35 metres in length shall carry, attached to davits, a life-boat of sufficient capacity to accommodate all persons on board the ship and shall also carry approved inflatable life-rafts or approved buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or support, as the case may be, all persons on board and so stowed that they can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (3) Every ship under 35 metres but not under 24 metres in length shall carry a class c boat so stowed that it can be readily transferred to the water on either side of the ship and shall also carry approved inflatable life-rafts or approved buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or support, as the case may be, not less than one and a half times the number of persons on board and so stowed that they can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (4) Every ship under 24 metres but not under 12 metres in length plying during 'foul weather season' shall carry a class c boat or approved inflatable life-raft of sufficient capacity to accommodate all persons on board the ship, so stowed that it can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (5) Every ship under 24 metres but not under 12 metres in length plying during 'fair weather season' shall carry a class c boat or approved inflatable life-raft or approved buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or support, as the case may be, all persons on board and so stowed that they can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (6) (a) Every ship of 30 metres or more in length shall carry at least four approved life-buoys and every ship under 30 metres in length shall carry at least two approved life-buoys.
- (b) At least one of the life-buoys required to be carried shall be fitted with a self-igniting light which is capable of remaining un-extinguished in water.
- (7) Nothing in this rule shall apply to dug-out canoes of any length provided that such canoes are provided with a life line bracketed at quarter lengths on each side from forward and aft and do not engage in fishing during the "foul weather season".
- (8) For the purpose of this rule—
- (i) "fair weather season" means—
- (a) in the Arabian Sea, the season from the 1st day of September to the 31st day of May; and
- (b) in the Bay of Bengal, the season from the 1st day of December to the 30th day of April;
- (ii) "foul weather season" means—
- (a) in the Arabian Sea, the season from the 1st day of June to the 31st day of August; and
- (b) in the Bay of Bengal, the season from the 1st day of May to the 30th day of November.
- (9) Every ship shall carry—
- (a) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board; and
- (b) a life jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for every child the ship carries.
12. General requirements for lifeboats.—All lifeboats carried on board ships in pursuance of these rules shall comply with the requirements specified in the Second Schedule.
13. Carrying capacity of lifeboats.—(1) (a) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3), (4) and (5), the number of persons a lifeboat shall be deemed fit to accommodate shall be equal to the greatest whole number obtained by the formula V/X where "V" is the cubic capacity of the lifeboat in cubic metres determined in accordance with the provisions of the Third Schedule and X is the volume in cubic metres for each person which shall be 0.283 for a lifeboat 7.3 metres in length or over and 0.396 in the case of lifeboats of 4.9 metres in length.
- (b) For intermediate lengths of lifeboats, the value of X shall be determined by interpolation.
- (2) The number of persons which a lifeboat is deemed fit to accommodate shall not exceed the number of adult persons wearing life jackets for which there is proper seating accommodation arranged in such a way that the persons when seated do not interfere in any way with the use of oars or the operation of other propulsion equipment.
- (3) No lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 150 persons.
- (4) No lifeboat other than a motor lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 100 persons.
- (5) No lifeboat other than a motor lifeboat or a mechanically propelled lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 60 persons.
14. Motor lifeboats.—Every motor lifeboat in addition to complying with the requirements of the Third Schedule, shall also comply with the following requirements, namely :—
- (a) it shall be fitted with a compression ignition engine and such engine and its accessories shall comply with the requirements of the Fourth Schedule and shall be so maintained as to be ready for use at all times;
- (b) it shall be provided with sufficient fuel for 24 hours continuous operation at the speed specified in clause (d) for clause (c).
- (c) it shall be capable of going astern;
- (d) if it is a motor lifeboat provided in accordance with sub-rule (4) of rule 4, sub-rule (5) of rule 5, sub-rule (4) of rule 6 or sub-rule (9) of rule 9 it shall be capable of going ahead in smooth water when loaded with its full complement of persons and equipment at a speed of 6 knots;
- (e) if it is a motor lifeboat provided in accordance with any other rule excepting rules referred to in clause (d), it shall be capable of going ahead in smooth water with its full complement of persons and equipment at a speed of 4 knots.
15. Mechanically propelled lifeboats.—Mechanically propelled lifeboats, in addition to complying with the requirements of the Second Schedule, shall be fitted with machinery which shall comply with the requirements of the Fifth Schedule.
16. Class c boats.—Class c boat shall comply with the requirements of the sixth Schedule.
17. Life-rafts.—(1) Life-rafts shall comply with the requirements of either Part I or Part II of the Seventh Schedule.

(2) Life-rafts complying with the requirements of Part I of the Seventh Schedule shall be surveyed at a servicing station approved by the Central Government at intervals of not more than 12 months ;

Provided that if the Central Government is satisfied that it is impracticable to survey such life-raft at an interval of 12 months it may permit that interval to be extended by not more than 3 months.

18. Buoyant apparatus.—(1) Buoyant apparatus shall comply with the requirements of the Eighth Schedule.

(2) The number of persons which a buoyant apparatus shall be deemed fit to support shall be equal to—

(a) the greatest whole number obtained by dividing by 14.5 the number of Kgms. of iron which the apparatus is capable of supporting from its grab lines in fresh water ; or

(b) the greatest whole number obtained by dividing its perimeter in centimetres by 30.5 ;

whichever is less.

19. Marking of lifeboats, class c boats, life-rafts and buoyant apparatus.—(1) (a) The dimensions of a lifeboat or a class c boat and the number of persons which it is deemed fit to accommodate shall be clearly marked on it in permanent characters.

(b) The name and port of registry of the ship to which the lifeboat or the class c boat belongs shall be painted on each side of the bow of each such lifeboat or class c boat.

(2) (a) The number of persons which a life-raft complying with the requirements of Part I of the Seventh Schedule is deemed fit to accommodate shall be clearly marked in permanent character on the life-raft and on the valise or other container in which the life-raft is contained when not in use.

(b) Every such life-raft shall also bear a serial number and the manufacturer's name and the year of manufacture.

(3) Every life-raft which complies with the requirements of Part II of the Seventh Schedule shall be marked with the name and port of registry of the ship in which it is carried and with the number of persons it is fit to accommodate.

(4) The number of persons a buoyant apparatus is fit to support shall be clearly marked on it in permanent character.

20. Life-buoys.—Life-buoys shall comply with requirements of the Ninth Schedule.

21. Life-buoy lights, smoke signals and lines.—(1) Life-buoys carried in accordance with these rules shall have attached to them self-igniting lights on the scales specified in sub-rule (11) of rule 4, sub-rule (14) of rule 5, sub-rule (10) of rule 6, sub-rule (14) of rule 7, sub-rule (9) of rule 8 and sub-rule (6) of rule 11.

(2) (a) The self-igniting lights shall be capable of remaining in water without getting extinguished.

(b) They shall be capable of burning for not less than 45 minutes and shall have a luminosity of not less than 3.5 lumens.

(3) The self-igniting lights attached to life-buoys carried in tankers shall be of an electric battery type.

(4) (a) In every ship not being a ship of Class VIII of less than 21.5 metres in length one life-buoy on each side of the ship shall have attached to it a buoyant line of at least 27.5 metres in length.

(b) In every ship of Class VIII of less than 21.5 metres in length one life-buoy on each side of the ship shall have attached to it a buoyant line of at least 18 metres in length.

(c) The life-buoy having lines attached to them in compliance with this sub-rule shall not have self-igniting lights attached to them.

(5) In every ship, other than a ship of class VIII, not less than two of the life-buoy provided with self-igniting lights in accordance with the provision of sub-rule (1) shall be provided with a self-activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour for at least 15 minutes.

(6) (a) The life-buoys provided with self-igniting lights and self-activating smoke signals in accordance with these rules shall be carried on each side of navigating bridge if any, and so fitted as to be capable of quick release.

(b) Each of the life-buoys referred to in clause (a) and any other lifebuoy in position where the release of self-igniting light depends upon the weight of such lifebuoy shall weight not less than 4.3 Kgms.

22. Line throwing appliances.—Every line throwing appliance shall comply with the requirements of the Eleventh Schedule.

23. Equipment for lifeboats and C boats.—(1) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3) and (4), the equipment of every life boat shall be as follows :

(a) a single banked complement of buoyant oars, two spare buoyant oars, and a buoyant steering oar; one set and a half of crutches attached to the lifeboat by lanyard or chain, a boathook;

(b) Two plugs for each plug hole (except where proper automatic valves are fitted) attached to the lifeboat by lanyards or chains; a bailer and two buckets;

(c) a rudder attached to the lifeboat and a tiller;

(d) a life line becket round the outside of the lifeboat, means to enable persons to cling to the lifeboat if upturned in the form of bilge keels or keel rails, together with grab lines secured from gunwale under the keel;

(e) a locker, conspicuously marked as such, suitable for the stowage of small items of equipment;

(f) two hatchets, one at each end of the lifeboat;

(g) a lamp with oil sufficient for 12 hours;

(h) a watertight box containing two boxes of matches not readily extinguished by wind;

(i) a mast or masts with galvanized wire stays together with orange coloured sails which shall be marked for identification purposes with the first and last letter of the name of the ship to which the lifeboat belongs;

(j) a compass in binacle complying with the requirements of Part I of the Twelfth Schedule;

(k) a Sea anchor complying with the requirements of Part II of the Twelfth Schedule;

(l) two painters of sufficient length and size. One shall be secured to the forward end of the lifeboat with strop and toggle so that it can be released and the other shall be firmly secured to the stem of the lifeboat and be ready for use;

(m) a vessel containing 4.5 litres of vegetable, fish or animal oil. A means shall be provided enabling easy distribution of oil on water and it shall be so arranged that it can be attached to the sea anchor.

(n) four parachute distress rocket signals complying with the requirements of Part III of the Twelfth Schedule; and six handheld distress flare signals complying with the provisions of Part IV of the Twelfth schedule;

(o) two buoyant smoke signals complying with the requirements of Part V of the Twelfth Schedule;

- (p) a first aid outfit complying with the requirements of Part VI of the Twelfth Schedule;
- (q) a waterproof electric torch suitable for morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a water proof container;
- (r) a day light signalling mirror;
- (s) a jack Knife fitted with a tin-opener to be kept attached to the lifeboat with the lanyard;
- (t) two light buoyant heaving lines;
- (u) a manual pump complying with the requirements of Part VIII of the Twelfth Schedule;
- (v) a whistle;
- (w) a fishing line and six hooks;
- (x) a cover of a highly visible colour capable of protecting the occupants against injury by exposure;
- (y) a copy of the Rescue Signal Table as required under Regulation 16 of Part V of the International Convention on Safety of Life at Sea 1960;
- (z) means to enable persons in the water to climb into the lifeboat.

(2)(a) No motor lifeboat or mechanically propelled lifeboat shall be required to carry a mast or sails, nor more than half the complement of oars.

(b) Every such lifeboat shall carry two boat hooks.

(3) (a) Every motor lifeboat shall carry at least two portable fire extinguishers capable of discharging foam or other substance suitable for extinguishing oil fires, a receptacle containing a sufficient quantity of sand and a scoop for distributing the sand.

(b) Such portable fire extinguishers shall be of a type complying with the requirements of Merchant Shipping (Fire Appliances) Rules, 1969 except that the capacity of each extinguishers shall not be required to exceed 4.5 litres of fluid or its equivalent.

(4) Every class c boat carried in ships of classes VI, VII and VIII shall be equipped as follows :—

- (a) a single complement of buoyant oars and one spare buoyant oar provided that there shall never be less than three oars; one set of crutches attached to the boat by lanyard or chain; a boathook;
- (b) two plugs for each plughole (except where proper automatic valves are fitted) attached to the boat by lanyard or chain; a bailer and a bucket;
- (c) a rudder attached to the boat and a tiller;
- (d) a life line becketed round the outside of the boat;
- (e) a locker, conspicuously marked as such, suitable for the stowage of small items of equipment;
- (f) a painter of sufficient length and size secured to the forward end of the boat with strop and toggle so that it can be released;
- (g) means to enable persons to cling to the boat if upturned in the form of bilge keels or keel rails;
- (h) a waterproof electric torch suitable for morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container; and
- (i) two light buoyant heaving lines.

24. Rations for lifeboats.—(1) Every lifeboats shall be provided with at least the rations specified in the following scale for each person it is deemed fit to accommodate;

- (a) 450 grams of biscuits;
- (b) 450 grams of barley sugar; and
- (c) 450 grams of sweetened condensed milk of first quality ;

Provided that this rule shall not apply to any lifeboat carried in ships of classes V and VIII which do not proceed outside Home-Trade Limits,

(2) All the foodstuffs specified in sub-rule (1) shall be packed in suitable water tight containers and labelled to indicate the contents.

(3) (a) Every lifeboat carried in ships of classes I to VIII (both inclusive) shall be provided with at least 3 litres of fresh water for each of the number of persons it is deemed fit to accommodate or at least two litres of fresh water for each such person together with a desalting apparatus capable of providing atleast one litre of drinking water for each such persons and in either case the total quantity of water shall be increased as far as practicable.

(b) Every class c boat carried in ships of classes referred to in clause (a) shall be provided with adequate quantity of water.

(4) The water shall be kept in the lifeboat in suitable containers and every container shall be provided with at least one dipper which shall be attached to such containers by a lanyard, and three rust proof drinking vessels graduated in 25, 50 and 100 millilitres:

Provided that a container of not more than two litres capacity shall not be required to be provided with a dipper.

(5) The water in containers referred to in sub-rule (4) shall be frequently changed so as to ensure that it is always clean and fit for drinking.

25. Special equipment for certain motor lifeboats.—(1) In every ship of classes I and III, the motor lifeboats which are carried in compliance with clause (a) of sub-rule (5) of rule 4 or clause (a) of sub-rule (5) of rule (6) shall be provided with the following equipment, namely:—

(a) a radio equipment which shall comply with the Geneva Radio Regulations, 1959 and in addition, the following provisions shall apply thereto:—

(i) shall be installed in a cabin large enough to accommodate both the apparatus and the person using it;

(ii) the arrangement shall be such that the efficient operation of the transmitter and receiver shall not be impaired through interference from the engine of the motor lifeboat whether a battery is on charge or not; and

(iii) the radio battery shall not be used to supply power to any engine starting motor or ignition system.

(b) a dynamo fitted to the engine of the motor life-boat and capable of recharging all batteries in the life boat.

(2) (a) A search light carried in pursuance of these rules shall include a lamp of at least 80 watts, an efficient reflector and a source of power which will give effective illumination of a light coloured object having a width of about 18 metres at a distance of 183 metres for a total period of six hours.

(b) The search light shall be capable of working for at least 3 hours continuously.

26. Security of equipment and rations in lifeboats and class c boats.—(1) (a) All items of equipment provided in a lifeboat, class c boat or other boat, with the exception of a boat hook which shall be kept free for fending off purposes, shall be suitably secured within the lifeboat or boat.

(b) Any lashing shall be carried out in such a manner as to ensure the security of the equipment and so as not to interfere with the lifting hooks, if fitted, or to prevent ready embarkation.

(c) All items of such equipment shall be as small and as light in weight as possible and shall be packed in suitable and compact form

(2) All the rations provided in a lifeboat shall be stowed in watertight tanks which shall be firmly secured to the lifeboat.

(3) The tanks for the food and water rations shall be conspicuously marked 'Food' or 'Water' whichever is appropriate.

2 Equipment and rations for life rafts—(1) subject to the provisions of sub-rules (2) and (3), the equipment and rations provided in every life raft shall be as follows—

- (a) one buoyant rescue quort attached to at least 31 metres of buoyant line,
- (b) (i) for life rafts which are fit for accomodating not more than 12 persons—
one safety knife and one bailer,
- (ii) for life rafts which are fit for accommodating 13 persons or more—
two safety knives and two bailers
- (c) two sponges,
- (d) two sea anchors, one permanently attached to the life rafts and one spare with line,
- (e) two paddles,
- (f) one repair outfit capable of repairing punctures in buoyancy compartments unless the life-raft complies with the requirements of Part II of the Seventh Schedule,
- (g) one topping up pump or bellows, unless the life-raft complies with the requirements of Part II of the Seventh Schedule,
- (h) three safety tin openers,
- (i) a first aid outfit complying with the requirements of Part VIII of the Twelfth Schedule,
- (j) one rust proof drinking vessel graduated in 25,50 and 1000 millilitres,
- (k) one water proof electric torch suitable for morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a water proof container,
- (l) one day light signalling mirror and one signalling whistle,
- (m) two parachute distress rocket signals complying with the requirements of Part III of Twelfth Schedule;
- (n) six hand held dstress flare signals complying with the requirements of Part IV of the Twelfth Schedule,
- (o) one fishing line and six hooks,
- (p) 340 grams of suitable non-thirst provoking food providing at least 2200 calories per 450 grams weight and 170 grams of barley sugar or other equally suitable sweets for each person the life raft is deemed fit to accommodate,
- (q) watertight receptacles containing one and a half litres of fresh water for each person the life-raft is deemed fit to accommodate of which 1/2 litre per person may be replaced by a suitable de-salting apparatus capable of producing an equal amount of fresh water,
- (r) six anti-seasickness tablets for each person which the life raft is deemed fit to accommodate,
- (s) instructions printed in the English and Hindi languages on how to survive in the life-raft,
- (t) one copy of Rescue Signal Table as required under Regulation 16 of Part V of the International Convention on Safety of Life at Sea, 1960

(2) In ships of Classes II and IV—(i) One or more life rafts not being less than one sixth of the total number of life-rafts carried in any such ship, may be provided with the equipment specified in clauses (a) to (g) (both inclusive) (k), (s) and (t) of sub-rule (1) and with one half of the equipment specified in clauses (m) and (n) of that sub-rule

(ii) Life-rafts other than those equipped in accordance with clause (i), shall be provided with equipment specified in clause (a) to (g) (both inclusive and (s) and (f) of sub-rule (1)

(iii) In ships of classes V VII and VIII life rafts shall be provided with the equipment specified in classes (a), (b), (c), (e), (f), (g), (i), (m), (n), (q), (r), (s), and (t), of sub rule (1) of this rule together with sea anchor which shall be permanently attached to the life-raft

28 General provisions relating to the stowage and handling of life-saving appliances—(1) The arrangements for each life-boat, class c boat or other boat, life-raft and article of buoyant apparatus shall be such that it will not interfere with the operatin of other life saving appliances or impede in any way their prompt handling or the marshalling of persons at the launching station or their embarkation

(2) Lifeboats, class c boats or other boats, life-rafts and buoyant apparatus shall be so stowed that they can all be launched safely in the shortest possible time and the overall launching period shall not exceed 30 minutes in the case of ships of classes I, II and VI which carry life-rafts under launching appliances

29 Stowage and handling of life boats, class c boats and other boats—(1) Subject to the provisions of sub rules (2), (3) and (4), every lifeboat attached to a set of davits, other than a lifeboat which is carried as an alternative to a class c boat or other boat, shall be so arranged that even under unfavourable conditions of trim and upto 15 degrees of list either way it can be put into the water when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules except that in ships of under 457 metres in length of class VII such lifeboats may be so arranged that in the aforesaid conditions they can be put into water when loaded with their required equipment and a launching crew of atleast two persons

(2) Any lifeboat which is carried as an alternative to a class c boat or other boat and any class c boat or other boat which is attached to a davit or of set of davits other than a mechanically controlled single arm davit shall be so arranged that when loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons, it can be put into the water on either side of the ship when the ship is upright or from the side of the list when the ship is listed to 15 degrees towards that side

(3) Every lifeboat, class c boat or other boat attached to a mechanically controlled single arm davit shall be so arranged that when loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons it can be put into the water on one side of the ship when the ship is upright or is listed upto 15 degrees towards that side, except that in the case of fishing vessels which carry lifeboats in compliance with sub-rule (3) of rule 11, the lifeboat shall be so arranged that when loaded with its required equipment and a launching crew of two persons it can be put into water from either side of the ship, or, if the ship has a list, from the side to which the ship is listed

(4) Every lifeboat or class c boat carried in compliance with clause (b) of sub-rule (5) of rule 9 and sub-rule (10) of rule 9, if not attached to a davit or a set of davits, shall be attached to a device which shall be provided primarily for the purpose of launching the boat and which shall be capable of putting the boat into the water from one side of the ship when it is loaded with its equipment required these rules and a launching crew of two persons, and when the ship is upright or listed upto 15 degree such device shall be capable of putting the ifeboat or class c boat into the water from the side of the ship towards which it is listed.

(5) Not more than one lifeboat, class c boat or other boat shall be attached to any set of davits, davit or other means of launching

(6) Life boats may only be stowed on more than one deck provided that proper measures are taken to prevent lifeboats on a lower deck being fouled by those stowed on a deck above.

(7) Life boats shall not be placed in the bows of a ship and they shall be situated in such a position as to ensure safe launching having particular regard to clearance from the propeller and steeply over-hanging portions of the hull aft, and to ensure, so far as practicable, that they can be launched down the straight side of the ship.

(8) Davits shall be suitably placed in the ship.

(9) Davits, winches, falls, blocks and other launching gear provided in accordance with these rules shall comply with the requirements of the Thirteenth Schedule.

10(a) All life boats, class c boats or other boats attached to davits shall be served by wire rope falls and winches in the following cases:—

- (i) when they are attached to gravity davits; or
- (ii) when they are attached to mechanically controlled single arm davits; or
- (iii) when they are fitted to any ship of classes I, II, III, IV, V and to ships of Class VIII under sub-rule (2) of rule 11 or
- (iv) when they are fitted to any ship of classes VI and VII in compliance with sub-rule (2) of rule 9 or clause (a) of sub-rule (5) of rule 9;
- (v) when the weight of the attached life boat, class c boat or other boat in the lowering condition exceeds 2300 kilograms:

Provided that the Central Government may permit other types of falls to be fitted with or without winches in cases of lifeboats other than emergency lifeboats where it is satisfied that such falls are adequate.

(b) In every ship in which lifeboats, class c boats or other boats are served by wire rope falls, winches shall be provided for handling such falls.

(c) Emergency lifeboat carried in compliance with sub-rule (3) of rule 4, sub-rule (4) of rule 5, and sub-rule (3) of rule 6 and sub-rule (4) of rule 7 shall be served by winches which are capable of recovering them at a speed of not less than 18 metres per minute when the lifeboat is loaded with its equipment required by these rules and a distributed load equal to 1016 kgs.

(11) Efficient hand gear shall be provided for the recovery of all life boats, class c boats or other boats which are served by winches.

(12) Where davits are recovered by action of the falls by power, safety devices shall be fitted which will automatically cut-off the power when the davits are atleast 10 centimetres away from the steps to ensure that the wire rope falls or davits are not over-stressed.

(13) Unless expressly provided otherwise in these rules, to facilitate the launching of lifeboats against a list of 15 degrees, skates or other suitable means shall be provided for any lifeboat stowed under davits which are of such strength that the lifeboat can be lowered with its full complement of persons and its equipment required by these rules.

(14) Means shall be provided for bringing the lifeboats, which are required to be capable of being lowered in the fully loaded condition against the ship's side for holding them there for the safe embarkation of persons.

(15) (a) In any ship other than a ship in which the life boat, class c boat or other boat is attached to a mechanically controlled single arm davit, the davits shall be fitted with a wire rope span so positioned that when the boat is in the lowering position, the span is as near as practicable over the centre line of the boat.

(b) Such a wire rope span shall be fitted with at least two life lines which shall be long enough to reach the water with the ship at its highest seagoing draught and listed to 15 degrees either way.

(16)(a) Lifeboats, class c boats and other boats attached to davits shall have the falls ready for service and such falls shall be at least long enough to reach the water with the ship at its highest seagoing draught and listed to 15 degrees either way.

(b) Means shall be provided for detaching the lifeboats, class c boats or the other boats from the falls.

(c) Lower fall blocks shall be fitted with a suitable ring or a long link for attaching to the sling hooks, unless disengaging gear complying with the requirements of the Fourteenth Schedule is fitted.

(d) The points of attachment of the lifeboats, class c boats and other boats to the falls shall be at such height above the gunwale as to ensure stability when lowering the lifeboats, class c boats or other boats.

(17)(a) Every emergency lifeboat carried in compliance with sub-rule (3) of rule 4, sub-rule (4) of rule 5, sub-rule (3) of rule 6, and sub-rule (4) of rule 7 shall be provided with means for facilitating the attachment of the lower fall blocks to the lifting arrangements of the boat when the boat is recovered from the sea in adverse weather conditions.

(b) For this purpose a pendant of adequate strength and suitable length shall be provided for each davit, and one end of the pendant shall be attached to lower fall block and other end to the lifting arrangement on the boat.

(c) In addition, means shall also be provided for hanging off the boat after hoisting to enable the lower fall block to be attached directly to the lifting hook.

(18) In any ship, when a lifeboat is attached to any set of davits, davit or other means of launching not of sufficient strength for safe lowering of the boat into the water when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules under conditions of trim or of list specified in these rules for the class of such ship, or when any class c boat or other boat is attached to any set of davits or davit or other means of launching which are not of sufficient strength for safe lowering of such class c boat or other boat when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules, each such set of davits, davit or other means of launching shall be conspicuously marked with a red band 15.25 centimetres wide painted on a white background.

30. Stowage and handling of life-rafts, buoyant apparatus and life-buoys.—(1) Life-rafts and buoyant apparatus shall be so stowed that they can be put into water safely even under unfavourable conditions of trim and upto 15 degrees of list either way.

(2)(a) In every ship of classes I and II which carries life-rafts in accordance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 4, or item (c) of proviso to sub-rule (8) of rule 5, launching appliances complying with the requirements of the Fifteenth Schedule shall be provided for such life-rafts

(b) In every ship of class III which carries life-rafts in accordance with clause (b) of sub-rule (2) of

rule 6, there shall be provided launching appliances complying with the requirements of the Fifteenth Schedule, in such number as the Central Government may consider sufficient, which shall, as far as practicable, be distributed equally on each side of the ship :

Provided that there shall never be less than one such appliance on each side of the ship.

(c) Every life-raft launching appliance shall be so arranged that even under unfavourable conditions of trim and of list upto 15 degrees either way, each life-raft which is designed for use with such an appliance can be launched when loaded with its full complement of persons and equipment.

(d) Life-rafts for which launching appliance are provided and such launching appliances, shall not be placed in the bows of the ship and shall be so placed as to ensure safe

launching having particular regard to clearance from the propeller, and steeply over-hanging portions of the hull aft, and to ensure, so far as practicable that they can be launched down the straight side of the ship

(e) Means shall be provided for bringing life-rafts for which launching appliances are provided against the ships side and for holding them there for the safe embarkation of persons.

(3) Life-buoys shall be so stowed as to be readily accessible to all persons on board and in such a way that they can be rapidly cast loose.

(4) Life jackets shall be so stowed as to be readily accessible to all persons on board and their position shall be clearly and permanently indicated.

31 Embarkation into lifeboats, class c boats, other boats and life-rafts—(1) Arrangements shall be made to ensure that it is possible to effect embarkation into the lifeboats, class c boats, other boats and life-rafts rapidly and in good order.

(2) In every ship arrangements shall be made for warning the passengers and crew when the ship is about to be abandoned.

(3)(a) (i) In ships of classes VI, VII and VIII when the length of the ship exceeds 45 metres, one ladder shall be carried at each set of lifeboat davits where the davits are capable of lowering the lifeboat when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules.

(ii) Such provision shall also be made in ships of classes I, II, III, IV and V except that in such ships the Central Government may permit such ladders to be replaced by suitable mechanical devices provided that there shall not be less than one ladder on each side of every such ship

(b) In ships of classes VI, VII and VIII which carry a class c boat or a life boat which is not capable of being lowered into the water when loaded with its full complement of persons and its equipment required by these rules, suitable means shall be provided for embarking persons into the boat

(c) In ships of classes I, II, III, IV and V and in ships of classes VI, VII and VIII of 500 tons gross or over, sufficient ladders shall be provided to facilitate embarkation into the life-rafts when water borne except that in such ships the Central Government may permit replacement of some or all such ladders by suitable mechanical devices

(d) The ladders provided in compliance with the provisions of this sub-rule shall be of sufficient length to reach the water line with the ship at its lightest draught and listed to 15 degrees either way

(4) Every ship shall be provided with means situated outside the engine room where by any discharge of water into the life boats or into life rafts at fixed launching positions, including those under launching appliances, can be prevented

32 Manning of life-boats and life-rafts—(1) ships of classes I, II, III IV and V a deck officer or a certificated life-boatman shall be placed in charge of each lifeboat and a second-in-command shall also be nominated. The person in-charge shall have a list of the lifeboats crew and shall see that the persons placed under his orders are acquainted with their several duties

(2) In ships of Classes I and III a person trained in the handling and operation of life-rafts shall be assigned to each life-raft

(3) (a) In ships of class II carrying life rafts served by launching appliances, two persons trained in the handling and operation of life rafts shall be assigned to each launching appliance

(b) In ships of classes III IV and V carrying life-rafts not served by launching appliances which are stowed in groups at fixed launching position a person trained in the handling and operation of life-rafts shall be assigned to each such position

(4) In ships of classes I II III, IV and V a person capable of working the radio equipment and search light equipment shall be assigned to each lifeboat carrying such equipment

(5) In every ship in which motor lifeboats are carried a person capable of working the motor shall be assigned to each motor lifeboat

33 Certificated lifeboatman—(1) The crew of every ship of classes I II, III, IV and V shall include for each lifeboat carried in compliance with these rules, a number of certificated lifeboatmen not less than that specified in the following Table

TABLE

Prescribed complement of a lifeboat	Minimum number of certificated life-boatmen required
less than 41 persons	2
41 persons and more but less than 62	3
62 persons and more but less than 86 persons	4
86 persons and more	5

(2) In this rule 'prescribed complement' means the number of persons which the lifeboat is deemed fit to accommodate under these rules

34 Portable radio equipment—(1) The portable radio equipment required to be carried in compliance with sub rule (6) of rule 4 sub-rule (11) of rule 5, sub-rule (6) of rule 6, sub-rule (12) of rule 7, and sub-rule (8) of rule 8 and sub rule (10) of rule 9 shall comply with such of the requirements of the Geneva Radio Regulations, 1959 as apply thereto and shall be kept in a suitable place ready to be moved into a lifeboat or a life-raft in case of emergency

(2) In ships where the disposition of superstructures or deck houses is such as to involve substantial fore and aft separation of the main transmitter and lifeboats such equipment shall be kept in the vicinity of these lifeboats or life-rafts which are farthest away from the main transmitter

35 Electrically operated signals—Every ship of Classes I, II, III and IV shall be provided throughout the ship with electrically operated signals controlled from the bridge for summoning passengers to muster stations

36 Electric lighting—(1)(a) In every ship of classes I, II, III, IV and V an electric lighting system shall be provided throughout the ship and in particular upon the decks from which lifeboats and life-rafts are embarked

(b) Provision shall also be made in every such ship for the electric lighting of the launching gear and of the lifeboat and of the life raft launching appliances, where provided and the life rafts which they serve during the preparation for and process of launching and also for illuminating the water into which the lifeboats and life-rafts served by launching appliances are launched until the process of launching is completed and for lighting the stowage position of life rafts for which launching appliances are not provided

(c) The lighting shall be operated from the ship's main generating plant and shall be so arranged that power may be supplied from the emergency source of power required to be provided for on such ships under the rules made under section 284 of the Act relating to the construction of passenger ships

(2) In every ship of Classes I, II, III, IV and V the exist from every main compartment occupied by passengers or crew shall be continuously lighted by an emergency electric lamp, operated from the ship's main generating plant and shall be so arranged that power may be supplied from the emergency source of power required to be provided for on such ship under the rules made under section 284 of the Act relating to the construction of passenger ships

(3)(a) In every ship of Classes VI and VII of 500 tons gross or over provision shall be made for the electric lighting of the launching gear and of the lifeboats and of the life-rafts which they serve, during the preparation for the process of launching and also for lighting the water into which the life-boats and the life-rafts served by launching appliance are launched until the process of launching is completed, and for the lighting of the stowage position of life-rafts for which launching appliances are not provided.

(b) In every ship of Classes VI and VII of 1600 tons gross or over, provision shall be made for the electric lighting of the alleyways, stairways and exists so as to ensure that access of all persons on board to the launching stations and stowage positions of lifeboats and life-rafts is not impeded.

(c) The lighting required under clauses (a) and (b) shall be operated from the ship's main electric generating plant and, in addition, shall be capable of being operated:—

(i) in every such ship of 5000 tons gross or over, from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 7 of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply.

(ii) in every ship of over 1600 tons gross but under 5000 tons gross, from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 8 of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply.

(d) In every ship of 500 tons gross or over but of under 1600 tons gross, the lighting required under clause (a) of this sub-rule shall be operated from the ship's main electric generating plant and, in addition, shall be capable of being operated from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 9 of Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules 1974, in the case of ship to which those rules apply, or if the Central Government so permit, from the reserve source of electrical energy provided for on such ships under the Geneva Radio Regulations, 1959, subject to the condition that lighting circuits can be readily disconnected and the said reserve source is capable of supplying the additional load or loads without falling below the capacity required under those rules.

(4) In every ship of classes VI and VII to which sub-rule (3) does not apply, and in every ship of class VIII means shall be provided for the electric lighting of the launching gear and lifeboats or boats during the preparation for and the process of launching and also for the lighting of the stowage position of the life-rafts.

37. Ship's distress signals.—(1) Every ship except ships of Class VIII which are less than 24 metres in length shall carry not less than twelve parachute distress rocket signals complying with the requirements of the Sixteenth Schedule.

(2) Ships of class VIII other than ships above 24 metres in length shall carry not less than six red star distress signals which shall comply with sub-rule (3).

(3) Any red star signal required under this rule shall be capable of emitting two or more red stars either together or separately at or to a height of not less than 45.7 metres and each of these stars shall burn with a minimum luminosity of 500 candle power for not less than 5 seconds.

(4) All pyrotechnic distress signals shall be packed in a watertight container and shall be clearly and indelibly labelled to indicate their purpose.

38. Equipments and exemptions.—(1) Where these rules require that a particular fitting, material, appliance or apparatus, or type thereof, shall be fitted or carried in a ship, or that any particular provisions shall be made, the Central Government may permit any other fitting material, appliance or apparatus or type thereof to be fitted or carried or any other provision to be made in a ship, if it is satisfied by trial thereof that such other fitting, material appliance, or apparatus, or type thereof or provision, is at least as effective as that required by these rules.

(2) If it appears to the Central Government on the application of the owner of any ship, that it is not practicable or reasonable to fit in that ship the number of sets of davits required by these rules, the Central Government may permit one or more sets of davits to be dispersed with in that ship subject to such conditions, if any, as it may think fit to impose:

Provided that in the case of ships of Classes II and IV the number of sets of davits fitted shall, subject to the provisions of sub-rules (2) and (8) of rule 5 and sub-rule (2) of rule 7, in no case less than the minimum number determined by column B of the Table set out in the First Schedule.

(3) If a ship of Class I or Class III is permitted to carry between specified ports or places abroad a number of passengers in addition to the number allowed when the ship proceeded to sea from a port or place in India, the Central Government may, subject to such conditions as it may think fit to impose, permit as regards the part of the voyage between such specified ports or places and modifications of the provisions of sub-rules (2) and (10) of rule 4 and sub-rule (2) and (9) of rule 6 as may be specified by it:

Provided that where such modifications are permitted the total number of lifeboats together with such life-rafts as are carried shall be always sufficient for the total number of persons which the ship is certified to carry and, in addition, life-rafts shall be carried sufficiently to support ten percent of that number of persons.

(4) The Central Government may exempt any ship not normally engaged on international voyages but which, in exceptional circumstances, is required to undertake a single international voyage, from any of the requirements of these rules:

Provided that no such exemption shall be granted unless such a ship complies with the safety requirements, which in the opinion of the Central Government are adequate for the voyage which is to be undertaken by the ship.

(5) If it is impracticable or unreasonable for a ship to carry a lifeboat or boat of the minimum length prescribed under these rules, the Central Government may permit a smaller lifeboat or boat to be carried in that ship.

(6) The Central Government may either absolutely or subject to such conditions as it may think fit, exempt any ship the keel of which was laid prior to 26th day of May 1965, from the application of any requirements of these rules if it is satisfied that the compliance with the requirement is either impracticable or unreasonable in the case of such ship.

FIRST SCHEDULE

[See rules 5(2) (3), 8 (c) and (d) 7 (2) and (3), 8 (2) and 38 (2)]

Table showing the minimum number of sets of davits and minimum cubic capacity of Life boats to be provided in ships of classes II, IV & V

Registered length of ship in metres.	Minimum number of sets of davits	Smaller number of sets of davits authorised exceptionally	Minimum capacity of life-boats in cubic metres
	A	B	C
Metres	Nos.	Nos.	Cubic metres.
Upto 37 metres	2	2	11
37 metres and over but less than 43 metres	2	2	18
43 " 49 "	2	2	26
49 " 53 "	3	3	33
53 " 58 "	3	3	38
58 " 63 "	4	4	44

	A	B	C
63 " 67 "	4	4	50
67 " 70 "	5	4	52
70 " 75 "	5	4	61
75 " 78 "	6	5	68
78 " 82 "	6	5	76
82 " 87 "	7	5	85
87 " 91 "	7	5	84
91 " 96 "	8	6	102
96 " 101 "	8	6	110
101 " 107 "	9	7	122
107 " 113 "	9	7	135
113 " 119 "	10	7	146
119 " 125 "	10	7	157
125 " 133 "	12	9	171
135 metres and over but less than 140 metres	12	9	185
140 " 149 "	14	10	202
149 " 159 "	14	10	221
159 " 169 "	16	12	238
169 " 177 "	16	12	—
177 " 187 "	18	13	—
187 " 196 "	18	13	—
196 " 205 "	20	14	—
205 " 214 "	20	14	—
214 " 223 "	22	15	—
223 " 232 "	22	15	—
232 " 241 "	24	17	—
241 " 251 "	24	17	—
251 " 261 "	26	18	—
261 " 271 "	26	18	—
271 " 283 "	28	19	—
283 " 293 "	28	19	—
293 " 304 "	30	20	—
304 " 345 "	30	20	—

SECOND SCHEDULE

[See rules 12 & 15]

General requirements for lifeboats

1. Every lifeboat shall be constructed with rigid sides.
2. (a) In any lifeboat fitted with a rigid shelter, the shelter shall be capable of being readily opened from both inside and outside and shall not impede rapid embarkation and disembarkation or the launching and handling of the lifeboat.
2. (b) Such a shelter where fitted may be accepted as complying with the requirements of clause (x) of sub-rule (1) of rule 23.
3. Every lifeboat, except wooden lifeboats made of planks, shall have a block coefficient of the cubic capacity as determined in accordance with the Third Schedule of not less than 0.64.
4. Every lifeboat shall be of such form and proportions that it shall have ample stability in a seaway, and sufficient free-board when loaded with its full complement of persons and equipment.
5. Every lifeboat shall be so constructed that it shall be capable of maintaining positive stability when open to the sea and loaded with its full complement of persons and equipment.
6. (a) Every lifeboat shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient

strength to permit its being safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment.

(b) It shall be of such strength that it will not suffer residual deflection if subjected to an overload of at least 25 per cent.

7. No lifeboat shall be less than 4.9 metres in length except that where these rules permit a lifeboat to be carried as an alternative to a Class C boat, the length of such lifeboat shall not be less than that of the Class C boat as determined in accordance with paragraph 3 of the Sixth Schedule.

8 No lifeboat when laden with its full complement of persons and equipment shall weigh more than 20.3 tonnes.

9. In every lifeboat all thwart and side seats shall be fitted as low in the lifeboat as practicable and bottom boards shall be fitted.

10. Every lifeboat shall have a mean sheet at least equal to four per cent of its length and the sheet shall be approximately parabolic in form.

11. Every lifeboat shall be fitted with internal buoyancy appliances which shall consist either of air cases or buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products and which shall not adversely affect the boat.

12. In every lifeboat the total volume of the internal buoyancy appliances shall be such that it will be at least equal to the sum of the volumes of:—

(a) that required to float the lifeboat and its full equipment when the lifeboat is flooded and open to the sea so that the top of the gunwale amidships is not submerged;

(b) that equal to ten per cent of the cubic capacity of the lifeboat;

13. In the case of lifeboats which accommodate 100 or more persons, the volume of the buoyancy appliances required by clause (b) of the preceding paragraph 12 of this Schedule shall be increased as follows:—

(a) in lifeboats which accommodate from 100 to 130 persons by an amount determined by interpolating between nil at 100 persons and 1.5 per cent of the cubic capacity of the lifeboat at 130 persons;

(b) in lifeboats which accommodate over 130 persons by an amount equal to 1.5 per cent of the cubic capacity of the lifeboat.

THIRD SCHEDULE

[See rules 13(1) and 14]

Calculation of cubic capacity of lifeboats

1. Subject to the provisions of paragraph 4 of this Schedule, the cubic capacity of a lifeboat for the purpose of these rules shall be measured in cubic metres and shall be determined by Stirling's (Simpson's) Rule, which may be considered as given by the following formula:—

(a) Cubic Capacity = $L/12 (4A + 2B + 2C)$, where L

denotes the length of the lifeboat in metres from the inside of the shell at the top of the stem to the corresponding point at the top of the stern post; in the case of a lifeboat with a square stern the length is measured to the inside of the top of the transom; and A, B, C, denote respectively the areas of the cross-sections at the quarter length forward, amidships and the quarter length aft which correspond to the three points obtained by dividing L into four equal parts (the areas corresponding to the two ends of the lifeboat shall be considered negligible).

(b) The areas A, B, C, shall be deemed to be given in square metres by the successive application of the following formula to each of the three cross sections:—

Area = $h/12(a+4b+2c+4d+e)$, where h denotes the depth measured in metres inside the shell from the keel to the level of the gunwale, or, in certain cases, to a lower level as determined hereafter, and a, b, c, d, e , denote the horizontal breadths of the lifeboat measured in metres inside the shell at the upper and lower points of the depth and at the three points obtained by dividing into four equal parts (a and e being the breadths at the extreme points, and c at the middle point of b).

(c) The capacity of a square-sterned lifeboat shall be calculated as if the lifeboat had a pointed stern.

2. If the sheer of the gunwale, measured at the two points situated at the quarter of the length of the lifeboat from the ends, exceeds one per cent of the length of the lifeboat, the depth employed in calculating the area of the cross-section A or C shall be deemed to be depth amidships plus 1 per cent of the length of the lifeboat.

3. If the depth of the lifeboat amidships exceeds fortyfive per cent of the breadth, the depth employed in calculating the area of the amidship cross-section B shall be deemed to be equal to fortyfive per cent of the breadth, and the depth employed in calculating the areas of the quarter length sections A and C is obtained by increasing this last figure by an amount equal to one per cent of the length of the lifeboat;

Provided that in no case shall the depths employed in the calculation exceed the actual depths at these points.

4. Unless the owner of the lifeboat requires the cubic capacity to be determined by exact measurement, the cubic capacity of a lifeboat constructed of wooden planks may be assumed to be the product of the length, the breadth and the depth multiplied by 0.6 if this formula does not give a greater capacity than that obtained by the formula set out in paragraph (1) of this Schedule. The dimensions shall be measured in the following manner:

- (a) Length—From the intersection of the outside of the planking with the top of the stem to the corresponding point at the sternpost, or in the case of squaresterned lifeboat, to the after side of the top of the transom;
- (b) Breadth—From the outside of the planking at the point where the breadth of the lifeboat is greatest.
- (c) Depth—Amidship inside the planking from the keel to the level of the top of the gunwale but the depth used in calculating the cubic capacity may not in any case exceed fortyfive per cent of the breadth.

5. The cubic capacity of a motor lifeboat or a lifeboat fitted with other propelling gear shall be obtained from the gross capacity by deducting a volume equal to that occupied by the motor and its accessories or the gear box of the other propelling gear, and any equipment with which the lifeboat may be provided in compliance with rule 25.

FOURTH SCHEDULE

(See rule 14 (a))

Machinery of motor lifeboats

1. The engine shall be capable of being readily started in cold weather and of running reliably under conditions of extremes of temperature.

2. (a) The engine shall operate properly under conditions of at least 10 degrees trim.

(b) Circulating water pumps where fitted shall be self-priming.

(3) (a) The engine and its accessories, including the fuel tank, pipes and fittings, shall be adequately protected to ensure reliable operation under conditions likely to arise at sea during adverse weather.

(b) The engine casing shall additionally be fire-resisting, and in the case of air-cooled diesel engines shall be so designed that the supply of cooling air is not restricted.

4. Means shall be provided in all lifeboats to prevent the spread of oil, in a wooden lifeboat a metal tray shall be fitted under the engine.

5. (a) The fuel tank shall be substantially constructed securely fixed in position with a metal tray underneath and fitted with suitable filling, vapour venting and relief arrangements.

(b) No part of the tank or its connections or any part of the fuel piping or fittings shall depend on soft solder for tightness, and tanks made of steel shall be protected externally against corrosion by sea water by metal spraying or similar means.

(c) The tank and its connections shall be capable of withstanding hydraulic pressure corresponding to a head of at least 4.5 metres.

(d) A dock shall be fitted at each end of the pipe.

6. The engine and fuel tank spaces shall be efficiently ventilated.

7. The shafting and other moving parts shall be fenced where necessary to protect the persons in the lifeboat from injury

FIFTH SCHEDULE

(See rule 15)

Machinery of mechanically propelled

LIFEBOATS

1. The propelling gear shall be so arranged that it can be rapidly and easily made ready for service and will not interfere with the rapid embarkation of persons into the lifeboat.

2. If the propelling gear is manually operate it shall be capable of being operated by persons untrained in its use and shall be capable of being operated when the lifeboat is flooded.

3. The propelling gear shall not require adjustment to enable it to be worked by persons of different stature and it shall be effective in propelling the lifeboat partially or fully loaded.

4 (a) The propelling gear shall be substantially constructed and fitted to the lifeboat in an efficient manner.

(b) The metal part of any operating handle shall be suitably sheathed by material other than wood to ensure that the hands of the operators are protected in conditions of extreme cold.

5. The propelling gear shall be of sufficient power to enable the lifeboat when loaded with its equipment required by these rules and a distributed weight equal to the full number of persons which it is fit to carry to be propelled at a speed ahead of at least 3.5 knots in smooth water over a distance of 400 metres.

6. The propelling gear shall be capable of propelling the lifeboat ahead or astern and a device shall be fitted by means of which the helmsman can cause the lifeboat to a stern or ahead at any time when the propelling gear is in operation.

SIXTH SCHEDULE

(See rules 16)

1. Every class C boat shall be an open boat constructed with rigid sides.

2. The boat shall be of such form and proportions that it shall have ample stability in a seaway and sufficient freeboard when loaded with the greatest number of persons for whom seating is provided and with its full equipment.

3. The length of the boat shall be at least —

- (a) 4.3 metres for a ship whose length is 12 metres or more but less than 24 metres;
- (b) 4.9 metres for a ship whose length is 24 metres or more but less than 35 metres;
- (c) 5.2 metres for a ship whose length is 35 metres or more but less than 44 metres.
- (d) 5.5 metres for a ship whose length is 44 metres or more.

4. All thwart and side seats in the boat shall be fitted as low in the boat as practicable and bottom boards shall be fitted.

5. The boat shall be square-sterned and shall have a mean sheer at least equal to five per cent of its length.

6. The boat shall be fitted with internal buoyance appliances which shall be so placed as to secure stability when the boat is fully laden under adverse weather conditions.

7. The internal buoyance appliances shall consist either of air cases constructed of copper or muntz metal of not less than 1675 grams to the superficial metre, or of other equal suitable material.

8. The total volume of the internal buoyance appliances in a wooden Class C boat shall be at least equal to seven and one-half per cent of the cubic capacity of the boat which shall be determined in accordance with paragraph 4 of the Third Schedule.

9. The buoyance of a class C boat which is made of any material other than wood shall be not less than that required for a wooden class C boat of the same cubic capacity and the volume of the internal buoyance appliances shall be increased accordingly.

10. The minimum number of persons for whom seating shall be provided shall be equal to the greatest number obtained by multiplying by 2.65 the cubic capacity of the boat in cubic metres.

SEVENTH SCHEDULE

(See rules 2(f) and (n) 17, 19(2) and (3), 27(f) and (g))

Requirement for life-rafts

PART I

Inflatable life-rafts

1. Subject to the provisions of paragraph 2 of this Part every inflatable life-raft shall comply with the following requirements :—

- (a) the life-raft shall be so constructed that when fully inflated and floating with the cover uppermost, it shall be stable in a seaway;
- (b) the life-raft shall be so constructed that if it is dropped into the water from a height of 18 metres neither the life-raft nor its equipment will be damaged;
- (c) (i) the construction of the life-raft shall include a cover of a highly visible colour which shall automatically be set in place when the life-raft is inflated;
- (ii) this cover shall be capable of protecting the occupants against injury from exposure, and means shall be provided for collecting rain;
- (iii) the top of the cover shall be fitted with a lamp which derives its luminosity from a sea-activated cell and a similar lamp shall also be fitted inside the life-raft;
- (d) (i) the life-raft shall be fitted with a painter and shall have a lifeline becketed round the outside;

(ii) a lifeline shall also be fitted round the inside of the life-raft;

(c) the life-raft shall be capable of being readily righted by one person if it inflates in an inverted position;

(f) the life-raft shall be fitted at each opening with efficient means to enable persons in the water to climb on board;

(g) (i) the life-raft shall be contained in a valise or other container so constructed as to be capable of withstanding hard wear under conditions encountered at sea;

(ii) the life-raft in its valise or other container shall be inherently buoyant;

(h) the buoyance of the life-raft shall be so arranged as to ensure by a division into an even number of separate compartments, half of which shall be capable of supporting out of the water the number of persons which the life-raft is fit to accommodate or by some other equally efficient means, that there is a reasonable margin of buoyancy if the raft is damaged or partially fails to inflate;

(i) the total weight of the life-raft, its valise or other container and its equipment shall not exceed 180 K. gms.

(j) the number of persons which a life-raft shall be deemed fit to accommodate shall be equal to—

(i) the greatest whole number obtained by dividing by 96 the volume, measured in cubic decimetres of the main buoyancy tubes (which for this purpose shall include neither the arches nor the thwarts if fitted) when inflated or

(ii) the greatest whole number obtained by dividing by 3720 the area, measured in square centimetres of the floor (which for this purpose may include the thwart or thwarts if fitted) of the life-raft when inflated;

whichever number shall be the less;

(k) the floor of the life-raft shall be waterproof and shall be capable of being sufficiently insulated against cold either—

(i) by means of one or more compartments which the occupants can inflate if they so desire, or which inflate automatically and can be deflated and re-inflated by the occupants; or

(ii) by other equally efficient means not dependent on inflation;

(l) (i) the life-raft shall be inflated by a gas which is not injurious to the occupants and the inflation shall take place automatically either on the pulling of a line or by some other equally simple and efficient method;

(ii) means shall be provided whereby a topping-up pump or bellows may be used to maintain pressure;

(m) the life-raft shall be of suitable material and construction, and shall be so constructed as to be capable of withstanding exposure for 30 days afloat in all sea conditions;

(n) every life-raft which is designed for use with a launching appliance shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit it to be safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment;

(o) the life-raft shall have a carrying capacity calculated in accordance with sub-paragraph (j) of this paragraph of not less than six persons or more than twenty five persons;

- (p) the life-raft shall be capable of operating throughout a temperature range of 66 degree C to minus 30 degree C ;
- (q) the life-raft shall be fitted with arrangements enabling it to be readily towed.
- (r) every life-raft carried on a ship which is provided with portable radio equipment shall be provided with arrangements for accommodating properly in the operating position the aerial of such equipment.
2. In ships of Classes IV and V and in ships of Class VIII of under 500 tons gross or under 21 metres in length, the requirements of sub-paragraphs (b), (c), (k) (o), (p) and (q) of paragraph 1 of this part may be modified as follows :—
- (a) the height of 18 metres referred to in the said sub-paragraph (b) may be the height equivalent to that of the deck on which the life-rafts is stowed above the ship's light water line, but in no case less than 6 metres ;
- (b) means for collecting rain referred to in the said sub-paragraph (c) shall not be required to be provided ;
- (c) the method for insulating the floor of the life-raft against cold as referred to in the said sub-paragraph (k) shall not be required to be complied with ;
- (d) the minimum carrying capacity of life-rafts required by the said sub-paragraph (o) as six persons may be four persons, provided that life-rafts which are deemed fit to accommodate less than six persons shall only be carried on such ships on which the total number of persons on board is less than six ;
- (e) the temperature of minus 30 degree C referred to in the said sub-paragraph (p) may be minus 18 degree C ;
- (f) the arrangements for towing referred to in the said sub-paragraph (q) shall not be required to be provided.
- (f) the equipment of the life-raft shall be so stowed as to be readily available whichever way up the life-raft is floating ;
- (g) (i) the total weight of any life-raft and its equipment carried in passenger ships shall not exceed 180 K. gms.
- (ii) life-raft carried in cargo ships may exceed 180 K. gms. in weight if they are capable of being launched from both sides of the ship or if means are provided for putting them into the water mechanically on either side of the ship ;
- (h) the life-raft shall, at all times, be effective and stable when floating either way up ;
- (i) the number of persons which the life-raft shall be deemed fit to accommodate shall be equal to —
- (i) the greatest whole number obtained by dividing by 96 the volume measured in cubic decimetres of the air cases or of buoyant material ; or
- (ii) the greatest whole number obtained by dividing by 3720 the deck area of the life-raft measured in square centimetres ;
- whichever number shall be the less.
- (j) (i) the life-raft shall have a painter attached and a lifeline securely becketed round the outside ;
- (ii) a life shall also be fitted round the inside of the life-raft ;
- (k) the life-raft shall be fitted at each opening with efficient means to enable persons in the water to climb on board ;
- (l) the life-raft shall be so constructed as not to be effected by oil or oil products ;
- (m) a buoyant light of the electric battery type shall be attached to the life-raft by a lanyard ;
- (n) the life-raft shall be fitted with arrangements enabling it to be readily towed ;
- (o) life-rafts shall be so stowed as to float free in the event of the ship sinking ;
- (p) every life-raft carried on a ship which is provided with portable radio equipment shall be provided with arrangements for accommodating properly in the operating position the aerial of such equipment.

PART II

Rigid life-rafts

Every rigid life-raft shall comply with the following requirements :—

- (a) the life-raft shall be so constructed that if it is dropped into the water from its stowed position neither the life-raft nor its equipment will be damaged ;
- (b) any life-raft which is designed for use with a launching appliance shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit it to be safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment ;
- (c) the life-raft shall be so constructed that its air cases or buoyant material are placed as near as possible to its sides ;
- (d) (i) The deck area of the life-raft shall be situated within that Part of the life-raft which affords protection to its occupants,
- (ii) the nature of the deck shall be such as to prevent so far as practicable the ingress of water and it shall effectively support the occupants out of the water ;
- (e) the life-raft shall be fitted with a cover of equivalent arrangements of a highly visible colour, which shall be capable of protecting the occupants against injury whichever way up the life-raft is floating ;

EIGHTH SCHEDULE

(See rule 18)

Requirements for buoyant apparatus

1. (i) Buoyant apparatus shall be of such construction that it retains its shape and properties when exposed to the weather on board ship and when in the water ;
- (ii) It shall be constructed so as not to require adjustment prior to use.
2. Buoyant apparatus shall be capable of withstanding a drop test, the height of which shall be equivalent to that of the deck on which it is stowed above the ship's light water line, but in no case less than the following :—

Apparatus carried in ships of Class I and Class III.....
18 metres

Apparatus carried in ships of Class IV.....
6 metres.

3. (i) Buoyant apparatus shall be effective and stable when floating either way up;

(ii) It shall be capable of supporting a weight of iron suspended in fresh water from the grab lines, 23 K. gms per metre of length along any edge (subject to a minimum of 29 K. gms.) without immersing any part of the upper surface of the apparatus.

4. (i) The air cases or equivalent buoyancy shall be placed as near as possible to the sides of the apparatus, and such buoyancy shall not be dependent upon inflation;

(ii) Buoyant material shall not be adversely affected by oil or oil products nor shall it adversely affect the buoyant apparatus.

5. (1) (i) Grab lines shall be fitted all round the apparatus in such a manner as to provide a number of equal loops corresponding to the number of persons which the apparatus is fit to support;

(ii) Each loop shall have a cork or light wood float and the depth of the loop when wet shall not be less than 15 centimetres and not more than 20 centimetres.

2. (i) On apparatus exceeding 30 centimetres in overall depth two rows of grab lines shall be fitted, one having its points of attachment a little below the top of the air cases and the other a little above the bottom of the air cases and as close to the sides of the air cases as is practicable.

(ii) On apparatus of 30 centimetres or less in overall depth one row of grab lines may be attached along the line of the middle of the depth.

(3) (i) The grab lines shall be of rope of not less than 5 centimetres in circumferences;

(ii) They may be attached to the apparatus by being passed through holes in the framing and being interlaced to prevent movement, or they may be attached to the apparatus by means of wrought iron or steel fastenings;

(iii) Whichever method is adopted the attachment shall be strong enough to permit to apparatus being lifted by the grab lines.

6. Buoyant apparatus shall be fitted with a painter.

7. (i) Buoyant apparatus shall not exceed 181 K.gms. in weight unless suitable means are provided to enable it to be launched without lifting by hand,

(ii) If the weight of the apparatus exceeds 136 K.gms. suitable handles or rungs shall be fitted for this purpose.

8. Buoyant apparatus carried in ships of Class I shall not be less than 106 centimetres in breadth.

NINTH SCHEDULE

(See rule 20)

REQUIREMENTS FOR LIFEBUOYS

1. Every lifebuoy shall be constructed of cork, evenly formed and securely plugged, or of other equally efficient buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products and shall be capable of floating in fresh water for at least 24 hours with 14.5 K gms of iron suspended from it.

2. Every lifebuoy made of plastic or other synthetic compounds shall be capable of retaining its buoyant properties and durability in contact with sea water or oil products, or under variation of temperature or climate changes prevailing in open sea voyages.

3. A lifebuoy shall not be filled with rushes, cork, shavings, granulated cork or any other loose granulated material, and its buoyancy shall not depend upon air compartments which require to be inflated.

4. (i) The inside diameter of a lifebuoy shall be 45 centimetres and the outside diameter 76 centimetres,

(ii) the major axis of the sections shall be 15 centimetres;

(iii) the minor axis of the section shall be 10 centimetres.

5. Every lifebuoy shall be of a highly visible colour.

6. (i) Every lifebuoy shall be marked in block letter with the name and the port of registry of the ship in which it is carried;

(ii) lifebuoys constructed of materials other than cork shall be permanently marked with the manufacturer's trade name for that product.

7. Every lifebuoy shall be fitted with grab lines which shall be of good quality unsinkable line and well secured at four equidistant points, providing four loops of line each not less than 70 centimetres.

8. The weight of a lifebuoy shall not exceed 6.1 K.gms., when newly constructed.

TENTH SCHEDULE

[Sec rules 4(12), 5(15), 6(11), 7(15), 8(10), 9(12) and 11(9)]

REQUIREMENTS FOR LIFE-JACKETS

PART I

1. Subject to the provisions of paragraph 7 of this Part, every life-jacket for use by an adult person shall provide adequate buoyancy so as to enable it to satisfy the requirements of clause (b) of paragraph 3 of this Part.

Explanation:—For the purpose of this Part, every person weighing 30 kilograms or more shall be deemed to be an adult person.

2. Every such life-jacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 1.27 centimetres in size with the words 'For Adults' and on one side only with the marker's name or other identification mark.

3. Every such life-jacket shall also comply with the following requirements:

(a) it shall be so constructed as to eliminate as far as possible all risk of its being put on incorrectly and it shall be capable of being worn inside out;

(b) (i) it shall be capable of lifting the fact of an exhausted or unconscious person out of the water and holding it safely above the water with the body inclined backwards from its vertical position;

(ii) it shall be capable of turning the body in the water from any position to a safe floating position with the body inclined backwards from its vertical;

(iii) The buoyancy of the life-jackets required to provide the foregoing performance shall not be reduced by more than five per cent after 24 hours submersion in fresh water;

(c) it shall not be adversely affected by oil or oil products;

(d) it shall be of a highly visible colour;

(e) it shall be fitted with a ring or loop or similar device of adequate strength of facilitate rescue;

(f) it shall be made of materials of low flammability and the fabric with which it is covered and its tapes shall be rotproof;

(g) it shall be fitted with an approved whistle firmly attached by a lanyard;

(h) (i) it shall have fastening tapes securely attached to the life jacket cover and capable of taking a load of 91 K.gms.

- (ii) the method of fastening the tapes shall be such as to be easily understood and capable of being readily carried out;
- (iii) metal fastening when used shall be of a size & strength consistent with the fastening tapes and of corrosion resistant material;
- (iv) it shall allow the wearer to jump a vertical distance of 6.1 metres into the water without injury and without dislodgement of the life-jacket.

4. The buoyancy of every such life-jacket shall be provided by kapok or other equally effective buoyant material.

5. Every such kapok life-jacket shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 4 of this part comply with the following requirements:—

- (a) it shall contain not less than 1 K.gm. of kapok;
- (b) the kapok shall be of good floatation quality, well teased, evenly packed and free from seeds and other foreign matter;
- (c) the kapok shall be protected from the effects of oil or oil products so that the loss of buoyancy in the life-jacket, after floating in disturbed water containing a layer of not less than 3 millimetres in depth of a mixture of gas oil for a period of 48 hours, shall not exceed 2 per cent of the initial buoyancy and for the purpose of this test the life-jacket shall be loaded with weights equal to half its initial buoyancy;
- (d) (i) the covering shall be of pre-shrunk cotton material, the weight of which in loom-state per metre shall be not less than 170 gms. for a width of 0.68 metres and in proportion for other width;
- (ii) the fabric shall be free from admixture of sizing or other foreign matter;
- (iii) the threads per 25 m.m. in loomstate shall be warp 44 two-old threads and waft 34 two-fold threads;
- (iv) the sewing shall be carried out with linen thread of not less quality than No. 25a fine cord whittemore cord.

6. Every such life-jacket using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 4 and clause (d) of paragraph 5 of this part comply with the following requirements:—

- (a) (i) the material shall not weight more than 192.5 K. gms. per cubic metre and shall be of good quality and clean;
- (ii) if the material is in pieces, the size of each piece shall be not less than 164 cubic centimetres unless such pieces are in layer from and are fastened together with an approved adhesive;

(b) the material shall be chemically stable.

7. Every life-jacket the buoyancy of which depends on inflation, which may be carried for use by members of the crews of ships, other than tankers, of Classes VI and VII, shall comply with the requirements of paragraph (3) of this part and in addition shall comply with the following requirements:—

- (a) it shall have two separate buoyancy compartments in either of the following forms—
 - (i) one compartment of inherent buoyancy equal to at least 9 k.gms. and one air compartment of at least 6.8 k.gms; or
 - (ii) two separate air compartments each of at least 9.4 k.gms. buoyancy;
- (b) it shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 25 m.m. in size with the words "CREW ONLY" and on one side only with the maker's name or other identification mark in smaller letters;

- (c) it shall be capable of being inflating both mechanically and by mouth.

PART II

1. Every life-jacket for use by a child shall provide adequate buoyancy so as to enable it to satisfy the requirements of clause (b) of paragraph 3 of part I. Explanation:—For the purposes of this Part, every person weighing less than 30 kilograms shall be deemed to be a child.

2. Every such life-jacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 12.7 m. in size with the words "FOR CHILD" and on one side only with the maker's name or other identification mark.

3. Every such life-jacket shall comply with the requirements of paragraphs 3 and 4 of Part I.

4. Every such kapok life-jacket shall contain not less than 425 gms. kapok and shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 3 of this Part comply with the requirements of clauses (b), (c) and (d) of paragraph 5 of Part I.

5. Every such life-jacket using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 3 of this Part comply with clause (d) of paragraph (5) and sub-paragraphs (a) and (b) of paragraph 6 of Part I.

ELEVENTH SCHEDULE

(See rule 22)

REQUIREMENTS FOR LINE THROWING APPLIANCES

1. Every line-throwing appliance shall include 4 rockets and 4 lines, each line being 12.7 millimetres in circumference and of suitable length, and having a breaking strain of not less than 114 K.gms.

2. Every line-throwing appliance shall be capable of throwing the line in such a manner that the lateral deflection of the line on either side of the direction of firing does not exceed ten per cent of the length of flight of the rocket.

3. The lines and the rockets, with the means of igniting them, shall be kept in a watertight case.

4. Every line-throwing appliance carried in ships of 44 metres in length or over, shall be capable of throwing a line 12.7 millimetres in circumference a minimum distance of 230 metres in calm weather.

5. Every line-throwing appliance carried in ships of less than 44 metres in length, shall be capable of throwing a line 12.7 millimetres in circumference a minimum distance of 123 metres in calm weather.

6. (i) All components, compositions and ingredients of the rockets and the means of igniting them shall be of such a character and of such quality as to enable them to maintain their service ability under good average storage conditions for a period of at least two years.

(ii) The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and its container and the date of packing shall be similarly stamped on the cartridge containers.

TWELVTH SCHEDULE

[See rules 23(i), (j), (k), (n), (o), (p) and (u) and 27(l) (i), (m) and (n).]

SPECIFICATIONS OF EQUIPMENT FOR LIFEBOATS, BOATS AND LIFE-RAFTS

PART I

Compasses for Lifeboats

1. (i) Every compass shall be of the liquid type.

(ii) The liquid used shall be a mixture of industrial methylated spirit and water, specific gravity 0.93 at 15.5°C]

It shall function efficiently over a temperature range of -23.5°C to $+49^{\circ}\text{C}$.

2 (i) The magnet shall have ample directive force

(ii) In a period of 18 to 22 seconds after a deflection of 40 degrees at a temperature of about 15.5°C shall be deemed to comply with the requirement. For the purposes of this paragraph a 'period' is the time taken by a complete oscillation of the card after a deflection of 40 degrees, a swing past the position of rest, and back again to the completion of the swing on the side to which it was originally deflected.

3 Over a range of -23.5 to $+49^{\circ}\text{C}$ the card system when immersed in the compass liquid shall rest on the pivot with a weight between 4 and 10 grammes.

4 (i) The card shall not be less than 10 centimetres in diameter and shall have a clearance from the bowl of at least 7 millimetres.

(ii) It shall be marked to half points, the eight principal points being distinctively marked. The card shall be illuminated or fitted with a suitable means of illumination.

5 The centre of the card shall be of sapphire or equally suitable hard material.

6 The pivot of the card shall be of indium or equally suitable hard material.

7 The arrangements made to allow for the expansion and contraction of the liquid shall enable the compass to withstand a temperature range of -23.5°C to $+49^{\circ}\text{C}$ without leakage, formation of bubbles or other defects.

8 (i) The bowl shall be adequately weighted and properly poised in the gimbals which shall give a fore and aft and thwartship action.

(ii) The gimbaling shall be in the same horizontal plane as the point of suspension of the card and the outer gimbal pins shall be placed fore and aft.

(iii) The bowl shall be placed in a binnacle or box of non magnetic material and the lubber line or point shall be illuminated or fitted with suitable means of illumination.

(iv) The card system shall remain free when the bowl is tilted by 10 degrees.

9 (i) The direction of the lubber line or point from the centre of the card shall lie in the same vertical plane as the outer gimbal axis or other fore and aft datum line.

(ii) The cumulative effect of card, pivot, directional and other similar errors, and of inaccurate positioning of the lubber's point, shall be such that in the undisturbed earth's field the direction as read on the card against the lubber's point shall not differ by more than 3 degrees from the magnetic direction of the outer gimbal axis or other fore and aft datum line for any direction of the latter.

10 (i) The minimum thickness of the metal used in the construction of the compass shall be as follows—

Compassbowl	—21 S W G
Binnacle	—24 S W G
Lamp	—24 S W G

(ii) (a) The compass bowl shall be efficiently stiffened to take gimbal pins.

(b) The binnacle shall be swaged or spun into the base ring and soldered all round.

(iii) (a) The gimbal ring shall be of naval brass or other rigid non magnetic metal 16 mm by 3.1 mm.

(b) Gimbal pins shall be of naval brass or other hard non magnetic material of 6.2 mm diameter, both they and the bearings in which they are engaged shall be perfectly smooth.

11 The point inside the bowl shall show no sign of blistering.

12 The materials and workmanship shall be good throughout and the compass shall be such as will remain efficient under sea going conditions.

13 The bowl of the compass shall be engraved or stamped with the maker's name or other identification mark.

PART II

SEA ANCHORS FOR LIFEBOATS AND BOATS OTHER

THAN CLASS C BOATS

1 Every sea anchor shall comply with the following requirements—

(a) It shall be constructed of No. 1 best flax canvas or other suitable material.

(b) The canvas part shall be strongly sewn together and be roped at the seams with 44 mm bolt rope; the ropes then being formed into a bridle with a thimble seized in the connecting end and the ropes extended and seized into a parcelled loops to form the attachment for the tripping line.

(c) A hawser shall be attached to the sea anchor by means of a shackle of suitable size to take the thimble.

(d) The length of the hawser shall be three times the length of the lifeboat or boat.

(e) A tripping line two fathoms longer than the hawser shall be provided.

2 (i) A circular sea anchor shall be fitted at the mouth with a galvanised iron hoop.

(ii) Any other type of sea anchor shall be fitted with galvanised iron spreaders across the mouth and with an ash spreader at the upper edge.

3 The size of sea anchors shall be as follows—

(a) For lifeboats over 9 metres in length Non circular folding sea anchors—Mouth 76 cms Upper edge 68 cms lower edge 68 cms each side.

Area of mouth 50 square decimetres

Length of canvas bag—1.37 metres

Hawser—76 mm in circumference

Tripping line—51 mm in circumference

(b) For lifeboats not over 9 metres in length—7 metres in length but not over 9 metres in length

Circular sea anchors—Mouth 68 cms diameter

Non-circular folding sea anchors—Mouth 61 cms each side

Length of canvas bag—1.2 metres

Hawser—76 mm in circumference

Tripping line—51 mm in circumference

(c) For lifeboats not over 6.7 metres in length and other boats (other than Class C boats)—

Circular sea anchors—Mouth 61 cms diameter.

Non-circular folding sea anchors—Mouth 55 cms each side

Length of canvas bag—7 metre

Hawser—64 mm in circumference

Tripping line—38 mm in circumference

PART III

PARACHUTE DISTRESS ROCKET SIGNALS FOR LIFEBOATS AND LIFERAFTS

1 (i) Every parachute distress rocket signal shall consist of a single bright red star which is projected to the

required height by means of a rocket, and which burns while falling, its rate of fall being controlled by means of a small parachute to an average rate of 4.5 metres per second.

(ii) It shall be fitted with a self-contained means of ignition, so designed as to operate from the hand-held position without external aid, and as to enable the rocket to be discharged from a lifeboat, boat or liferaft without harm to the occupants.

2. (i) When the rocket is fired approximately vertically, the star and parachute shall be ejected at or before the top of the trajectory, at a minimum height of 183 metres,

(ii) The rocket shall also be capable of functioning when fired at an angle of 45 degrees to the horizontal.

3. (i) The star shall burn with a minimum luminosity of 15,000 candle power for not less than 30 seconds.

(ii) It shall burn out at a height of not less than 46 metres from the sea level.

4. (i) The parachute shall be of such a size as to provide the required control of the rate of fall of the burning star.

(ii) It shall be attached to the star by means of flexible fireproof harness.

5. The rocket shall be waterproof and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

6. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

7. (i) The rocket shall be packed in a container which shall be effectively sealed.

(ii) If made of metal, the container shall be well tinned and lacquered or otherwise adequately protected against corrosion.

8. The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and on the container.

9. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

PART IV

HAND-HELD DISTRESS FLARE SIGNALS FOR LIFE-BOATS AND LIFERAFTS

1. Every hand-held distress flare signals shall be fitted with a self-contained means of ignition so designed as to operate from a hand-held position without external aid and as to enable the flare to be displayed from a lifeboat, boat or liferaft without harm to the occupants.

2. Where the flare is carried in a liferaft it shall be so constructed that, when the flare is fired, no burning composition will fall from the flare which might cause damage to the liferaft.

3. The flare shall be capable of emitting a red light of minimum luminosity of 15,000 candle power for not less than 55 seconds.

4. The flare shall be waterproofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

5. All components, composition and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to burn evenly and as to enable the flare to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

6. The flare shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

7. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

PART V

BUOYANT SMOKE SIGNALS FOR LIFEBOATS

1. Every buoyant smoke signal shall be fitted with self-contained means of ignition.

2. The signals shall be capable, while floating on the water, of emitting a dense volume of orange-coloured smoke for a period of not less than two minutes and not more than four minutes.

3. The signal shall be waterproofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

4. All components, composition and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to burn evenly and as to enable the signal to maintain its serviceability under average storage conditions for a period of at least two years.

5. The signal shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

6. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the signal.

PART VI

FIRST AID OUTFITS FOR LIFEBOATS

1. The contents of every first aid outfit provided in a lifeboat shall include the following :—

Article	Quantity
(a) Collapse Revivers (6 capsules of Fragrant Ammonia)	1 Tin
(b) Compound Code --in Tablets (1ab. Codein Co.)	25 Tablets
(c) Six Morphine Ampoule Syringes containing a Solution of either a morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine $\frac{1}{2}$ gr. in 1 c.c. or Papaveretum B.P.C. $\frac{1}{2}$ gr. in 1 c.c. in screw capped metal dram with directions for use	1 Drum
(d) Standard Dressings No. 14 medium B.P.C., 15 cms. \times 10 cms.	2
(e) Standard Dressings No. 15, Large B.P.C. 20 cms. \times 16 cms.	2
(f) Elastic Adhesive Dressings, 5 cms \times 8 cms Packets of three	2 packets
(g) Bandages, Triangular, illustrated, not less 95 cms wide, 1.25 metric base	5
(h) Gauze, white, absorbent, compressed, 85 cms \times 2.25 metres	3
(i) Roller Bandages, compressed 5.6 cms \times 3.5 metres	4
(j) Bandage, unbleached Calico 15 cms \times 5.5 metres	1
(k) Cotton wool compressed 125 grams packet	1 packet
(l) Safety Pins, brass plated 5 cms	6
(m) Soft paraffin 30 grams tube	1
(n) Scissors, 10 cms, 1 sharp, 1 blunt point of rustless and stainless steel	1
(o) Energy Tablets (10 mg. amphetamine Sulphate)	60 Tablets
(p) Silica Gel.	1 Capsule
(q) Instructions in the English and Hindi languages printed on linen or waterproof Paper	

The first aid outfit shall be packed in a container which shall comply with the following requirements :—

- (a) It shall be durable, damp-proof and effectively sealed. It shall also be sealed with a device to indicate that the contents are intact.
- (b) It shall be packed in a room from which atmospheric moisture has been removed as far as possible.
- (c) Where the container is made of metal, it shall be well tinned and lacquered, and a handle shall be fitted to the lid.
- (d) An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

PART VII

MANUAL PUMPS FOR LIFEBOATS

1. Every lifeboat manual pump shall comply with the following requirements :—

1. The capacity when operated at not more than 60 double strokes per minute at 1.2 metres suction head, shall be not less than :—

- (a) 32 litres per minute in lifeboats of 7.3 metres in length or over; or
- (b) 23 litres per minutes in lifeboats of less than 7.3 metres in length.

2. In its normal dry state (excluding internal grease or other assistance) the pump shall be readily self-priming when operated at a suction head of not less than 1.2 metres.

3. All parts of the pump shall be of material unaffected by the corrosive effects of sea water.

4. The interior of the pump, including valves, shall be readily accessible for emergency cleaning, and the cover for access shall be capable of being easily removed without the use of spanner or other special tool.

5. The pump branches shall be suitable for use with rubber hose connections of at least 32 mm bore. The metal part of the operating handle shall be suitably sheathed by material other than wood to ensure that the hands of the operator are protected when the pump is used in extreme cold. The spindle gland shall be of the spring loaded seal ring type.

PART VIII

1. Subject to the provisions of paragraph (2) of this part the contents of every first aid outfit provided in a life-raft shall include the following :—

Articles	Quantity
(a) Standard Dressing No. 14 Medium B.P.C. 15 cms. × 10 cms.	4
(b) Standard Dressings No. 15 Large B.P.C. 20 cms. × 15 cms.	4
(c) Bandages, Triangular, Illustrated, not Less than 95 cms side 1.25 metres base	4
(d) Open weave Bandages, B.P.C. 8 cms × 3.5 metres	10
(e) Antiseptic Burn or wound Cream, Cetrimide B B C 0.5% w.w 50 gm.tube	2
(f) Scissors 10 cms, 1 sharp, blunt point, of rustless and stainless steel	1

Articles	Quantity
(g) Six Morphine Ampoule Syringes Containing a solution of either morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine in gm 1 c.c. or Papaveretum B.P.C. 1 grain 1 c.c. in screw capped metal drum with directions for use	1 Drum
(h) Instructions in the English Language printed on linen or waterproof paper.	2

2. In ships of Class VIII of less than 21.3 metres in length the contents of the first aid outfit provided in every life-raft shall be one-half of the quantities specified in clauses (a) to (e) inclusive of paragraph 1 of this part together with the items specified in clauses (f) and (h) of the said paragraph.

3. The first aid outfit shall be packed in a container or which shall be durable damp-proof and effectively sealed. An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

THIRTYFIFTH SCHEDULE

[See rule 29(9)]

DAVITS AND LIFEBOAT LAUNCHING GEAR

PART I

GENERAL

Definition of "Working Load". In this Schedule the expression "Working Load" means :—

- (a) in relation to davits to which clause (a) of paragraph 1 of Part II applies, the sum of the weight of the lifeboat, its full equipment, the blocks and falls, and the maximum number of persons which the lifeboat is deemed fit to carry, the weight of each person being taken to be 75 K. gms.
- (b) In relation to davits and other means of launching to which clause (b) or (c) of paragraph 1 of Part II applies, the sum of the weight of the lifeboat, Class C boat or other boat, its full equipment, the blocks and falls, and a launching crew consisting of two persons, the weight of each person being taken to be 75 K. gms.
- (c) In relation to winches the maximum pull exerted by the fall or falls at the winch drum during lowering, hoisting or stowing which in any case is to be taken as not less than the working load on the davit or davits divided by the velocity ratio of the lowering tackle.

PART II

CONSTRUCTION

1. Strength—

- (a) Every davit serving a lifeboat which is required by sub-rule (1) of rule 29 to be put into the water when loaded with its full complement of persons shall, together with its winch, falls, blocks and all other associated lowering gear, be of such strength that the lifeboat with its full equipment and manned by a launching crew of not less than two persons can be turned out and then safely lowered into the water from the embarkation position with its full complement of persons, when the ship has a trim of up to 10 degrees and is listed up to 15 degrees either way.
- (b) Every mechanically controlled single-arm davit shall together with its winch falls, blocks and all other associated lowering gear be of such strength and the operating gear shall be of such power that the lifeboat when fully equipped and manned with a launching crew of two members can be turned out and then safely lowered into the water with the ship listed to 25 degrees.

- (c) Every set of davits, davit or other means of launching to which a lifeboat, Class C boat or other boat is attached, other than a davit the strength of which is specified in clause (a) or (b) of this paragraph, shall together with its winch, falls, blocks and other associated lowering gear be of such strength that the lifeboat, Class C boat or other boat with its full equipment and manned by a launching crew of two members, can be turned out and then safely lowered into the water when the ship has a trim of 10 degrees and is listed up to 15 degrees either way.
- (d) Every set of davits, davit or other means of launching to which a lifeboat, Class C boat or other boat is attached, together with its winch and all associated hoisting gear shall be of such strength that the boat can be safely hoisted and stowed when loaded with its full equipment and at least two persons, and in addition in the case of emergency lifeboat that it can be safely hoisted from the water to the embarkation deck at a speed of not less than 18 metres per minute when loaded with its full equipment and a distributed load of 1016 K. gms.
2. Gravity davits :—(i) All gravity davits shall be so designed that there is a positive turning out moment during the whole of the davit travel from the inboard to the outboard position when the vessel is upright and also when the vessel is listed at any angle up to and including 25 degrees either way from upright.
- (ii) In the case of gravity type davits comprising arms mounted on rollers which engage with and travel down fixed inclined trackways, the trackways shall be inclined at an angle of not less than 30 degrees to the horizontal when the vessel is upright.
3. Luffing davits :—The operating gear of all luffing type davits shall be of sufficient power to ensure that the lifeboats, Class C boats or other boats fully equipped and manned with the launching crew, but not loaded with other persons, can be turned out against a list of at least 15 degrees.
4. Mechanically controlled singlearm davits :—The working load of any mechanically controlled singlearm davit shall not exceed 1524 K gms.
5. Stresses :—
- (a) In the case of davits other than mechanically controlled single—arm davits the designed stress on the davits arms, when operating under maximum load and conditions of trim and of list, shall afford an adequate factor of safety having regard to the quality of the material used, the method of construction and the live nature of the load to which the davits are subjected.
- (b) In the case of mechanically controlled single-arm davits the designed stress on the davit when operating under maximum load and conditions of favourable list shall afford an adequate factor of safety having regard to the quality of the material used, the method of construction, and the live nature of the load to which the davit is subjected.
6. Static load test :—Each davit with its arm at full outreach shall be capable of withstanding a static load test of not less than 2.2 times that part of the working load supported by the arm.
7. Attachments at the davit head :—The attachments at the davit head from which the blocks are suspended shall be capable of withstanding a proof load test of not less than 2-1/2 times the maximum load on the attachments.
8. Blocks :—
- (a)(i) All blocks used in the operation of hoisting and lowering of lifeboats, Class C boats or other boats shall be of a design that affords an adequate factor of safety.
- (ii) Lower blocks, when fitted, shall be non-toppling and in the case of emergency lifeboats provision shall be made to prevent the falls from cabling.
- (iii) The size of blocks shall be commensurate with the size of the falls.
- (b)(i) A metal block shall be capable of withstanding a proof load test of not less than 2-1/2 times the maximum load it is intended to carry in service.
- (ii) The clearance between the sheaves and the block cheeks of metal blocks in which wire rope is used shall be kept to a practical minimum that will prevent the rope from overriding the rim of the sheave of any block or lead sheave.
- (iii) Component parts of blocks other than their sheaves shall be of ductile material.
- (c) A wood block shall be capable of withstanding a proof load of not less than 2-1/2 times the load on the block. The width between the cheeks shall be 12.7 m.m. greater than the diameter of new cordage ropes when these ropes are 9.6 c.ms. in circumference, and less in proportion to the circumference of the ropes when they are smaller.
9. Wire ropes :—
- (a) The breaking tensile load of each wire rope used for lowering lifeboats, Class C boats or other boats shall be not less than six times, the maximum load on the wire rope when lowering, hoisting or stowing.
- (b) Wire ropes shall be securely attached to the drum of the winch, and the end attachments of the wires and other parts from which the lifeboat, Class C boat or other boat is to be suspended shall be capable of withstanding a proof load of not less than 2-1/2 times the load on such attachments and other parts.
- (c) where wire rope splices or ferrule secured eye terminals are used they shall be capable of withstanding a proof test of not less than 2-1/2 times the load imposed on them in service unless samples representing each size of wire on which they are used, show a factor of safety of at least 5 when tested to destruction.
10. Winches :—
- (a)(i) In the case of davits other than mechanically controlled single-arm davits, winch drums shall be arranged to keep the two falls separate and to enable them to pay out at the same rate.
- (ii) The leads of the wire ropes shall be such that they will wind evenly on the drums and lead blocks shall be arranged to give fleet angle or angle of lead of not more than five degrees for grooved drums and three degrees for ungrooved drums
- (iii) In the case of mechanically controlled single-arm davits, the lead of the wire rope fall shall be such that the fall winds evenly on the drum.
- (b)(i) Winch brakes shall be of robust construction and afford complete control and limitation of speed in the operation of lowering.
- (ii) The hand brake shall be so arranged that it is normally in the "ON" position and returns to the "ON" position when the control handle is not being operated.
- (iii) The weight on the brake lever shall be sufficient to operate the brake effectively without additional pressure.
- (iv) The brake gear shall include means for automatically controlling the speed of lowering to ensure that the lifeboat, Class C boat or other boat is lowered expeditiously without exceeding a rate of lowering consistent with safety.

- (v) For this purpose, the automatic brake shall be set to give a speed of lowering of the lifeboat of between 18 and 36 metres per minute.
 - (vi) Ratchet gear shall be incorporated in the hand brake mechanism of lifeboat winches.
 - (vii) Where practicable the brake gear shall be so situated as to enable the man operating the winch to have the lifeboat, Class C boat or other boat under observation during the whole process of its being launched into the water, provided that winches serving emergency lifeboats shall in any case be so placed.
 - (c) Each winch shall be capable of lowering and holding a test load of 1.5 times the working load as defined in item (c) of Part I.
 - (d) Winches shall be so constructed that the crank handle or handles are not rotated by moving parts of the winch when the lifeboat, Class C boat or other boat is being lowered or when it is being hoisted by power and provision shall be made to allow the falls to be manually unwound.
11. Cordage rope falls.—(i) Cordage rope falls shall be of manilla or some other suitable material and shall be durable, uninkable, firm laid and pliable.
- (ii) They shall be able to pass freely under any conditions through a hole 1 cm. larger than the nominal diameter of the rope.
- (iii) The breaking load of each rope used for lowering lifeboats, Class C boats or other boats shall be not less than 6 times the maximum load on the rope when lowering or hoisting.
- (iv) Rope of less than 63 cms. in circumference shall not be used for lifeboat falls. Winding reels or flaking boxes for the manilla rope falls shall be provided.

12. Bollards.—(i) Suitable bollards or other equally effective appliances for lowering any lifeboat, Class C boat or other boat shall be provided in all cases where cordage rope falls are used.

(ii) Such bollards or other appliances shall be sited so as to ensure that the lifeboat, Class C boat or other boat served by them can be safely lowered, and fairleads or lead sheaves shall be fitted so as to ensure that it shall not be lifted during the process of turning out or swinging out.

PART III

TESTS AFTER INSTALLATION ON BOARD

1. General.—Tests shall be made to ensure that all lifeboats, Class C boats or other boats attached to davits can be restowed from the embarkation position safely and with facility when loaded with the required at equipment and that when so loaded the lifeboat, Class C boat or other boat can when released be lowered by gravity into the water against the frictional resistance of the winch, falls, blocks and other associated gear.

2. Lowering tests :—

- (a) Each pair of davits to which clause (a) of paragraph (1) of Part II applies and any associated lifeboat winches and their brakes shall be capable of withstanding the following test :—

The lifeboat at each set of davits shall be lowered from the embarkation deck into the water loaded with the equipment required by these rules and a distributed weight equal to the full number of persons which it is deemed fit to accommodate plus 10 per cent of the working load, winch brakes exposed to the weather shall be capable of withstanding the foregoing test with braking surface wetted

- (b) In the case of davits to which clause (b) or (c) of paragraph (1) of Part II applies, the lifeboat, Class C boat or other boat shall be lowered into the water with the equipment required by these rules and a distributed weight equal to the weight

of a launching crew of two persons plus 10 per cent of the working load.

- (c) For the purpose of the tests required under clauses (a) and (b) the weight of a person shall be taken to be 75 Kgms.

3. Hoisting tests for emergency lifeboats.—Emergency lifeboats which are required by these rules to be served by winches for recovery shall in addition to the tests required by paragraph 2 of this Part be tested by hoisting the emergency lifeboat with the equipment required by these Rules and a distributed load of 1616 Kgms. plus ten per cent of the total hoisting load, including blocks and falls, from the water to the embarkation deck, at the maximum hoisting speed

FOURTEENTH SCHEDULE

[See rule 29 (16)(C)]

LIFEBOAT DISENGAGING GEARS

1. Lifeboat disengaging gears shall be so arranged as to ensure simultaneous release of both ends of the lifeboat.

2. The means of effecting release shall be placed aft.

3. The gear shall be of a type which will permit the release of the lifeboat only when it is waterborne.

4. The gear shall be of a type which will permit release should there be a towing strain on the link or falls.

5. The hooks shall be suitable for instant unhooking by hand.

6. The point of attachment of the hook to the eye, ring or link of the block shall not be lower than when ordinary fixed hooks are fitted.

7 The gear and mechanism for effecting release shall be so constructed and arranged as to ensure the safety of the lifeboat independently of any safety pins.

8. (a) (i) The means for effecting release shall be by hauling on or letting go a line or by using a lever. If release is effected by a pull upon a line the line shall be properly eased in

(ii) Rods or other connections between hooks shall also be eased in whenever this is necessary for the safety or the efficient action of the gear or for the protection of persons from injury.

(b) The fairleads shall be properly arranged to prevent the lines from jamming or nipping, and shall be strongly attached to permanent parts of the lifeboat. The lines shall be fitted with chains where necessary for efficiency.

9. Such parts of the gear as would otherwise be likely to be set fast by rust or corrosion shall be made of non-corrodible metal.

10. No part of the gear taking the weight of the lifeboat shall be made of cast metal.

11. The scantlings and proportions of all parts which support the weight of the lifeboat shall be designed to provide breaking strength proportionate to a load of at least 2-1/2 times the weight of the heaviest loaded lifeboat in which the gear is intended to be fitted.

FIFTEENTH SCHEDULE

[See rules 2 (g) and 30(2) (a) and (b)]

LIFERAFT LAUNCHING APPLIANCES

1. Definition of "Working Load". In this Schedule the expression "Working load" means :—

the sum of the weight of the liferaft and its equipment, all other associated gear that is supported by the launching appliance during the launching operation and the maximum number of persons which the liferaft is deemed fit to carry, the weight of each person being taken to be 75 Kgms.

2. **Strength.**—Every liferaft launching appliance and all associated gear which during the launching operation is subjected to the working load or total load imposed due to the working load shall be of such strength that the liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment can be safely lowered when the ship has a trim of up to 10 degrees and is listed up to 15 degrees either way.

3. **Construction.**— (i) Each part of every liferaft launching appliance shall be such when the appliance is operating under the working load and unfavourable conditions of list and trim it shall have an adequate factor of safety having regard to the material used, the method of construction and the natures of its duty.

(ii) Except for lead sheaves and block shaves, all parts of the appliance and its associated gear which are subjected to the working load or on which the safety of the appliance or the liferaft while in the process of launching depends shall be constructed of ductile material and no part, other than lead sheaves and block shaves, shall be constructed of cast metal unless the Central Government so permits.

4. **Static Load Test.**—Every liferaft launching appliance shall be capable of withstanding a static load test of not less than 2.2 times the working load.

5. **Operation :—**

(a) Every liferaft launching appliance shall be so designed that the liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment can be safely lowered into the water.

(b) The speed of lowering of the liferaft shall be automatically controlled at not less than 18 metres per minute nor more than 36 metres per minute and the descent of the liferaft shall be at all times under the manual control of the operator.

(c)(i) Operation of the launching appliance shall not be solely dependent on the use of means other than manual effort or gravity.

(ii) The arrangements shall be such that the liferaft can be lowered by gravity.

(d) Arrangements shall be such that on becoming water-borne the liferaft shall be automatically released from the launching appliance, and there shall be provisions for the manual release of the liferaft by a person on board the liferaft.

(e) When liferaft launching appliances incorporate winches, the winches shall be constructed in accordance with paragraph 10 of Part II of the Thirteenth Schedule.

6. **Lowering Test.**—Every liferaft launching appliance shall be tested by lowering the largest liferaft it is intended to serve when loaded with its full equipment and a distributed weight equal to the full number of persons which it is deemed fit to accommodate plus ten percent of the working load from the embarkation position into the water.

7. **Operational Tests.**—(i) Tests shall be made to ensure that any liferaft served by any launching appliance when loaded only with its full equipment can be lowered by gravity into the water.

(ii) If more than one liferaft is serviced by any launching appliance effective successive launching shall be demonstrated.

SIXTEENTH SCHEDULE

[See rule 37 (1)]

SHIP'S PARACHUTE DISTRESS ROCKET SIGNALS

1. Every ship's parachute distress rocket signal shall consist of a single bright red star which is projected to the required height by means of a rocket, and which burns while falling, its rate of fall being controlled by means of a parachute to an average rate of 4.5 metres per second.

2. (i) When the rocket is fired approximately vertically, the star and parachute shall be ejected at or before the top of the trajectory, at a minimum height of 229 metres.

(ii) The rocket shall in addition be capable of functioning when fired at an angle of 45 degrees to the horizontal.

3. (i) The star shall burn with a minimum luminosity of 30,000 candle power for not less than 40 seconds

(ii) It shall burn out at a height of not less than 46 metres from the sea level.

4. (i) The parachute shall be of such size as to provide the required control of the rate of fall of the burning star.

(ii) It shall be attached to the star by means of a flexible fireproof harness.

(5) (i) The rocket may be ignited by any suitable method.

(ii) If external ignition by means of a safety fuse is employed, the outer end of the safety fuse shall be covered with a metal ferrule primed with match composition and a separate striker shall be suitably attached to each rocket.

6. The match composition, the striker composition, the ferrule, and the whole of the external surface of the rocket shall be water-proofed.

7. The rocket shall be capable of functioning properly after immersion in water for one minute and removal of the adhering water by shaking.

8. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

9. (i) The rocket shall be packed in a container which shall be durable, damp-proof and effectively sealed.

(ii) If made of metal the container shall be well tinned and lacquered, or otherwise adequately protected against corrosion

10. The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and on the container.

11. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket

[F. No. 5-MSR(8)/74-MA]

V. V. SUBRAHMANYAM, Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1974

सा० का० नि०-१६५-राष्ट्रपति सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्माण और आवास मंत्रालय में उप निर्देशक (क्षेत्र महानगरीय विकास) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा अज्ञाते हैं, अर्थात् —

1 सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — (1) इन नियमों का नाम उप निर्देशक (क्षेत्र महानगरीय विकास) भर्ती नियम, 1971 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान — उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान वे होंगे जो इसमें उपाब्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएँ — उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उसमें सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4 निरर्हताएँ — यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षधारकों लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आचार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5 शिथिल करने की शक्ति — जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ, वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें सिद्ध करके तथा सच लोक सेवा आयोग में प्रामाण्य करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग की बाबत आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6 व्याप्ति — इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जातियाँ अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
उप निर्देशक (क्षेत्र महानगरीय विकास)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 राजपत्रित	700-10-1100- 5012-1250 रु० (पुनरीक्षित वेतनमान, 1200-50-1600 रु०)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं, प्रोन्नतों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होंगी या प्रोन्नति द्वारा, या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जान वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है, तो उसकी संरचना	भर्ती करने में होने वाली परिस्थितियों में सघनता सेवा आयोग में परामर्श किया जाएगा।
--	-----------------------------	---	--	--	---

8

9

10

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा।	केन्द्रीय सरकार के अधीन सामान्य पद धारण करने वाले अधिकारी या वे अधिकारी जो 400-950 रु० के वेतनमान (700-1300 रु० के पुनर्गठित वेतनमान) में किसी पद पर कम से कम पांच वर्ष सेवा कर चुके हों अथवा 350-900 रु० के वेतनमान (650-1250 रु० के पुनर्गठित वेतनमान) में कम से कम आठ वर्ष सेवा कर चुके हों या समतुल्य अधिकारी तथा सामान्य प्रशासन और वित्तीय विषयों का अनुभव (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता	सच लोक सेवा आयोग (परामर्श में छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा अपेक्षित।
----------------	----------------	-------------------------------------	--	----------------	---

[सं० ए०-12011/5/73-प्र० 1]

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 7th August, 1974.

G. S. R. 965 In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Deputy Director (Area Metropolitan Development) in the Ministry of Works & Housing, namely:—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Deputy Director (Area Metropolitan Development) Recruitment Rules, 1974. (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number Classification and scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in Column 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications:—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:—

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the Post of Deputy Director (Area Metropolitan Development) in Ministry of Works and Housing

Name of Post	No. of post.	Classification	Scale of pay	Whether selection Post or non-selection post.	Age limit for direct recruit.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Director (Area Metropolitan Development)	1	General Central Service Class I Gazetted	Rs. 700-40-1100-50/2 1250 (Revised Scale Rs. 1200-50-1600)	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Whether age and Educational prescribed for D.R. will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by D.R. or by promotion or by deputation, transfer & percentage of the vacancies to be filled by various method	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grades from, promotion/deputation, transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	Not applicable.	By transfer on deputation.	Transfer on Deputation: Officers under the Central Govt. holding analogous posts or with at least 5 years' service in post in the scale of Rs. 400-950 (Revised scale Rs. 700-1300) or with at least 8 years service in the scale of Rs. 350-900 (Revised scale Rs. 650-1250) or equivalent and having experience of gl. admin. & financial matters. (period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)	Not applicable.	As required under the UPSC Exemption from consultation Regulation, 1958.	

[No. A-12011/5/73-Admn I]

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 966.—राष्ट्रपति, मंत्रिधन के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए, निर्माण और आवास मंत्रालय के निर्माण खण्ड में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद द्वारा बनाते हैं, अधीन—

1. मक्षिण नाम और प्रारम्भ (1) उन नियमों का नाम निर्माण और आवास मंत्रालय, निर्माण खण्ड (अनुभाग अधिकारी-विशेष) भर्ती नियम, 1974 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान ये होंगे जो इससे उपावृद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, और अन्य शर्तें उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शर्तें, और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
4. निरर्हताएं.—यह व्यक्ति—
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;
उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्थीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां, वह उसके लिए जा कारण है उन्हें लिखित करके तथा मध्य लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध का, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संस्था में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्ग के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
अनुभाग अधिकारी (विशेष)	5	वर्ग 2 राजपत्रित	350-(400)-25-500-30-590- 600-30-800- 800-30-830- 900 रु० (पुनरीक्षित बेतनमान 650-30-740- 850-30-810- 900-30-880-10- 1000-30-900-40 1200 रु०)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्राप्ति की वृत्ति से लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत	प्रोत्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वृत्ति में वे श्रेणियां जिनमें प्रोत्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोत्ति समिति है, तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी की रैंक के अधिकारी या उस सेवा के स्थायी सहायक जो उस रूप में आठ वर्ष सेवा कर चुके हों और जिनके पास किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री हो और केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्य तथा लेखा संबंधी विषयों, संविदाओं, नियमित और कार्य प्रभारित स्थापन से सम्बन्धित स्थापन-विषयों का ज्ञान। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा अपेक्षित

[अ० ए०-11091/2/71-प्र० 1]

एम्० रंगारामासी,
अवर सचिव

New Delhi, the 22nd August, 1974

G.S.R. 966.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Section Officer (Special) in the Works Division in the Ministry of Works and Housing, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Ministry of Works and Housing, Works Division (Section Officer—Special) Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay : The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications : The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualifications :—

No person :—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Section Officers (special) in the Ministry of Works & Housing in the Works Division of the Secretariat—File No. 3/23(3)/73-RR.

Name of post	No of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational & other qualifications required for recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
Section Officer (Special)		Class II Gazetted	Rs. 350-(400)25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900-(Revised Scale : Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200)	Not applicable	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of Probation, if any	Method of Rec'tt. whether by direct rec'tt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods		In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10		11		12	13
Not Applicable	Not Applicable	By transfer on deputation		Transfer on deputation : Officers of the Rank of Section Officer of the Central Secretariat Service or permanent Assistants of that service with 8 years service as such and possessing a degree of a recognised University, knowledge of Central Public Works Department work and accounts matters, contract, establishment matters relating to regular and work charged establishment. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).		Not Applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

(निर्माण प्रभाग)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1974

सां० का० नि० 967.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) अग्निशमन कर्मचारिवृन्द भर्ती नियम, 1961 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) अग्निशमन कर्मचारिवृन्द भर्ती (संशोधन) नियम 1974 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) अग्निशमन कर्मचारिवृन्द भर्ती नियम 1961 की अनुसूची में फायरमैन के पद में सम्बन्धित क्रम संख्या 3 के सामने —

- (i) स्तम्भ 4 में "100 प्रतिशत" प्रविष्टि के स्थान पर "50 प्रतिशत" प्रविष्टि रखी जाएगी।
- (ii) स्तम्भ 6 में, "50 प्रतिशत" प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी।
- (iii) स्तम्भ 9 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

"अधिमार्ग्यतः मिडिल स्तर (मीडियम फार्म या सातवां स्तर) या स्थानीय जनभाषा पढ़ने और लिखने के योग्य होना चाहिए।

अभ्यर्थी का निम्नलिखित शारीरिक स्तर होना चाहिए—

- (क) ऊँचाई : 5 फुट 5 इंच।
- (ख) छाती : 2 इंच के न्यूनतम प्रसरण सहित 32 इंच।
- (ग) भार में 110 पौण्ड से कम न हो। किसी आशिक या पुराने रोगों से मुक्त हो।
- (घ) एक मिनट में 10 स्टीन के भार सहित 100 गज की दूरी तक भागने के योग्य होना चाहिए और धरती से 8 से 10 फुट की ऊँचाई तक रस्सी या खड़ी सीधी तनी पर चढ़ने में समर्थ होना चाहिए।"
- (iv) स्तम्भ 11 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, "हैं निवाए आयु सीमा के" प्रविष्टि रखी जाएगी।
- (v) स्तम्भ 12 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

"केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधीनस्थ कार्यालय काडर के वर्ग 4 कर्मचारिवृन्द जिनके पास स्तम्भ 9 में विनिर्दिष्ट अर्हताएँ हों।"

[सं० एफ० 33(2)/73-एम० एम०-2]

पी० वी० कुलकर्णी, अवर सचिव

(Works Division)

New Delhi, the 15th July, 1974

G.S.R. 967.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Fire Fighting Staff Recruitment Rules, 1961, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Fire Fighting Staff Recruitment (Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Fire Fighting Staff Recruitment Rules, 1961, against serial number 3 relating to the post of Fireman,—

- (i) in column 4, for the entry "100 per cent" the entry "50 per cent" shall be substituted;
- (ii) in column 6, the entry "50 per cent" shall be inserted;
- (iii) in column 9, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Preferably middle standard (3rd form or 7th standard) or should be able to read and write local vernacular. The candidate should possess the physical standard of—

- (a) Height : 5' 5";
- (b) Chest : 32" with minimum expansion of 2";
- (c) Not less than 110 lbs. in weight. Must be free from any organic or chronic diseases;
- (d) Should be able to run a distance of 100 yards with a load of 10 stones in one minute and should be capable of climbing a rope or a vertical pipe to a height of 8 to 10 feet from the ground;"
- (iv) in column 11, for the existing entry, the entry "Yes, except age limits" shall be substituted;
- (v) in column 12, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Class IV staff of subordinate offices Cadre of Central Public Works Department, who fulfil the qualifications specified in column 9".

[No. F. 33(2)/73-MS-H]

P. B. KULKARNI, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-1 अगस्त, 1974

सां० का० नि० 968.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति आकाशवाणी (श्रेणी 3 पद) भर्ती नियमावली, 1964 में अनिरीक्त संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् —

(1) इन नियमों को आकाशवाणी (श्रेणी 3 पद) (तृतीय संशोधन) भर्ती नियमावली, 1974 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 आकाशवाणी (श्रेणी 3 पद) भर्ती नियमावली, 1964 की अनुसूची में, क्रम संख्या 64 के सम्मुख कॉलम 2 के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् —

"हैड क्लर्क या एकाउन्टेड या सीनियर स्टोरक्लीपर"।

[सं० 1/5/73-सी० (ए०)]

एम० एल० टण्डन, अवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 27th August, 1974

G.S.R. 968.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964, namely :—

(1) These rules may be called the All India Radio (Class III Posts) Recruitment (Third Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the All India Radio (Class III Posts) Recruitment Rules, 1964, against Serial No. 64 in Column 2 for the existing entry the following entry shall be substituted, namely :—

"Head Clerk or Accountant or Senior Storekeeper".

[No. 1/5/73-B(A)]

M. L. TANDON, Under Secy.

संचार मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1974

मुद्रित

सां. कां. निं. 969.—दिनांक 18 मई, 1974 के भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (I) के पृष्ठ 1107 पर प्रकाशित भारत सरकार, संचार मंत्रालय की अधिसूचना सां. कां. निं. 491 में :—

(क) उक्त नियम के नियम 3(1) की चौथी पंक्ति में प्राये शब्द 'पक' के स्थान पर 'तक' पढ़ा जाए।

(ख) उक्त नियम के नियम 3(2)(3) के अंतिम पैरे की चौथी पंक्ति में प्राये शब्द 'युक्तिमुक्त' के स्थान पर 'युक्तियुक्त' पढ़ा जाए।

[सं. भारं. 11012/1/73-एलं. भारं.]

प्र. मुं. जोशी,

सहायक बेतार सलाहकार

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd August, 1974

G.S.R. 970.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and IV posts) Recruitment (Seventh Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1967,—

(i) in 'Part I—Andhra Pradesh'—

(a) against item 1, for the entry in column 10, the following shall be substituted, namely :—

65 GI/74—12

"Junior Assistant Welfare Inspector with 4 years' service and Head Clerk-cum-Accountant with 3 years' service rendered after appointment thereto on a regular basis."

(b) against item 2, for the entries in columns 4, 5, 9 and 10, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

4	5	9	10
Selection	By promotion failing which by direct recruitment	Age—No Qualifications— Yes	Senior Clerk with 3 years' service in the grade."

(ii) in 'Part II—Bihar',—

(a) against item 1, for the entry in column 10, the following shall be substituted, namely :—

"Welfare Organiser or Head Clerk-cum-Accountant with three years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis";

(b) against item 2, for the entry in column 10, the following shall be substituted, namely :—

"Field worker or senior clerk in the scale Rs. 130-300 with three years' service in the grade."

(iii) in 'Part III—Rajasthan',—

(a) against item 1, for the entries in column 10, the following entries shall be substituted, namely :—

"Junior Assistant Welfare Inspector or Head Clerk-cum-Accountant with 3 years' service rendered after appointment thereto on a regular basis."

(b) against item 1-A, for the entries in columns 4, 5, 9 and 10 the following entries shall respectively be substituted, namely :—

4	5	9	10
Selection	By promotion failing which by direct recruitment.	Age—No Qualifications— Yes	Senior Clerk with 3 years' service in the grade."

[A-12018/1/74 M-III]

New Delhi, the 23rd August, 1974

G.S.R. 971.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946 (22 of 1946), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Mica Mines Labour Welfare Fund Rules, 1948, namely :—

1. (1) These rules may be called the Mica Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In the Mica Mines Labour Welfare Fund Rules, 1948, in sub-rule (2) of rule 14, for the words "five members," the words "five members; provided that the Chairman may reject any such matter if he is satisfied that it is perverse, mala fide or against public decency or morals" shall be substituted.

[S-22012/1/74 M-III]

B. K. SAKSENA, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

(खान सुरक्षा महानिदेशालय)

धनबाद, 21 अगस्त, 1974

सां. कां. नि० 972—मुख्य निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (घ) के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक को, जिसका विनिर्माण उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा किया गया है, सभी प्रथम स्तर वाले गैसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में विनिर्दिष्ट करना है, और उक्त अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण भी अधिकथित करना है।

सारणी		
विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम भरण
(1)	(2)	(3)
एजेक्स-जी (मिश्रण-जी० ई०-38)	मेसर्स इंडियन एक्सप्लोसिव लिमिटेड, डाकघर-इन्डियन एक्सप्लोसिव (गोमिया), जिला-गिरिडीह (बिहार)।	790 ग्राम

[सं० 14(14)/73-सामान्य/15710]

MINISTRY OF LABOUR
(Directorate-General of Mines Safety)

Dhanbad, the 21st August, 1974.

G. S. R. 972.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Chief Inspector of Mines hereby specifies the explosives specified in column (1) of the Table below, manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be Permitted Explosive suitable for use in First Degree gassy coal mines, and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said Permitted Explosive.

TABLE		
Name of the Explosive	Name of the Firm	Permissible maximum charge
(1)	(2)	(3)
Ajax-G (Composition GE-38).	Messrs Indian Explosives Limited, P.O. Indian Explosives (Gomia), Dist. Giridih, Bihar.	790 Grammes.

[No.14(14)/73-Genl/15710]

सां. कां. नि० 973—मुख्य निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (घ) के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक का, जिसका विनिर्माण उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा किया गया हो, सभी प्रकार के गैसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में विनिर्दिष्ट करना है, और उक्त

अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण भी अधिकथित करना है।

सारणी		
विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम भरण
(1)	(2)	(3)
युनोमेक्स जी० (मिश्रण जी० ई०-42)	मेसर्स इंडियन एक्सप्लोसिव लिमिटेड, डाकघर-इन्डियन एक्सप्लोसिव (गोमिया), जिला-गिरिडीह (बिहार)।	1.00 किलोग्राम

[सं० 14(32)/73-सामान्य/15708]

G. S. R. 973.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulation 1957, the Chief Inspector of Mines hereby specifies the explosives specified in column (1) of the Table below, manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be Permitted Explosive suitable for use in all degrees of gassy coal mines, and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said Permitted Explosive.

TABLE		
Name of the Explosive	Name of the firm	Permissible maximum charge
(1)	(2)	(3)
Unisax-G (Composition GE-42).	Messrs Indian Explosives Limited, P.O. Indian Explosives (Gomia) Dist. Giridih, Bihar.	1.00 Kilogram

[No.14(32)/73-Genl/15708]

सां. कां. नि० 974—मुख्य निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (घ) के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक को, जिसका विनिर्माण उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा किया गया है, सभी प्रथम स्तर वाले गैसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में विनिर्दिष्ट करता है, और उक्त अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण भी अधिकथित करना है।

सारणी		
विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम भरण
(1)	(2)	(3)
एजेक्स-जी० (मिश्रण जी० ई०-44)	मेसर्स इंडियन एक्सप्लोसिव लिमिटेड, डाकघर-इन्डियन एक्सप्लोसिव (गोमिया), जिला-गिरिडीह (बिहार)।	790 ग्राम

[सं० 14(2)/74/सामान्य/15712]

हि० भू० घोष
खान सुरक्षा महानिदेशक

G.S.R. 974.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Chief Inspector of Mines hereby specifies the explosives specified in column (1) of the Table below, manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be Permitted Explosive suitable for use in First Degree gassy coal mines, and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said Permitted Explosive.

TABLE

Name of the Explosive	Name of the Firm	Permissible maximum charge
(1)	(2)	(3)
Ajax-G (Composition GE-44).	Messers Indian Explosives Limited, P.O. Indian Explosives (Gomia), Dist. Giridih, Bihar.	790 Grammes.

[No.14(2)/74-Genl/15712]

H. B. GHOSE, Director-General of Mines Safety

